THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 305 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.13 2081 सोमवार, 27 जनवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

जम्मू-कश्मीर में रहस्यमयी मौतों के बाद 200 लोग आइसोलेट

जम्मू, 26 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में 17 लोगों की रहस्यमयी मौत के बाद बधाल गांव में हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। इसके चलते सभी डॉक्टरों की छुट्टियां भी कैंसिल कर दी गई हैं। एक दिन पहले शनिवार को मृतकों के नजदीकी करीब 200 रिश्तेदारों को आइसोलेशन सेंटर भेजा गया था। करीब 14 मरीज अभी भी अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। उनकी हालत में सुधार हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि चंडीगढ़ से एफएसएल रिपोर्ट आने में अभी 4-5 दिन और लग सकते हैं। उसके बाद ही मौतों की वजह साफ हो सकेगी।

कर्तव्य पथ पर भारत की सैन्य शक्ति

युद्धक टैंक, विमानों की गूंज से थर्राए धरती और गगन

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भारत आज अपना 76वां गणतंत्र दिवस समारोह मना रहा है। जिसमें कर्तव्य पथ पर परेड के दौरान दुनिया ने भारत का शक्ति प्रदर्शन देखा। सैनिकों के अभिभूत करने वाले मार्चिंग दस्ते, मिसाइलें, टैंक, लड़ाकू विमानों ने कर्तव्य पथ पर ताकत का ऐसा प्रदर्शन किया, जिसे देखकर दर्शक जोश से भर गए। इस बार इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भारत के गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस परेड में स्वदेशी अर्जुन युद्धक टैंक, तेजस लड़ाकू विमान और उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर्स ने जमीन, पानी और हवा में समन्वित ऑपरेशन का प्रदर्शन किया गया। तीनों सेनाओं की झांकी का विषय 'सशक्त और सुरक्षित भारत' था। परेड की शुरूआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सलामी लेने के साथ हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कई अन्य केंद्रीय मंत्री, देश के शीर्ष सैन्य अधिकारी, विदेशी राजनयिक और वरिष्ठ अधिकारी भी गणतंत्र दिवस समारोह के साक्षी बने।

सेना ने युद्धक टैंक, मिसाइल सिस्टम और आधुनिक सैन्य वाहनों का किया प्रदर्शन

इसके बाद सेना के यांत्रिक विभाग के मार्चिंग दस्ते ने मार्च किया। सेना के टी-90 भीष्म टैंक, नाग मिसाइल सिस्टम, ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और पिनाका मल्टी रॉकेट लॉन्चर, आकाश मिसाइल प्रणाली और आधुनिक सैन्य वाहनों का प्रदर्शन किया गया। लाइट स्पेशलिस्ट वाहन बजरंग, वाहन माउंटेड इन्फेंट्री मोर्टार सिस्टम एरावत, त्वरित प्रतिक्रिया वाहन नंदीघोष ने भी गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लिया।

भारतीय सेना के इन मार्चिंग दस्तों ने की शिरकत

मार्चिंग दस्ते में सेना की ब्रिगेड ऑफ द गाड्र्स, जाट रेजिमेंट, गढ़वाल राइफल्स, महार रेजिमेंट, जम्मू और कश्मीर राइफल्स रेजिमेंट और सिग्नल कोर की टुकड़ियां शामिल रहीं। भारतीय नौसेना की टुकड़ी में 144 जवान शामिल हुए, जिनका नेतृत्व लेफ्टिनेंट कमांडर साहिल अहलूवालिया ने किया और लेफ्टिनेंट कमांडर इंद्रेश चौधरी, लेफ्टिनेंट कमांडर काजल अनिल भरानी और लेफ्टिनेंट देवेंद्र प्लाटून कमांडर थे। नौसेना की झांकी भी कर्तव्य पथ पर प्रदर्शित की गई, जिसमें नौसेना के विध्वंसक आईएनएस सूरत, फ्रिगेट आईएनएस नीलगिरि और पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर सहित हाल ही में शामिल किए गए स्वदेशी अत्याधुनिक लड़ाकू जहाजों को भी प्रदर्शित किया गया। इस झांकी के जरिए स्वदेशी युद्धपोत डिजाइन और निर्माण में भारत के तेज विकास को दर्शाया गया।

भारतीय वायु सेना की टुकड़ी में चार अधिकारी और 144 जवान शामिल हुए। वायुसेना की टुकड़ी का नेतृत्व स्क्वाड्रन लीडर महेंद्र सिंह गराती ने किया। इसके बाद वायुसेना के लड़ाकू विमान मिग-29 ने फ्लाइपास्ट किया और 'बाज फॉर्मेशन' का प्रदर्शन किया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने अपनी झांकी में देश में विकसित कई स्वदेशी सैन्य प्रणालियों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया। डीआरडीओ की झांकी में हवा में मार करने वाली मिसाइल, प्रारंभिक चेतावनी और नियंत्रण प्रणाली, आर्टिलरी गन प्रणाली और ड्रोन का पता लगाने, रोकने और नष्ट करने वाली प्रणाली का प्रदर्शन शामिल था।

परेड के दौरान उपग्रह आधारित निगरानी प्रणाली, मध्यम शक्ति रडार अरुध्रा, उन्नत हल्के टारपीडो, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली धराशक्ति, लेजर आधारित हथियार, वायु रक्षा प्रणाली और मानव रहित हवाई प्रणाली का भी प्रदर्शन किया गया। पहली बार स्वदेशी रूप से विकसित प्रलय मिसाइल प्रणाली का प्रदर्शन किया गया।

पीएम मोदी ने बांधा लाल-पीले रंग का साफा

कुर्ते-पायजामे के साथ बंद गले का कोट पहने नजर आए

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 76वें गणतंत्र दिवस पर खास अंदाज में नजर आए। उन्होंने सफेद कुर्ता-पायजामा के साथ गहरे भूरे रंग का बंद गले का कोट और लाल-पीले रंग का साफा पहना। इसके साथ ही उन्होंने विशेष अवसरों पर चमकीला और रंग-बिरंगा साफा पहनने की अपनी परंपरा को जारी रखा। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर बहुरंगी 'बांधनी' प्रिंट का साफा पहना था।

बांधनी एक प्रकार का टाई-डाई कपड़ा होता है, जो गुजरात और राजस्थान में लोकप्रिय है। यह एक ऐसी विधि है, जिसमें कपड़े को बांधकर व गांठ लगाकर रंगाई की जाती है। जार्जेट, शिफान, रेशमी व सूती कपड़े को रंग के कुंड में डालने से पहले धागे से कसकर बांधा जाता है और जब इस धागे को खोला जाता है तो बंधा हुआ हिस्सा रंगीन हो जाता है। फिर हाथ से कपड़े पर धागे के प्रयोग से डिजाइन तैयार किया जाता है।

इससे पहले 2023 में मोदी ने कुर्ते और चूड़ीदार पायजामे के साथ बहुरंगी राजस्थानी साफा पहना था। इस साल 77वें स्वतंत्रता दिवस पर उन्होंने कई रंगों वाला राजस्थानी शैली का साफा चुना था, जिसका अंतिम छोर (छेला) कमर के नीचे तक लंबा था। प्रचंड बहुमत के साथ दूसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में लौटने के बाद 2019 में मोदी ने लाल किले की प्राचीर से अपना छठा स्वतंत्रता दिवस भाषण देते हुए बहुरंगी साफा पहना था। राजस्थानी साफा या पगड़ी स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के लिए प्रधानमंत्री की पसंद रहे हैं।

2014 में अपने पहले स्वतंत्रता दिवस भाषण के अवसर पर उन्होंने चमकीले लाल रंग का जोधपुरी बंधेज साफा पहना। साल 2015 में प्रधानमंत्री मोदी ने बहुरंगी लहरिया पीला साफा और 2016 में गुलाबी और पीले रंग का टाई-एंड-डाई साफा पहना था। 2017 में प्रधानमंत्री का साफा चमकीले लाल और पीले रंग का मिश्रण था। इसमें चारों ओर सुनहरी रेखाएं थीं। उन्होंने 2018 में लाल किले पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए केसरिया साफा पहना था। कच्छ के चमकीले लाल रंग के बांधनी साफे से लेकर पीले रंग का राजस्थानी साफा, गणतंत्र दिवस पर मोदी के पहनावे के प्रमुख आकर्षण रहे हैं।

2022 में पीएम मोदी ने गणतंत्र दिवस समारोह के लिए उत्तराखंड की एक अद्वितीय पारंपरिक टोपी चुनी थी।

इस टोपी में ब्रह्मकमल बना हुआ था। ब्रह्मकमल उत्तराखंड का राजकीय फूल है, जिसे प्रधानमंत्री केदारनाथ की हर यात्रा पर इस्तेमाल करते रहे हैं। इससे पहले 2021 में मोदी ने गणतंत्र दिवस परेड के दौरान पीले बिन्दुओं वाली 'हालारी' पगड़ी पहनी थी। इसे जामनगर के शाही परिवार के जामसाहब की ओर से प्रधानमंत्री को भेंट किया गया था।

महाकुंभ में भाजपा विधायक महामंडलेश्वर बने

लेटे हनुमान पर 1 लाख भक्तों की लाइन, भीड़ के चलते संगम में डुबकी नहीं लगा पा रहे श्रद्धालु

प्रयागराज, 26 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ का आज 14वां दिन है। रविवार की छुट्टी होने के चलते महाकुंभ में खचाखच भीड़ है। संगम पर इतनी भीड़ है कि डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं को दो-दो घंटे इंतजार करना पड़ रहा है। प्रशासन के मुताबिक, सुबह 10 बजे तक मेला क्षेत्र में 37 लाख से ज्यादा श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। करीब 20-25 लाख लोग संगम क्षेत्र में हैं।

पुलिस लगातार श्रद्धालुओं से दूसरों घाटों में स्नान करने की अपील कर रही है। लेटे हनुमान मंदिर के बाहर करीब 1 लाख श्रद्धालु लाइन में लगे हैं। पीलीभीत के भाजपा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद निर्मल अखाड़े के महामंडलेश्वर बनाए गए। उनका आज पट्टाभिषेक हुआ। इस समय प्रवक्तानंद खमरिया स्थित अक्रिय धाम के पीठाधीश्वर हैं। प्रयागराज में बाहर से आने वाली सभी गाड़ियों को संगम से 10-12 किमी पहले ही रोक दिया जा रहा है। वहां से ई-रिक्शा और शटल बस से लोग आ रहे हैं, लेकिन यह गाड़ियां भी 5-6 किमी पहले रुक जा रही हैं। यानी, श्रद्धालुओं को 5-6 किमी पैदल चलना पड़ रहा है।

गणतंत्र दिवस के चलते पुलिस ने सुरक्षा भी बढ़ा दी। जगह-जगह चेकिंग की जा रही है। इस वजह से महाकुंभ में एंट्री के सभी रास्तों पर जाम लगा है। प्रयागराज जंक्शन से संगम तक गाड़ियां बंद हैं। ऐसे में रेलवे स्टेशन पहुंच रहे लोगों को 10-12 किमी तक पैदल चलना पड़ रहा है। महाकुंभ में आज अखिलेश यादव पहुंचे हैं। वह संगम में डुबकी लगाये हैं। कल गृहमंत्री अमित शाह का कार्यक्रम है। वह 5 घंटे प्रयागराज में रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने चार योजनाओं का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री श्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को कोसगी मंडल के चंद्रवंचा गांव में चार नई "प्रजा पालना" योजनाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान घोषित छह गारंटियों के तहत, जनता की सरकार आज चंद्रवंचा गांव में रैतु भरोसा, इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा, इंदिराम्मा घर और नए राशन कार्ड योजनाओं का शुभारंभ कर रही है। आजादी के बाद से 2022 तक कोडंगल विधानसभा क्षेत्र को विकास में उसका वाजिब हिस्सा नहीं मिला।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत की और मुझे विधायक चुना। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने मुझे मुख्यमंत्री नियुक्त किया। मुख्यमंत्री बनने के बाद, मैं कोडंगल पर ज्यादा ध्यान नहीं दे पाया। मिट्टी और बीज की तरह, कांग्रेस और किसानों के बीच का रिश्ता अविभाज्य है। पूर्व सीएम वाईएस राजशेखर रेड्डी ने किसानों को मुफ्त बिजली दी और बिजली का बकाया माफ किया। यूपीए सरकार के दौरान प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी ने देशभर में 72,000 करोड़ रुपये के कृषि ऋण माफ किए और साबित किया कि कृषि एक लाभदायक पेशा है। कांग्रेस ने 2 लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफ करने का वादा किया और उसे लागू किया। मेरी सरकार ने 22.50 लाख किसानों के 21,000 करोड़ रुपये के ऋण माफ किए और उन्हें कर्ज मुक्त किया। रैतु भरोसा के पहले चरण के तहत सरकार ने किसानों के खातों में करीब 7,000 करोड़ रुपये जमा किए।

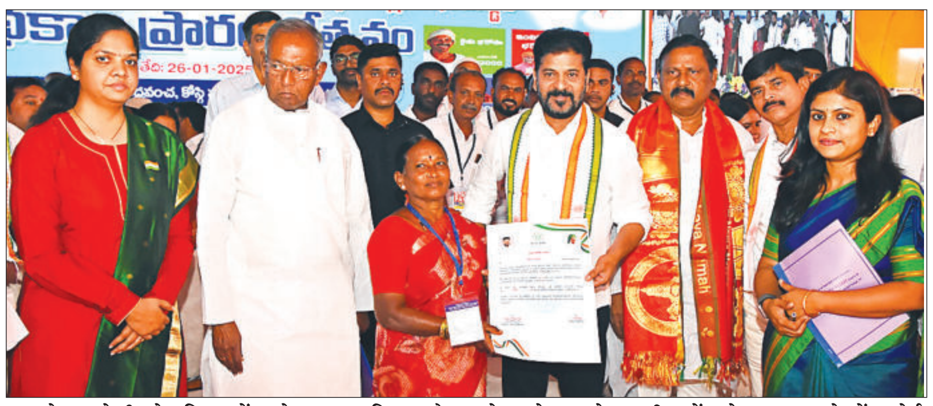

जनता की सरकार के पहले साल में 55,145 सरकारी नौकरियों की भर्ती की और देश के किसी भी राज्य ने रिक्तियों को भरने के लिए इतना बड़ा अभियान नहीं चलाया।

कृषि को 24 घंटे मुफ्त बिजली दी जा रही है और 50 लाख गरीब तबकों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है। 50 लाख परिवारों को 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा 120 करोड़ महिलाओं ने 13 महीने तक आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की। सरकार ने आरटीसी बस यात्रा योजना के लिए अब तक आरटीसी को 4000 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। गरीबों को और अधिक सहायता देने की जरूरत है। पिछली सरकार ने प्रति एकड़ 5000 रुपये का भुगतान किया।

यह सरकार रैतु भरोसा के तहत 12,000 रुपये दे रही है। सरकार हर साल रैतु भरोसा के तहत 70 लाख किसानों को 20,000 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी। हर किसान को आधी रात के बाद प्रति एकड़ 6,000 रुपये रैतु भरोसा का लाभ मिलेगा। राज्य के लाखों किसानों की सहायता के लिए चंद्रवंचा गांव से रैतु भरोसा की शुरूआत की। मेरी पदयात्रा के दौरान कई भूमिहीन गरीबों ने मदद की गुहार लगाई।

सरकार इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा के तहत हर साल भूमिहीन गरीबों को 12,000 रुपये देगी। इस कार्यक्रम के जरिए 10 लाख परिवारों को सहायता दी जाएगी। लाभ रात 12 बजे के बाद उनके खातों में जमा किया जाएगा। इंदिराम्मा आवास योजना की चर्चा होने पर पूर्व सीएम वाईएस राजशेखर रेड्डी का नाम याद आता है। कांग्रेस सरकार ने 2004 से 2014 के बीच गरीबों को इंदिराम्मा आवास मुहैया कराए थे। अकेले कोडंगल में ही गरीबों को करीब 34,000 घर दिए गए।

अरविंद केजरीवाल के निशाने पर मोदी सरकार

10 लाख करोड़ की कर्जमाफी का दावा कर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा चुनाव की सियासी गर्मी के बीच कर्जमाफी को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार ने करीबी लोगों का 10 लाख करोड़ रुपये तक का कर्जा माफ किया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देश के 400-500 लोगों पर पूरा खजाना लुटाया जा रहा है।

दरअसल, अरविंद केजरीवाल ने आज दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर दिल्ली की जनता को दो विकल्पों में से एक को चुनने का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा कि जनता के पास एक 'केजरीवाल मॉडल' है और दूसरा 'बीजेपी मॉडल'। केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी का मॉडल में जनता का पैसा, उनके अमीर दोस्तों की जेबों में चला जाता है।

केजरीवाल बोले- हर महीने 25 हजार का फायदा :

अरविंद केजरीवाल ने इस बात पर जोर दिया कि आप के नेतृत्व वाली सरकार के तहत दिल्ली के लोगों को प्रति माह 25,000 रुपये तक का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो वह सभी कल्याणकारी योजनाओं को बंद कर देगी क्योंकि यह उनके मॉडल के खिलाफ है।

केजरीवाल ने बताया देश बचाने का चुनाव :

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली का यह चुनाव केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरा देश बचाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि यह जनता को यह तय करना है कि देश का और राज्य का पैसा कैसे खर्च होना चाहिए। जनता किसी भी सामान को खरीदने पर टैक्स देती है। सरकार के पास इकट्ठा पैसे को खर्च करने के दो तरीके हैं।

एक राष्ट्र-एक समय

अब सभी को अपनाना होगा भारतीय मानक समय : सरकार ने तैयार किया नियमों का मसौदा

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार देश में जल्द ही 'एक देश एक समय' को लागू करने जा रही है। सरकार ने भारतीय मानक समय को अनिवार्य बनाने के लिए नियमों का मसौदा तैयार किया गया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने 14 फरवरी तक जनता से प्रतिक्रिया मांगी है।

सरकार की ओर से जारी सूचना के मुताबिक, समय-निर्धारण को मानकीकृत करने के लिए सरकार ने सभी आधिकारिक और वाणिज्यिक प्लेटफार्मों पर भारतीय मानक समय (आईएसटी) के विशेष उपयोग को अनिवार्य करने के लिए व्यापक नियमों का मसौदा तैयार किया है। कानूनी माप विज्ञान (भारतीय मानक समय) नियम, 2024 का मकसद समय पालन प्रथाओं को मानकीकृत करने के लिए एक कानूनी ढांचा स्थापित करना है।

आतंकी पन्नू की सीएम मान को धमकी

राजनीतिक मौत की चेतावनी दी, आप नेताओं, पुलिस अधिकारियों के परिवारों को भी सतर्क रहने की सलाह

अमृतसर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ एक वीडियो जारी कर उन्हें 'राजनीतिक मौत' की धमकी दी है। एसएफजे प्रमुख आतंकी पन्नू ने कहा कि मुख्यमंत्री की बुलेटप्रूफ सुरक्षा उन्हें शारीरिक नुकसान से बचा सकती है, लेकिन 'राजनीतिक मौत' से नहीं। एसएफजे ने अपने वीडियो में कहा कि भगवंत मान ने 'खालसा वहीर' नामक सामाजिक अभियान के लिए सांसद अमृतपाल सिंह और उनके साथियों के खिलाफ आतंकवाद विरोधी कानून एनएसए के तहत मामले दर्ज कराए। इसके अलावा उन्होंने पीलीभीत में कथित फर्जी मुठभेड़ के लिए सीएम मान को जिम्मेदार ठहराया। जिसमें तीन सिख युवकों की जान चली गई। उन्होंने खालिस्तान जनमत संग्रह के समर्थकों पर झूठे आरोप लगाने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी धमकी दी है।

एसएफजे नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कहा कि पंजाब के युवा खालिस्तान के समर्थन में संगठित हो चुके हैं और यह आंदोलन पंजाब पर भारत के नियंत्रण को चुनौती देगा। जनमत संग्रह से युवाओं का गुस्सा बम की तरह फूटेगा।

आप नेताओं और पुलिस कर्मियों के परिवारों को खतरा :

इसके साथ ही एसएफजे ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं और उनके परिवारों को निशाना बनाने की बात भी कही।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा नेताओं पर बोला बड़ा हमला

संविधान के मूल्यों को खत्म कर रही सरकार

बेंगलूरू, 26 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को भाजपा नेताओं पर तीखा हमला किया। उन्होंने भाजपा नेताओं को 'नरकवासी' बताते हुए कहा कि इन नेताओं ने देश को आजादी दिलाने या अर्थव्यवस्था और समाज की भलाई के लिए कुछ नहीं किया। खड़गे ने विशेष रूप से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर डॉ.बी आर अंबेडकर वाले बयान को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि शाह ने भारतीय संविधान के निर्माता डॉ.बी आर अंबेडकर के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की।

संविधान के मूल्यों को खत्म कर रही भाजपा :

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आगे कहा कि भाजपा सरकार संविधान के मूल्यों को खत्म कर रही है और नागरिकों के अधिकारों, खासकर महिलाओं के अधिकारों का उल्लंघन कर रही है। उन्होंने पीएम मोदी के भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के बयान का भी मजाक उड़ाया और कहा कि भाजपा सरकार देश की अर्थव्यवस्था को पिछड़ा कर रही है। साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार सिर्फ अमीरों और ताकतवर लोगों को फायदा दे रही है, जबकि गरीबों को नजरअंदाज कर रही है।

खड़गे ने यह भी कहा कि भाजपा सरकार देश के संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है। उन्होंने कहा कि संसद में कामकाज में गिरावट आ रही है। इसके अलावा उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार धार्मिक कट्टरवाद को बढ़ावा दे रही है, जिससे समाज में नफरत और विभाजन फैल रहा है और अल्पसंख्यकों और कमजोर वर्गों के खिलाफ भेदभाव किया जा रहा है।

इसके साथ ही मणिपुर हिंसा को लेकर भी भाजपा का घेराव किया। उन्होंने कहा कि मणिपुर में हिंसा जारी है, लेकिन केंद्र सरकार की ओर से कोई जवाबदेही नहीं है। बता दें कि कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सोमवार को इंदौर जा रहे हैं, जहां वह गांधी और अंबेडकर के विचारों को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

आज विश्व प्रतीक्षा कर रहा है

भारत से हमें आगे का रास्ता मिले बोले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

मुंबई, 26 जनवरी (एजेंसियां)। पूरे देश में बड़ी धूम-धाम से आज गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने महाराष्ट्र के भिवंडी में ध्वजारोहण किया। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हमारे देश को बहुत आगे जाना है। आज विश्व प्रतीक्षा कर रहा है कि भारत से हमें आगे का रास्ता मिले। उन्होंने कहा कि ऐसा भारत बनाना हम सबका स्वाभाविक दायित्व है।

'धर्म का एक अंग पूजा भी होती है'

भागवत ने कहा कि धर्म का एक अंग पूजा भी होती है, खानपान और रीति रिवाज का नियम भी होता है। वही धर्म नहीं, वह तो आचरण है धर्म का, जो देशकाल स्थिति के अनुसार बदलता है और बदलना चाहिए, परंतु शाश्वत बात धर्म कहते हैं वह क्या है। उन्होंने कहा कि डॉ बाबासाहेब अंबेडकर ने संसद में संविधान हमको देते समय जो भाषण दिया था, उसके एक वाक्य में उन्होंने व्याख्या की कि बंधु भाव यही धर्म है। विश्व का अध्यात्म पूजा में, खानपान में अटका हुआ है। भारत में सदा आध्यात्म इसके ऊपर रहा है और उसको प्रत्यक्ष जीवन में हमको जीके बताना है। जीवन के पुरुषार्थ में धर्म, कर्म,अर्थ, मोक्ष चारों पुरुषार्थ में ऐसे कैसे जिया जाता है अपने उदाहरण से बताना है, आने वाली पीढ़ी हमसे भी आगे निकल जाएगी और भारत को बड़ा बनाएगी यह उम्मीद भी इस पीढ़ी से है।

'राष्ट्रीय ध्वज के केंद्र में धम्म चक्र है'

मोहन भागवत ने कहा कि अपने कुटुंब को जो बड़ा करता है उसे लोग अच्छा मानते हैं, जो कुटुंब गांव की सेवा करता है वह अधिक प्रतिष्ठित होता है और जिस गांव से अच्छे-अच्छे लोग देश के लिए मिलते हैं उस गांव की प्रतिष्ठा होती है। उन्होंने कहा कि अपने राष्ट्रीय ध्वज के केंद्र में धम्म चक्र है, बंधु भाव समरसता का संदेश देता है, सब की समानता का संदेश देता है और सब की स्वतंत्रता का संदेश देता है।

सड़क हादसों में नहीं लग रहा ब्रेक, 25 दिन में 96 घटनाएं 28 लोगों ने गंवाई जान

दमोह, 26 जनवरी (एजेंसियां)। दमोह जिले में सड़क हादसों पर ब्रेक नहीं लग पा रहा है। सिर्फ 25 दिनों के अंदर ही 28 लोगों की मौत सड़क हादसों में हो गई। यह आंकड़ा बताता है किस प्रकार से लोग सड़क दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। पुलिस प्रशासन एवं प्रशासनिक अधिकारियों के काफी प्रयासों के बाद भी वाहन दुर्घटनाओं में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आ रही है। जबकि प्रतिदिन यातायात पुलिस विशेष रूप से इस मामले में कार्रवाई के साथ-साथ स्कूलों में जाकर भी जागरूकता अभियान चला रही है। वहीं ग्रामीण क्षेत्र के पुलिस थानों में भी पुलिस पहुंचकर यातायात के साथ-साथ अन्य विषयों पर भी छात्रों को जागरूक करने का प्रयास कर रही है, लेकिन वाहन दुर्घटनाएं लगातार ही बढ़ती जा रही है। इस वर्ष जनवरी महीने के 25 दिन में 96 घटनाओं में 28 लोगों की मौत हो चुकी है। वही वर्ष 2024 में 300 से अधिक मौतें हुई थी, पिछले वर्ष आंकड़ों के मुताबिक जिले में करीब 1000 सड़क हादसे हुए हैं,

सीएम आतिशी ने गोविंदपुरी में की पदयात्रा

राजीव गांधी कॉलोनी में किया जनसभा को संबोधित

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने रविवार को गोविंदपुरी गली नं। 9 से 13 में पदयात्रा की। पदयात्रा में जनता ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और आगामी चुनाव में आप को समर्थन देने का वादा किया। साथ ही, आज राजीव गांधी कॉलोनी बी-ब्लॉक में आयोजित नुक्कड़ सभा में भी लोगों ने भारी संख्या में शिरकत की। पदयात्रा के दौरान सीएम आतिशी ने कहा गोविंदपुरी की जनता ने तय कर लिया है कि यहां गाली-गलौच और गुंडागर्दी करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। यहां जनता काम करने वाली सरकार को ही चुनेगी और गुंडागर्दी की राजनीति को बाहर का रास्ता दिखाएगी। सीएम आतिशी ने कहा, अरविंद केजरीवाल इकलौते ऐसे नेता है जिन्होंने दिल्ली के लोगों को 24 घंटे बिजली दी, वर्ल्ड क्लास सरकारी स्कूल दिए, मोहल्ला क्लिनिक में बेहतरीन इलाज दिया, महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए फ्री बस यात्रा दी, बुजुर्गों को तीर्थयात्रा करवाई।

महिलाओं को 2100 रुपये सम्मान राशि का वादा

उन्होंने कहा, दिल्ली के लोग जानते हैं कि अरविंद केजरीवाल जो कहते हैं, उसे पूरा करके दिखाते हैं। उन्होंने दिल्ली की महिलाओं से वादा किया है कि प्रतिमाह 2100 रुपये की सम्मान राशि देंगे। दिल्ली के बुजुर्गों को अपनी संजीवनी योजना के तहत प्राइवेट अस्पतालों में भी फ्री इलाज देंगे। बता दें कि दिल्ली में 5 फरवरी को मतदान होगा। वहीं, चुनाव के नतीजों का ऐलान 8 फरवरी को किया जाएगा। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि जनता किसे दिल्ली की कमान सौंपती है? हालांकि जैसे-जैसे मतदान की तिथि करीब आ रही है, वैसे-वैसे दिल्ली में चुनावी माहौल गरमाता जा रहा है।

नोएडा में 'फिटजी' कोचिंग के मालिक समेत 12 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज पैरेंट्स ने लगाए ये आरोप

नोएडा, 26 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश में फिटजी द्वारा संचालित कई कोचिंग सेंटर अचानक बंद हो गए हैं, जिससे सैकड़ों छात्र अपनी शैक्षणिक तैयारियों के बीच में ही फंस गए हैं। इस बीच नोएडा पुलिस ने इस मामले में उसके मालिक सहित 12 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।नोएडा पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि अभिभावकों की शिकायत पर नोएडा के सेक्टर-58 और ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाने में दो मुकदमे दर्ज किए गए हैं जिसमें 'फिटजी' के मालिक डीके गोयल, मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) राजीव बब्बर, मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) मनीष आनंद, ग्रेटर नोएडा शाखा के प्रमुख रमेश बटलेश समेत 12 लोगों को नामजद किया गया। नोएडा पुलिस उपायुक्त राम बदन सिंह ने कहा, अभिभावकों की शिकायत के आधार पर आपराधिक साजिश और विश्वासघात के आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने ग्रेटर नोएडा के निवासी सतसंग कुमार की शिकायत के हवाले से बताया कि नोएडा के सेक्टर-62 स्थित संस्थान का सेंटर मंगलवार तक खुला था और उस दिन एक घंटे पहले छुट्टी कर दी गई,

'नेहरू का संविधान जला दिया गया हम तो केवल भारतीय संविधान को बचाने की कोशिश कर रहे हैं'

कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह के बयान से हलचल

भोपाल, 26 जनवरी (एजेंसियां)। हमेशा अपने बयानों से चर्चाओं में रहने वाले कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह फिर एक बयान ऐसा बयान दिया है जिसने लोगों का ध्यान खींचा है। इस बार दिग्विजय सिंह ने भारतीय संविधान को पंडित जवाहरलाल नेहरू का बता दिया। दरअसल कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह 27 जनवरी को इंदौर के महू में होने वाले कांग्रेस कार्यक्रम 'जय बापू जय भीम यात्रा' को लेकर बैठके कर रहे हैं। नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए एक बड़ा और विवादास्पद बयान दिया है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू का जो संविधान था, उसे जला दिया गया और अब हम केवल भारतीय संविधान को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है।

भारतीय संविधान का समझाया महत्व

राजसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने भारतीय संविधान की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि यह संविधान हर वर्ग के अधिकारों की रक्षा करता है। उन्होंने मंच से एक पर्चा भी वितरित किया, जिसमें अनुसूचित जाति, महिलाओं, किसानों, पिछड़े वर्ग और आदिवासियों के अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई थी। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान हमें यह ताकत देता है कि हम अपने नेताओं को चुन सकते हैं और अगर जरूरी हो तो उन्हें सत्ता से हटा भी सकते हैं। यह ताकत हमें बाबा साहब अंबेडकर द्वारा लिखित भारतीय संविधान से मिली है। दिग्विजय सिंह ने अपने भाषण में ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि आजादी से पहले देश में राजा-रजवाड़ों का शासन था, जिसमें चुनाव नहीं होते थे और राजवंश के लोग ही शासन करते थे। उन्होंने कहा, 1947 में जब देश आजाद हुआ, तब राजा-रजवाड़ों का अंत हुआ और जनता का राज स्थापित हुआ, और यह बदलाव भारतीय संविधान के कारण संभव हुआ।"

कमजोरों का अधिकार छीनने की हो रही कोशिश - दिग्विजय

वहीं दिग्विजय सिंह ने इस दौरान पंडित नेहरू के संविधान को जलाए जाने की बात की, और कहा कि अब केवल भारतीय संविधान को बचाना जरूरी है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान व्यवस्था में समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों को छीनने की कोशिश हो रही है। दिग्विजय सिंह ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इस पर्चे का अध्ययन करें, जिसमें संविधान द्वारा बनाए गए कानूनों का उल्लेख किया गया है। जो खासकर गरीबों, महिलाओं, और किसानों के हित में हैं।

आरोपी तौसिफ को ईओडब्ल्यू ने किया गिरफ्तार, खुद को बताया था घोटाले का मुखबिर

मुंबई, 26 जनवरी (एजेंसियां)। टोरेस पोंजी स्कैम में मुंबई पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा यानी ईओडब्ल्यू ने टोरेस स्कैम मामले में फरार आरोपी तौसिफ रियाज को गिरफ्तार कर लिया है। कुछ दिन पहले तौसिफ ने खुद को व्हिसल ब्लोअर बताया था और उसने मामले में गिरफ्तार एक और शख्स को बचाने की कोशश की थी। तौसिफ रियाज़ टोरेस कंपनी का सीईओ भी है और मामला सामने आने के बाद से वो फरार चल रहा था। तौसिफ का दावा था कि जब उसे स्कैम का पता चला तो उसने केंद्रीय एजेंसियों के सामने इस मामले को रखा था। उसने दावा किया था कि वह आरोपियों के साथ नहीं था बल्कि खिलाफ था। ऐसा बताया जा रहा है कि तौसिफ रियाज के तार बिहार से जुड़े हैं। वह भागलपुर के सुल्तानगंज का रहने वाला है।उसकी गिरफ्तारी के लिए आर्थिक अपराध शाखा ने सुल्तानगंज में भी छापेमारी की थी। उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी किया गया था। इसके अलावा भागलपुर शहर में उसके रिश्तेदारों के घर और सुल्तानगंज स्थित तौसिफ के पैतृक घर में भी पुलिस ने दबिश दी थी।

राघव चड्ढा ने बीजेपी पर लगाया सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप, सांसद ने किया जीत का दावा

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में रात चुनाव प्रचार कर रहे आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को भाजपा के दवाब में आकर दिल्ली पुलिस द्वारा थाने में बैठाने पर पार्टी ने कड़ी आपत्ति जताई।मामले की जानकारी मिलते ही आप के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद डॉ। संदीप पाठक और राघव चड्ढा समेत कई नेता पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने पहुंच गए। आप नेताओं का कहना है कि उन्होंने पुलिस से कार्यकर्ताओं को थाने लाने की वजह पूछी तो पुलिस के पास कोई जवाब नहीं था। राघव चड्ढा ने बताया कि हमारे कार्यकर्ताओं ने किसी नियम का उल्लंघन नहीं किया था और पुलिस को मजबूत होकर सभी को छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि जिस तरह वे लोग सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि 'आप' दिल्ली चुनाव में तेजी से आगे बढ़ रही है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने बताया कि हमारे कुछ कार्यकर्ता नई दिल्ली विधानसभा में डोर टू डोर प्रचार कर रहे थे। इस दौरान पुलिसवाले हमारे कार्यकर्ताओं को पड़कर पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने ले आए। इसके बाद आम आदमी पार्टी के तमाम नेता यहां मौके पर पहुंचे और अधिकारियों से बात की तो उनके पास कोई खास जवाब नहीं था कि वह हमारे कार्यकर्ता को क्यों लेकर आए थे। उन्होंने कोशिश की कि आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता को वहीं बिठाया जाए। तमाम तरीके कानून और प्रावधान बताने के बाद पुलिस को हमारे कार्यकर्ताओं को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि उन्होंने किसी प्रकार से नियम का उल्लंघन नहीं किया था। राघव चड्ढा ने कहा कि यह बड़ा स्पष्ट है कि डर का माहौल बनाया जा रहा है और कोशिश की जा रही है कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल कम किया जाए, लेकिन हम यह होने नहीं देंगे।

हावड़ा में रेल हादसा, तिरुपति एक्सप्रेस को ट्रेन ने मारी टक्कर; 3 डिब्बे पटरी से उतरे

कोलकाता, 26 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के पद्मपुकुर रेलवे स्टेशन के पास रेल हासदा हुआ है। पार्सल वैन से टकराने के बाद तिरुपति एक्सप्रेस के दो खाली डिब्बे पटरी से उतर गए। दक्षिण पूर्व रेलवे के अधिकारी ने बताया कि हावड़ा स्टेशन से कुछ ही दूरी पर हुई इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

उन्होंने बताया कि ट्रेन के खाली डिब्बे पद्मपुकुर से शालीमार यार्ड की ओर जा रहे थे, तभी पार्सल वैन ने डिब्बों को टक्कर मार दी, जिससे डिब्बे पटरी से उतर गए। अधिकारी ने बताया कि जब एक्सप्रेस ट्रेन के दो खाली डिब्बों को रेलवे साइडिंग में ले जाया जा रहा था तभी पार्सल वैन ने पद्मपुकुर स्टेशन पर टक्कर मार दी। अधिकारी ने कहा कि इस बात की जांच की जा रही है कि पार्सल वैन कैसे बीच रास्ते में डिब्बों के रास्ते में आ गई और पटरी बदलते समय खाली डिब्बों से टकरा गई। ये भी देखा जाएगा कि क्या उक्त पार्सल वैन के चालक ने सिग्नल की अनदेखी की थी। अधिकारी ने कहा कि यह कोई बड़ी घटना नहीं थी और शालीमार-संतरागाछी मार्ग पर रेल यातायात केवल 20 मिनट के लिए आंशिक रूप से बाधित हुआ।

इंदौर में पीतल के 2000 पन्नों वाली संविधान की पुस्तक तैयार, छपाई में लगे 299 घंटे

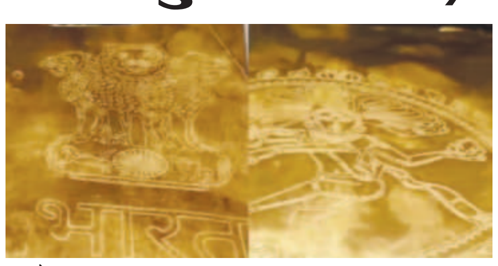

इंदौर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। एक कलाकार ने 2000 पीतल के पन्नों वाली संविधान की किताब तैयार की है। किताब को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली महू में जारी किया गया। अनोखी किताब का उद्देश्य नागरिकों को भारतीय संविधान के मूल अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना है। किताब भारतीय संविधान को हिंदी, संस्कृत और मराठी भाषाओं में प्रस्तुत करती है। इसमें अमर शहीदों के चित्र, भारतीय रियासतों के विवरण, लोकसभा और राज्यसभा की प्रक्रियाओं के नियम शामिल हैं। विश्व के 193 देशों के प्रतीक चिन्हों को भी किताब में स्थान दिया गया है। वहीं, किताब में 48 गेज की पीतल की शीट का उपयोग किया गया है। लेजर प्रिंटिंग के लिए पीएलटी फाइल तैयार की गई और 299 घंटों में छपाई की गई। हर पृष्ठ को हाथ से काटकर फिनिश किया गया है। 2023 में 193 देशों के संविधान की 57 किलो वजनी और 4 फीट लंबी किताब और 2022 में भारतीय संविधान की 32 किलो वजनी और 54 पन्नों की पीतल की किताब बनाई गई थी। इसके अलावा, 2023 में यूएनओ हेडक्वार्टर और भारतीय संविधान सभा गृह भी पीतल से बनाया गया। परियोजना के लिए धन भारतीय नागरिकों से सहयोग के रूप में जुटाया गया। सभी राजनीतिक दल, अधिवक्ता, प्रशासन और आम नागरिकों ने अहम योगदान दिया। पेज का आकार 5 इंच चौड़ा और 7 इंच लंबा है। पीतल की धातु से तैयार प्रतिलिप भारतीय संविधान और लोकतंत्र के प्रति नागरिकों की निष्ठा और जागरूकता बढ़ाने का एक ऐतिहासिक कदम है। किताब केवल भारतीय संविधान के महत्व को रेखांकित नहीं करती, बल्कि दुनिया को भारत की लोकतांत्रिक और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का परिचय भी कराती है। इसमें समाहित अमर शहीदों के चित्र और रियासतों के इतिहास भारत के गौरवशाली अतीत की झलक प्रस्तुत करते हैं। परियोजना भारत को वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र और संविधान के प्रति समर्पित देश के रूप में स्थापित करने का एक प्रयास है।

खरगोन में पकड़ा गया हथियारों का जखीरा तस्करी करने वाले आरोपी नाबालिग

खरगोन, 26 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस दौरान चैकिंग अभियान में खरगोन पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दरअसल, सख्ती के साथ खरगोन में की जा रही चेकिंग के दौरान पुलिस ने तीन हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान उनके कब्जे से 10 देसी कट्टे और 10 पिस्टल बरामद की है। जिन की कीमत चार लाख रुपये बताई जा रही है। हालांकि हथियारों के इस जखीरे का कहां इस्तेमाल किया जाना था, इसका खुलासा अभी नहीं हुआ है। खरगोन एसपी धर्मराज मीणा ने बताया कि गणतंत्र दिवस को देखते हुए लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में मुखबिर से सूचना मिली थी कि जुलवानिया रोड पर रवि जिनिंग के पास तीन बदमाशों द्वारा हथियारों की खरीद फरोख्त की जा रही है। यह हथियारों की खेप भिंड और निमाड जाने वाली है, जिसका इस्तेमाल कुछ आपराधिक वारदातों में हो सकता है। इसी सूचना के आधार पर कोतवाली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन लड़कों को पकड़ा। आरोपियों के कब्जे से 10 देशी पिस्तौल और 10 देशी कट्टे बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा ने बताया कि आपराधिक वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए खरगोन जिले में ऑपरेशन प्रहार शुरू किया गया है, जिसके तहत लगातार सफलता मिल रही है। इस पूरे मामले में जिन लोगों को पकड़ा गया है, उनसे कड़ी पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में तीन लोगों को पकड़ा गया है, जिनमें से दो नाबालिग हैं। पुलिस के मुताबिक, एक आरोपी निमाड इलाके का है जबकि दूसरा भिंड का रहने वाला है।

दिल्ली चुनाव के लिए पंजाब पुलिस की जगह गुजरात पुलिस की तैनाती, अरविंद केजरीवाल बोले- 'ये चल क्या रहा है?'

अहमदाबाद, 26 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात से राज्य रिजर्व पुलिस बल (एसआरपीएफ)की आठ कंपनियों को आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए तैनात किया गया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। एसआरपीएफ के कमांडेंट तेजस पटेल ने कहा कि चुनाव आयोग के आदेश के अनुसार एसआरपीएफ की कंपनियां 13 जनवरी को दिल्ली पहुंच गईं।वहीं आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने इस फैसले पर सवाल उठाया। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने दिल्ली चुनाव के लिए एसआरपीएफ की तैनाती को लेकर अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर ट्वीट कर कहा, गुजरात पुलिस का ये आदेश पढ़िये। दिल्ली से चुनाव आयोग ने पंजाब पुलिस हटाकर गुजरात पुलिस तैनात कर दी है। ये चल क्या रहा है? बता दें उनका अरविंद केजरीवाल का ट्वीट उनके निजी सुरक्षा के लिए तैनात पंजाब पुलिस के कर्मियों को वापस लेने के एक दिन बाद आया, जिसे उन्होंने राजनीति करार दिया। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि दिल्ली पुलिस और चुनाव आयोग के निर्देश के बाद अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा में तैनात राज्य पुलिस के जवानों को हटा लिया गया है। दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीटों के लिए पांच फरवरी को मतदान होगा और मतों की गिनती आठ फरवरी को होगी। वहीं अरविंद केजरीवाल के इस आरोप पर गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने पलटवार किया है।

हर्ष संघवी ने किया पलटवार

संघवी ने अरविंद केजरीवाल को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ही जवाब देते हुए लिखा, मुझे अब समझ आया कि लोग आपको झांसेबाज क्यो कहते है! केजरीवाल जी, एक पूर्व मुख्यमंत्री के रूप में, मुझे आश्चर्य है कि आप चुनाव आयोग के मानदंडों से अवगत नहीं हैं। उन्होंने गुजरात ही नहीं, बल्कि विभिन्न राज्यों से सुरक्षा बलों का अनुरोध किया है। वास्तव में भारत के चुनाव आयोग ने विभिन्न राज्यों से एसआरपी की तैनाती का आदेश दिया है। यह एक नियमित प्रक्रिया है। उनके अनुरोध के अनुसार, 11/1/25 को निर्धारित चुनाव के लिए गुजरात से एसआरपी की 8 कंपनियां दिल्ली भेजी गईं। केजरीवाल जी सिर्फ गुजरात का चयनात्मक उल्लेख क्यों?

गर्लफ्रेंड के बेटे का मर्डर कर भागा यूपी, प्रयागराज में छिपा था बॉयफ्रेंड; पुलिस ने दबोचा

वलसाड, 26 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के वलसाड से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक नाबालिग ने शादीशुदा प्रेमिका के बच्चे की हत्या कर दी। हत्या करने के बाद लड़के ने प्रेमिका को बताया कि बच्चा बेड से गिर गया है। जिसके बाद वह बच्चे को लेकर अस्पताल पहुंचे। यहां डाक्टरो ने जांच के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया। बच्चे के शव को दफन कर दिया गया था, लेकिन महिला को शक होने पर उसने आरोपी के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। गुजरात पुलिस ने प्रेमिका के बेटे की हत्या करने के आरोप में एक 15 साल के लड़के को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि असगर अली नाम की एक महिला ने शिकायत की थी कि उसके चार महीने के बच्चे की हत्या एक लड़के ने की है। महिला ने बताया कि आरोपी ने 13 जनवरी को बेटे की हत्या की थी और फिर उसे एक दुर्घटना बताया था। घटना के समय महिला बाजार गई थी। इसी बात का फायदा उठाते हुए आरोपी ने इस आरोपी ने महिला को बताया था कि बच्चे बिस्तर से गिर गया। इसके बाद वह दोनों बच्चे को लेकर पहुंचे थे, जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

अच्छे विचार वाले को वोट दें

वोटिंग को लेकर अन्ना हजारे ने दिल्लीवासियों से कहा

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा हाई है। चुनाव की वोटिंग में भी अब कुछ ही दिनों का समय बचा हुआ है। यहां 5 फरवरी को वोटिंग होगी और 8 फरवरी को रिजल्ट आएंगे। इससे पहले एक वीडियो ने दिल्ली चुनाव को और रोचक बना दिया है। ये वीडियो सामाजिक कार्यकर्ता और भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन करने वाले अन्ना हजारे का है। जिसमें उन्होंने दिल्ली के मतदाताओं से आग्रह किया कि वे स्वच्छ विचारों और अच्छे चरित्र वाले लोगों को वोट दें। जो देश के लिए बलिदान दे सकें और अपमान को सह सकें। अन्ना हजारे ने अपनी वीडियो में कहा कि दिल्ली में चुनाव होने जा रहा है। मैं मतदाताओं से स्वच्छ विचारों और चरित्र वाले लोगों को वोट देने का आग्रह करता हूं, जो सत्य के रास्ते पर चलता हो, जो त्याग कर सके और अपमान को सह सके।अन्ना हजारे ने कहा कि अगर भारत को बचाना है तो किसी को तो बलिदान देना होगा। हजारे ने कहा कि मतदान प्रक्रिया में मैं पीता हूं और इससे दूसरों को पीने में सुविधा होगी का पहलू नहीं होना चाहिए। अन्ना हजारे ने दिल्ली में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का नेतृत्व करते हुए आमरण अनशन किया था। आंदोलन के बाद साल 2012 में अरविंद केजरीवाल जैसे उनके अनुयायियों ने आम आदमी पार्टी का गठन किया, जो साल 2013 में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सत्ता में आई। हालांकि, हजारे ने केजरीवाल के राजनीति में आने को स्वीकार नहीं किया था। राजनीतिक गलियारों ने हजारे के इस वीडियो के कई मायने निकाले जा रहे हैं। इस वीडियो के आने के बाद अब अब तक किसी भी राजनीतिक दल का बयान सामने नहीं आया है, न ही केजरीवाल ने कुछ अब तक कहा है। देखना होगा कि हजारे के इस वीडियो और दिल्लीवासियों से की गई अपील का क्या असर पड़ता है।

मैनपुरी से उत्तराखंड ले जा रहे थे 390 जिंदा कछुए, आखिर तस्कर इनका क्या करने वाले थे? 2 अरेस्ट

देहरादून, 26 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस की एसटीएफ यूनिट ने अंतर-राज्य स्तर पर प्रतिबंधित के कछुए की तस्करी करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 390 कछुए बरामद किए हैं। पकड़े गए आरोपियों की पहचान उत्तम दास और सलीम के तौर पर हुई है। जिन्हें पुलिस ने मैनपुरी के जैन इंटर कॉलेज करहल से गिरफ्तार किया है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि पकड़े गए दोनों आरोपी उत्तराखंड के रहने वाले हैं। कई दिनों से उत्तर प्रदेश की एसटीएफ को प्रतिबंधित कछुए की तस्करी करने वाले तस्करों के सक्रिय होने की सूचनाएं मिल रही थी। जिसको देखते हुए एसटीएफ ने कई टीमों को लगा रखा था और इसी क्रम में एसटीएफ फील्ड इकाई कानपुर ने टीम गठित कर तस्करों को तलाश शुरू कर दी थी।

सुविचार

अच्छे विचार और अच्छे भाव मन को हल्का करते हैं मुस्काते रहिये ख़ुश रहिये।

केंद्र ने पद्म पुरस्कारों के लिए तेलंगाना की सिफारिशों को नजरअंदाज किया : रेवंत

कौशल विकास केंद्र और डिजिटल संसाधन केंद्र की आधारशिला रखीं

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने पद्म पुरस्कारों के आवंटन में तेलंगाना के साथ कथित अनुचित व्यवहार के बारे में अपनी निराशा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गद्दर, चुक्का रामैया, एंडेसरी, गोरती वेंकन्ना और जयधीर तिरुमाला राव जैसे प्रमुख व्यक्तियों के योगदान को स्वीकार करने में विफल रही, जिनके नाम राज्य सरकार द्वारा आगे रखे गए थे। तेलंगाना के लोगों के लिए यह निराशाजनक है कि राज्य को केंद्र सरकार द्वारा घोषित 139 पुरस्कारों में से कोई भी नहीं मिला। हम इस संदर्भ में तेलंगाना के साथ हुए अन्याय से निराश हैं। मेरी सरकार निकट भविष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र के साथ इस मामले को औपचारिक रूप से संबोधित करेगी। मुख्यमंत्री ने रविवार को यहां अंबेडकर विश्वविद्यालय में कौशल विकास केंद्र और डिजिटल संसाधन केंद्र की आधारशिला रखी। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने संविधान की रक्षा पर चर्चा को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि आज ही के दिन अंबेडकर का संविधान लागू हुआ था। विश्वविद्यालयों का निजीकरण करने का विचार अच्छा नहीं है। विश्वविद्यालयों का पुनर्गठन करने का समय आ गया है। विश्वविद्यालयों को देश को पीवी नरसिम्हा राव और जयपाल रेड्डी जैसी महान हस्तियां देने का श्रेय दिया जाता है। बाबासाहेब अंबेडकर ने पहले ही कहा था कि रंगीन दीवारें और कांच की छतें विकास के संकेतक नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने यूजीसी नियमों को बदलने और विश्वविद्यालयों पर राज्य सरकारों के अधिकार को खत्म करने की साजिश रची है। अस्वस्थ घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, अगर केंद्र विश्वविद्यालयों पर नियंत्रण कर लेता है तो विश्वविद्यालय कुछ ताकतों द्वारा फैलाए जा रहे जहरीले प्रचार के मंच बन जाएंगे। रेवंत रेड्डी ने कहा, यूजीसी नियमों में बदलाव करना भारतीय संविधान पर एक जबरदस्त हमला है। यह राज्यों पर एक सांस्कृतिक हमला है। केंद्र सरकार द्वारा की गई ऐसी कार्रवाई बेहद निंदनीय है और इससे अवांछित विवाद पैदा होते हैं। मुख्यमंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा, केंद्र को यूजीसी नियमों में बदलाव करने का अपना फैसला वापस लेना चाहिए। अगर केंद्र सरकार अपने फैसले वापस नहीं लेती है तो हम विरोध प्रदर्शन करने से नहीं हिचकिचाएंगे।

केटीआर ने सीएम रेवंत और डिप्टी सीएम पर निशाना साधा

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क से बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री कलवकुंतला तारक रामाराव ने राज्य के लोगों से किए गए वादों को लागू करने में विफल रहने के लिए सवाल किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार पिछले विधानसभा चुनावों में लोगों को दी गई छह गारंटियों को पूरी तरह लागू करने में विफल रही है। केटीआर ने कहा कि वह लंबे समय से सोशल मीडिया (एक्स) पर कांग्रेस सरकार पर उसकी विफलताओं के बारे में सवाल उठा रहे थे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोग सीएम रेवंत रेड्डी के पाखंड को माफ नहीं करेंगे, केटीआर ने पूछा क्या आपने मंडल के एक गांव में अपना कांग्रेस घोषणापत्र वितरित किया? क्या आपने एक गांव में मंडल को अपने गारंटी कार्ड दिए? क्या आपने मंडल के लिए एक गांव में प्रचार किया? क्या आपने लोगों से मंडल के लिए एक गांव में वोट करने के लिए कहा? क्या आप मंडल के लिए एक गांव में वोट करने से सत्ता में आए? आज चार करोड़ तेलंगानावासी आपके पाखंड को माफ नहीं करेंगे, अगर आप "कुछ के लिए कुछ" के नाम पर धोखा खा गए। चुनाव के समय, राज्य के हर मंडल और हर गांव और हर घर में लोगों ने कांग्रेस पार्टी को वोट दिया। उन्होंने कहा कि अब, सीएम के डकैती के साल भर के शासन को देखने के बाद लोग धैर्य रखने के लिए तैयार नहीं हैं।

पूर्व एमएलसी आर सत्यनारायण का संगारेड्डी में निधन

संगारेड्डी, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना आंदोलन के दूसरे चरण में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व एमएलसी और पत्रकार आर सत्यनारायण (58) का रविवार को संगारेड्डी स्थित उनके घर पर निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थे। पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के करीबी विश्वासपात्र सत्यनारायण ने तेलंगाना लोक सेवा आयोग के सदस्य के रूप में भी काम किया था। सत्यनारायण ने तेलंगाना आंदोलन में भाग लेने के लिए पत्रकारिता छोड़ दी थी। उन्होंने तत्कालीन मेदक जिले के बीआरएस अध्यक्ष के रूप में काम किया था और संगारेड्डी में आंदोलन का नेतृत्व किया था।

पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने सत्यनारायण के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने पूर्व एमएलसी राव के परिवार के सदस्यों को शोक संदेश भेजा है।

इंदिरा के खिलाफ बंडी संजय की टिप्पणी केवल भाजपा के अस्तित्व को बचाने के लिए : पोन्नम

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने केंद्रीय मंत्री बंडी संजय पर आरोप लगाया है कि वे केवल तेलंगाना में अपनी भारतीय जनता पार्टी की मौजूदगी को बढ़ावा देने के लिए राजनीतिक बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने बंडी संजय के इस दावे को खारिज कर दिया कि यदि केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत आवास योजना के संबंध में दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का नाम लिया जाता है तो तेलंगाना के लिए धन रोक दिया जाएगा। रविवार को गांधी भवन में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि तेलंगाना में भाजपा के पास पर्याप्त ताकत नहीं है और उसने केवल संयोग से आठ लोकसभा सीटें हासिल की हैं, उन्होंने बंडी संजय की राजनीतिक टिप्पणियों को अस्तित्व को बचाने के लिए हताश प्रयास बताया। उन्होंने कहा, बंडी संजय द्वारा इस उम्र में इंदिरा गांधी की आलोचना करना अनुचित है। उन्हें बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए और इस विवाद को सुलझाना चाहिए। पोन्नम प्रभाकर ने जोर देकर कहा, भाजपा सिद्धांतों पर आधारित राजनीति नहीं कर रही है। कांग्रेस ने कभी भी अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी जैसे दिग्गज भाजपा नेताओं का अपमान नहीं किया है। इंदिरा गांधी पर चाहे जितनी भी आलोचना की जाए, वे हमेशा कमतर ही साबित होंगी।

देश की आंतरिक सुरक्षा में पुलिस विभाग का योगदान अमूल्य : सुधीर बाबू

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीपी सुधीर बाबू ने आज राचकोंडा आयुक्तालय के अंतर्गत अंबरपेटा सीएआर मुख्यालय में आयोजित 76वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और कर्मचारियों और लोगों को बधाई दी।

कार्यक्रम में बोलते हुए कमिश्नर ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा में पुलिस विभाग भी उतनी ही अच्छी तरह से काम कर रहा है, जितनी अच्छी भूमिका सेना देश की रक्षा में निभा रही है। उन्होंने कहा कि नागरिक, यातायात और अपराध जैसे मुख्य विभागों के साथ-साथ एआर विभाग भी रचाकोंडा में शांति और सुरक्षा बनाए रखने में बहुत कुशलता से काम कर रहा है।

उन्होंने कई समस्याग्रस्त स्थितियों में झड़पों की रोकथाम, त्योहारों के प्रबंधन, चुनाव प्रबंधन, गणेश विसर्जन जुलूस आदि में सशस्त्र रिजर्व पुलिस के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उन्हें अपना कर्तव्य निभाने के लिए प्रतिबद्ध रहना चाहिए और गलतियों को नहीं दोहराना चाहिए। नए शामिल हुए अधिकारियों और कांस्टेबलों को सलाह दी जाती है कि वे वरिष्ठ अधिकारियों के अनुभव से कौशल सीखें और वरिष्ठों के आदेश के तहत काम करें। यह सुझाव दिया गया है कि शांति और सुरक्षा बनाए रखना सामूहिक प्रयासों से ही संभव है, पुलिस को एक परिवार के रूप में मिलकर काम करना चाहिए और दृश्यमान पुलिसिंग को उच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। लोगों को त्वरित सेवाएं प्रदान करने में राचाकोंडा पुलिस के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि लोगों की सेवा के लिए कर्मचारियों को फिर से तैनात किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि एआर विभाग के कर्मचारियों के कल्याण के लिए चिकित्सा शिविर और मुफ्त नैदानिक परीक्षण आयोजित करने जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी उनके कल्याण के लिए और कार्यक्रम चलाये जायेंगे।

सीपी ने कर्मियों को अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए स्वतंत्रता सेनानियों और पुलिस शहीदों के अमर बलिदानों को याद रखने की सलाह दी। कार्यक्रम में डीसीपी क्राइम अरविंद बाबू, एसओटी डीसीपी मुरलीधर, डीसीपी श्यामसुंदर, एडिशनल डीसीपी एआर, एसीपी और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

दक्षिण मध्य रेलवे ने 76वां गणतंत्र दिवस मनाया महाप्रबंधक ने तिरंगा फहराया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड, सिकंदराबाद में 76वां गणतंत्र दिवस मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और रेलवे सुरक्षा बल की विभिन्न टुकड़ियों द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त किया। इस अवसर पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), रेलवे सुरक्षा विशेष बल (आरपीएसएफ), नागरिक सुरक्षा और स्काउट एवं गाइड की सात टुकड़ियों ने मार्च पास्ट में हिस्सा लिया और महाप्रबंधक को भव्य सलामी दी। परेड का नेतृत्व प्रशिक्षण केंद्र, मौला-अली के निरीक्षक श्री राकेश मीना ने किया। अरुण कुमार जैन ने अपने संबोधन में 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर एससीआर बिरादरी और उनके परिवार के सदस्यों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि फहराए गए राजसी तिरंगे के साथ, राष्ट्र की प्रगति और एकीकरण के प्रति हमारी देशभक्ति की प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए सभी के बीच एकता की भावना को फिर से जगाने का समय है। उन्होंने कहा, मैं भारतीय रेलवे के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जोनों में से एक, दक्षिण मध्य रेलवे का नेतृत्व करने पर गौरवान्वित महसूस करता हूं। चालू वित्त वर्ष (2024-2025) में एससीआर के प्रदर्शन पर बोलते हुए, उन्होंने बताया कि जोन ने दिसंबर 2024 तक 14,991 करोड़ रुपये का सकल मूल राजस्व दर्ज किया है, जिसमें 4,268 करोड़ रुपये का यात्री राजस्व और 10,011 करोड़ रुपये का माल ढुलाई राजस्व शामिल है। जोन का माल लदान 102.8 मिलियन टन है और चालू वित्त वर्ष में दिसंबर तक 197 मिलियन यात्रियों को ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष के दौरान, ट्रैक जोड़ने के मामले में, एससीआर ने 16 किलोमीटर नई लाइन, 31 किलोमीटर दोहरीकरण और 107 किलोमीटर तिहरीकरण पूरा किया है। उन्होंने कहा कि हसनपर्ती रोड- काजीपेट-वारंगल स्टेशनों के बीच 37 किलोमीटर की दूरी के लिए तिहरीकरण कार्यों के हिस्से के रूप में, जोन भर में अपनी तरह का पहला, हसनपर्ती रोड - काजीपेट के बीच इसके अलावा, उन्होंने कहा कि दक्षिण मध्य रेलवे ने प्रगति पर चल रही नई लाइन परियोजनाओं को छोड़कर 100 प्रतिशत विद्युतीकरण हासिल कर लिया है। मुझे आप सभी के साथ यह साझा करते हुए भी खुशी हो रही है कि भारतीय रेलवे ने 1925 में पटरियों का विद्युतीकरण शुरू करने के 100 साल पूरे कर लिए हैं और मार्च 2025 में शताब्दी समारोह मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। पटरियों के रखरखाव की दिशा में, 586 किलोमीटर ट्रैक नवीनीकरण का काम पूरा हो गया है, 22 मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग को समाप्त कर दिया गया है, 38 आरयूबी और 9 आरओबी का निर्माण किया गया है। सुरक्षा के मोर्चे पर, उन्होंने कहा कि बल्हारशाह-विजयवाड़ा, विजयवाड़ा-दुव्वाडा, विजयवाड़ा-गुडूर, वादी-गुंटकल - रेनिगुंटा जैसे खंडों में कवच और एलटीई के कार्यान्वयन के लिए एससीआर के उच्च घनत्व नेटवर्क में उन्नत बुनियादी ढांचे के कार्यों के निष्पादन के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। उन्होंने कहा कि सेक्शन क्षमता बढ़ाने और बेहतर गतिशीलता के लिए चालू वित्त वर्ष में 156 रूट किमी के लिए स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग चालू की गई है।

एससीआर महिला कल्याण संगठन ने गणतंत्र दिवस मनाया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (एससीआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ) ने विद्या विहार हाई स्कूल, चिलकलगुडा, सिकंदराबाद के स्कूली बच्चों और मेट्टूगुडा, सिकंदराबाद में रेलवे परिवारों के दिव्यांग बच्चों के लिए एक विशेष स्कूल आकांक्षा में 76वां गणतंत्र दिवस मनाया। दक्षिण मध्य रेलवे की एससीआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ की उपाध्यक्ष श्रीमती मोनिका अग्रवाल ने विद्या विहार और आकांक्षा में बड़ी संख्या में छात्रों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। एससीआर महिला कल्याण संगठन की कार्यकारी समिति के सदस्यों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, उपाध्यक्ष श्रीमती मौनिका अग्रवाल ने कहा कि, आज के बच्चे कल के जिम्मेदार नागरिक हैं और वे एक समृद्ध और स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण के लिए भविष्य के स्तंभ हैं। उन्होंने छात्रों से स्कूल में उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का उपयोग करने और अपने जीवन में उज्ज्वल चमकने के लिए पढ़ाई में अपनी प्रतिभा साबित करने का आह्वान किया। उन्होंने छात्रों को शैक्षणिक कौशल, खेल और सांस्कृतिक प्रतिभा विकसित करने की भी सलाह दी। उन्होंने एससीआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ द्वारा संचालित विद्या विहार स्कूल में अपनी शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को सफल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और बच्चों को स्कूल का नाम रोशन करने की सलाह दी। बाद में, उन्होंने कार्यकारी सदस्यों के साथ सभी बच्चों को उपहार वितरित किए। विद्या विहार स्कूल की स्थापना वर्ष 1974 में एक प्राथमिक विद्यालय के रूप में की गई थी और बाद में वर्ष 1997-98 में इसे हाई स्कूल में अपग्रेड किया गया था। यह एलकेजी से एसएससी तक लगभग 630 छात्रों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। स्कूल में अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशाला और पुस्तकालय के साथ एक विशाल भवन है। सभी कक्षाओं में कंप्यूटर शिक्षा को पाठ्यक्रम के रूप में शामिल किया गया है। उपरोक्त के अलावा, छात्रों को स्काउट्स और गाइड्स, खेल और गेम्स आदि जैसी पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

बिहार समाज सेवा सेघ पैराडाइज पान बाजार कार्यालय में 76वें गणतंत्र दिवस पर झंडा फाराया गया। हर वर्ष के तरह इस वर्ष मनाया गया इसमें सभी बिहार समाज के लोगों ने भाग लिया। बिहार समाज सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष दिपक सिंह, जाइंट सेक्रेटरी संजय सिंह, पान बाजार अध्यक्ष संतोष यादव, अंजनेयुलु, आंशिक राय, आदित्य राय, विकास पासवान, सुनील कामत, विक्की, अंकित कुमार और अन्य लोगों उपस्थित थे।

राकेश जयसवाल नगरसेवक जामबाग 76वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर जामबाग में कई स्थानों पर ध्वजारोहण किया गया, इस अवसर पर अमर सिंह, मयूर, रघु, शारदा, प्रवीण, रामकृष्ण, अनिल, नरसिंह, वेंकट रेड्डी कार्यक्रम में शामिल हुए।

सभी पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने की दिशा में काम करेंगे : आयुक्त

जीएचएमसी मुख्यालय में भव्य गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त इलाम्बरती ने कहा कि जीएचएमसी में सभी योग्य लोगों को सरकारी कल्याण लाभ प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशानुसार फरवरी माह के प्रथम सप्ताह में वार्डवार ग्राम सभा आयोजित कर पात्र हितग्राहियों को राशन कार्ड एवं इन्दिरम्मा आवास का वितरण किया जायेगा। 76वें गणतंत्र दिवस का जश्न मनाने के लिए रविवार को कमिश्नर इलांबर्ती ने मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी और डिप्टी मेयर मोटे श्रीलता शोभन रेड्डी के साथ जीएचएमसी मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज का अनावरण किया। इससे पहले मेयर और कमिश्नर को पुलिस सलामी मिली। इस अवसर पर बोलते हुए, आयुक्त ने कहा कि वह दिन जब 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ था, जिसे डॉ. बीआर अंबेडकर के दृष्टिकोण के तहत तैयार किया गया था, उस दिन को भारत के गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है।

भारतीय संविधान लोगों की समानता, स्वतंत्रता और भाईचारे का प्रतीक है और इस अवसर पर भारत को सबसे महान संविधान देने वाले डॉ. बीआर अंबेडकर और उनकी टीम को सम्मानित किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप सभी योग्य लोगों को सरकार का लाभ दिलाने के मिशन के साथ काम करती है और माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में वे इस दिशा में कदम उठाएंगे। जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों के लिए कल्याणकारी फल। सरकार ने ग्रेटर हैदराबाद के विकास पर विशेष ध्यान दिया है और पहले राज्य बजट में रुपये आवंटित किए हैं। उन्होंने कहा कि 3065 करोड़ रुपये आवंटित कर दिये गये हैं. उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य सरकार की नवीन योजनाओं को डिजाइन करके शहरवासियों की समस्याओं को खत्म करने के लिए बेहतर सार्वजनिक परिवहन प्रणाली और बुनियादी ढांचे का निर्माण करके हैदराबाद शहर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित शहर के रूप में विकसित करना है। इस अवसर पर कमिश्नर इलाम्बर्ती ने हैदराबाद शहर में किये गये विकास के बारे में संक्षेप में बताया।

तेलंगाना इंटर केमिस्ट्री पाठ्यक्रम में की जाएगी 30 प्रतिशत की कटौती

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। छात्रों पर शैक्षणिक बोझ कम करने के उद्देश्य से तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीजी बीआईई) इंटरमीडिएट रसायन विज्ञान के पाठ्यक्रम में 30 प्रतिशत की कटौती करने पर विचार कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य राज्य के इंटरमीडिएट पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के पाठ्यक्रम के अनुरूप बनाना है, जिसका देश भर के सीबीएसई स्कूलों में पालन किया जाता है। वर्तमान में, छात्र रसायन विज्ञान के व्यापक पाठ्यक्रम से जूझ रहे हैं और कई शिक्षकों ने अपनी चिंता व्यक्त की है कि पाठ्यक्रम छात्रों के शैक्षणिक विकास और जेईई और एनईईटी जैसी प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक से परे है। वास्तव में, बीआईई का पाठ्यक्रम एनसीईआरटी पाठ्यक्रम से कहीं अधिक है, जिसे नीट और जी सहित प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं में प्रश्न तैयार करने के लिए ध्यान में रखा जाता है। बोर्ड ने पहले ही उन विषयों को शॉर्टलिस्ट कर लिया है जिन्हें अब इंटरमीडिएट पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में पढ़ाए जाने की आवश्यकता नहीं है। विषय विशेषज्ञ समिति जल्द ही बदलावों पर निर्णय लेने के लिए बैठक करेगी। एक बार मंजूरी मिलने के बाद, ये बदलाव अगले शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से लागू होंगे।

एक व्यक्ति के पार्टी छोड़ने से कुछ नहीं होगा : राव

करीमनगर, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस जिला अध्यक्ष जीवी रामकृष्ण राव ने कहा कि एक व्यक्ति के पार्टी छोड़ने से पार्टी को कुछ नहीं होगा। अलग तेलंगाना के लिए गठित बीआरएस अपने लाखों कार्यकर्ताओं के साथ हमेशा मजबूत रहेगी, चाहे पार्टी सत्ता में हो या न हो। करीमनगर के मेयर वाई सुनील राव के भाजपा में शामिल होने पर प्रतिक्रिया देते हुए रामकृष्ण राव ने कहा कि एक व्यक्ति के पार्टी छोड़ने से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होगा। रामकृष्ण राव ने कहा कि सुनील राव, जिन्होंने पार्टी के सत्ता में रहने के दौरान पदों का आनंद लिया, अब स्वार्थी लाभ के लिए पार्टी छोड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि जब से बीआरएस ने राज्य में सत्ता खो दी है, तब से मेयर के रवैये में बदलाव आ गया है। बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव के निर्देश पर ही सुनील राव को करीमनगर नगर निगम का मेयर बनाया गया था। वे चंद्रशेखर राव, पूर्व सांसद विनोद कुमार और विधायक गंगुला कमलाकर को भगवान मानते थे और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार की कड़ी आलोचना करते थे। उन्होंने कहा कि हालांकि, एक ही दिन में उनमें पूरी तरह से बदलाव आ गया। रामकृष्ण राव ने कहा कि सुनील राव किसी भी सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि परिवहन मंत्री पूनम प्रभाकर द्वारा उन्हें कांग्रेस में शामिल करने से इनकार करने के बाद सुनील राव भाजपा में शामिल हो गए।

IN THE COURT OF THE HON'BLE CHIEF JUDGE CITY CIVIL COURTS AT HYDERABAD
I.A. No. of 2024
ASSR No. 14956 of 2024
Between:
Naveen Kumar Sharma
Petitioner/Appellant
AND
Madanlal Died Per LR's and others---
Respondent/Respondent
To,
- Madanlal Died
- Prem Kumar Sharma Died
- Pravin Kumar Sharma S/o. Late Prem Kumar Sharma, Aged about 50 Yrs., Occ.: Business
- Uma Sharma w/o. Vikram Sharma, Aged about 47 Yrs., Occ.: Housewife
- Vinod Kumar Sharma S/o Late Madanlal Sharma, Aged about 53 Yrs., Occ.: Business
- Susheel Kumar Sharma S/o Vinod Kumar Sharma, Aged about 35 Yrs., Occ.: Business
- Sudhir Kumar Sharma S/o Vinod Kumar Sharma, Aged about 27 Yrs., Occ.: Business

All R/o. H.No.4-7-97 5, Mallikarjun Complex, Esamia Bazar, Hyderabad
Madam/Sir,
Please take notice that, the petitioner has filed appeal and I.A. No.5232/24 for condonation of delay of 90 days and the same is posted on 05-02-2025 for your appearance. Please make yourself available before the above said court at 10.30 A.M. otherwise the matter will be decided in your absence .
//By order of the court//
Sd./-
AJAY KULKARNI B.A. LLB
ADVOCATE , HYDERABAD

सीएम नीतीश कुमार के सारे कार्यक्रम रद्द

फिर से तबीयत बिगड़ने की खबर

पटना, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तबीयत अचानक खराब हो गई है, जिसके कारण आज सभी कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं। उन्हें सर्दी-जुकाम और हल्का बुखार होने की खबर है। मौसम में बदलाव के कारण उनकी तबीयत खराब हुई है। आज गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राजभवन में आयोजित समारोह में भाग लेना था, लेकिन तबीयत खराब होने के कारण वे इसमें शामिल नहीं हो पाएंगे। इसके अलावा, हर वर्ष वे दलित टोला में झंडोत्तोलन कार्यक्रम में भाग लेते थे, लेकिन इस वर्ष भी वे इसमें शामिल नहीं हो पाएंगे। फिलहाल, वे पटना स्थित सीएम हाउस में आराम कर रहे हैं।

यूपी में अधिवक्ता का कत्ल बेलघाट रोड पर मुड़ते ही पीछे लग गए थे अपहरणकर्ता

बस्ती, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बस्ती के कप्तानगंज में अधिवक्ता हत्याकांड में भले ही कहानी खुल गई हो। मगर, इसमें गहरी साजिश होने की बात सामने आ रही है। जिस तरह से पीछा कर उनका अपहरण किया गया, उससे स्पष्ट है कि किसी करीबी की सटीक मुखबिरी के बाद वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस हर पहलुओं पर छानबीन कर रही है। अधिवक्ता चंद्रशेखर के साथ गए गांव के बजरंगी यादव के मुताबिक, महराजगंज से बेलघाट मार्ग पर घर जाने के लिए मुड़ते ही ऐसा लगा कि कुछ गड़बड़ है। वहीं से बदमाशों ने बाइक के पीछे गाड़ी को लगा दिया। शाम करीब 7:30 बजे नरायनपुर तिवारी गांव के पास बाइक को ओवरटेक कर गाड़ी से तीन लोग नीचे उतरे। चंद्रशेखर को मारपीट कर गाड़ी में बैठा लिया। बचाने के लिए वह गुहार करता रहा। मगर, रात होने की वजह से कोई सहयोग करने नहीं आया। बजरंगी यादव ने वारदात की सूचना पुलिस व परिजनों और गांव के लोगों को दी।

इस साल बिहार सरकार देगी 12 लाख लोगों को नौकरी

गांधी मैदान से राज्यपाल का बड़ा ऐलान

पटना, 26 जनवरी (एजेंसियां)। देश भर में आज 76वां गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर पटना के गांधी मैदान में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने तिरंगा फहराया। इस मौके पर राज्यपाल ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि इस साल सरकार 12 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देगी और 34 लाख लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करेगी। राज्यपाल ने बिहार सरकार की उपलब्धियों को भी गिनाया। जिनमें बीते सालों में 9 लाख लोगों को नौकरियां देना और शिक्षा, महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में काम करना शामिल है। इस अवसर पर आईपीएस भानु प्रताप सिंह ने राज्यपाल को परेड की सलामी दी। इसके बाद 20 कंपनियों की परेड निकाली गई। उसके बाद 15 विभाग की झांकियां निकाली जाएंगी।

सीएम नीतीश और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी रहे मौजूद

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी इस अवसर पर मौजूद रहे। गांधी मैदान के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यह दिन भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह दिन हमें हमारे देश की आजादी और संविधान की याद दिलाता है।

ऑटो चालक ने की थी इच्छा मृत्यु की मांग, डीएम ने गणतंत्र दिवस पर बना दिया अतिथि; जमकर हो रही तारीफ

कानपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। इच्छा मृत्यु मांगने पहुंचे आटो चालक को जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने रविवार को गणतंत्र दिवस समारोह में अतिथि बनाकर बगल में बैठाया। चालक बोला- सपने में भी ये नहीं सोचा था कि कभी जिलाधिकारी के बगल में ऐसे समारोह में अतिथि बनूंगा। ये यादगार व अविस्मरणीय क्षण हैं। हर आटो चालक, आम नागरिक इससे सबक लेकर जिंदगी में राष्ट्र के प्रति प्रेम, बदलाव में सहभागी बनने की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए। हनुमंत विहार के आटो चालक राकेश कुमार सोनी का आरोप है 30 दिसंबर, 2024 को नौबस्ता से बारादेवी जाते समय टीएसआइ ईश्वर सिंह ने अभद्रता कर दी थी। हालांकि, टीएसआइ ने बताया था कि वे केवल यातायात सही करवा रहे थे। आहत चालक जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह से मिला व इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगी। इसपर जिलाधिकारी ने उसे गणतंत्र दिवस समारोह का अतिथि बनाकर निमंत्रण पत्र घर भिजवा दिया।

रविवार को राकेश परिवार समेत पहुंचे। कलेक्ट्रेट के सामने गांधी पार्क में डीएम के साथ झंडा फहराया। राकेश बोले, ये वो पल है, जिसने जिंदगी बदल दी। वे सोच रहे थे कि अधिकारी हैं, ऐसे ही कह रहे होंगे। पर सपना सच हुआ। ऐसे अफसर ही समाज को बदलने का काम करते हैं। कहा कि हर आटो, टेंपो व ई रिक्शा चालक संकल्प ले कि उसकी वजह से कहीं जाम न लगे। महाप्रबंधक जल कल आनंद कुमार त्रिपाठी ने निशीथ दीक्षित को सराहनीय कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र दिया। कहा कि ऐसे कर्मचारियों से ही विभाग हमेशा प्रगति करते हैं।

कर्पूरी ठाकुर की सोच इनमें नहीं

आरजेडी सांसद संजय यादव ने डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी पर बोला हमला

पटना, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा बीजेपी को कर्पूरी ठाकुर का असली अनुयायी बताया गया है। जिसको लेकर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सांसद संजय यादव की प्रतिक्रिया आई है। पटना में आरजेडी सांसद ने कहा कि सम्राट चौधरी या कोई भी बीजेपी नेता या नीतीश कुमार की सोच में कर्पूरी ठाकुर की सोच का एक भी प्रतिशत अंश है? जो कर्पूरी ठाकुर को गाली देते थे। 1978 में जब उन्होंने आरक्षण लागू किया। आज वो उनके अनुयायी बन रहे हैं। सांसद संजय यादव ने आगे कहा कि कर्पूरी ठाकुर समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता के सबसे बड़े परोकार थे। क्या भारतीय जनता पार्टी धर्मनिरपेक्षता को मानती है? उसके इस बयान में ही मतभेद है। क्या ये सच नहीं है जब कर्पूरी ठाकुर ने 1978 में आरक्षण लागू किया उसके बाद से बीजेपी और उस वक्त के ऐसे लोग जिनको समाजवाद, दलितों, पिछड़ों के अभार से परेशानी थी, वहीं लोग आज कर्पूरी ठाकुर का नाम जप रहे हैं।

'बीजेपी कर्पूरी ठाकुर का अपमान कर रही है'

उन्होंने कहा कि क्या ये सच नहीं है आरक्षण विरोधी बीजेपी के साथ नीतीश कुमार ने गठबंधन करके जो 65 प्रतिशत आरक्षण हमने बढ़ाया उसे नौंवी अनूसूचि में नहीं ड़ालकर बीजेपी कर्पूरी ठाकुर का अपमान कर रही है। सांसद ने कहा कि सम्राट चौधरी या पार्टी या नीतीश कुमार कर्पूरी ठाकुर के विचारों की समर्थक है तो अति पिछड़ों का आरक्षण जो तेजस्वी के कार्यकाल में 18 प्रतिशत से बढ़कर 25 प्रतिशत हुआ उसको उन्होंने क्यों रोक रखा है। कोर्ट में उलझा रखा है क्या ये सच नहीं है।

तेजस्वी ने आरक्षण को बढ़ाकर 25 प्रतिशत किया'

आरजेडी नेता ने कहा कि क्या सम्राट चौधरी ये नहीं जानते कि कर्पूरी ठाकुर ने 1978 में पिछड़ों के लिए 12 प्रतिशत आरक्षण लागू किया। उसके बाद 1990 में जब लालू यादव की सरकार बनी तो उन्होंने आरक्षण को बढ़ाकर 14 प्रतिशत कर दिया। 2001 में राबड़ी देवी की सरकार में आरक्षण को बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया। 2023 में जब तेजस्वी सरकार में डिप्टी सीएम बने तब उन्होंने प्रदेश में जातिगत जनगणना करवाकर पिछड़ों के आरक्षण को 18 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया। आरजेडी ने जो आरक्षण 25 प्रतिशत तक कर दिया है। बीजेपी और नीतीश कुमार ने मिलकर उसे रोक रखा है। अगर इनकी हैसियत है अगर ये अपने आपको कर्पूरी ठाकुर का अनुयायी बताते हैं तो केंद्र सरकार को बस उसे 9वीं अनूसूची में डालना है। संजय यादव ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर के सच्चे अनुयायी हम और हमारी पार्टी है जिन्होंने कर्पूरी ठाकुर द्वारा बढ़ाए गए आरक्षण को 25 प्रतिशत तक कर दिया।

महिला की हत्या कर घरवालों ने दफनाया, पुलिस ने 6 दिन बाद कब्र खोदकर निकाला शव

मुजफ्फरपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। जिले में दहेज के लिए विवाहिता की हत्या का मामला सामने आया है। ससुराल वालों ने हत्या के बाद पुलिस से बचने के लिए घर से 500 मीटर की दूरी पर कब्रिस्तान में लाश को ठिकाने लगा दिया। आरोपियों ने 2 फीट गहरे गड्ढे में लाश को दफना दिया। हालांकि जानकारी मिलने पर बरुराज थाना क्षेत्र के बाड़ा बैद्यनाथ निवासी नाजिर हुसैन की पत्नी नूरजहां खातून के शव को बरुराज पुलिस ने कब्र खोदकर निकाल लिया। 6 दिन बाद पुलिस ने शव को बरामद किया। मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव निकाला गया, जिसकी पहचान परिजनों ने कपड़े देखकर की। इस मामले में मृतक महिला नूरजहां की मां चानो खातून ने बरुराज थाना में बीते 21 जनवरी को दामाद नाजिर हुसैन समेत पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया था। उसने पुत्री की हत्या कर शव को गायब करने का आरोप लगाया था। पुलिस इस मामले की जांच कर ही रही थी तभी चानो को पता चला कि उसकी पुत्री के शव को आरोपियों ने कब्रिस्तान में दफना दिया है। मृतका की मां चनो खातून ने बताया कि दामाद नजीर बाइक की मांग कर रहा था। इसके लिए रुपये नहीं मिले तो बेटी को मार डाला। उसने आरोप लगाया कि बेटी को फंदे से लटका कर मारा गया है।

एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाने पर संतों में नाराजगी, मुकदमा दर्ज करने की मांग

महाकुंभ नगर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी के अध्यात्म की राह पकड़ने पर सनातन धर्मगुरुओं में नाराजगी व्याप्त है। वह धर्म-परंपरा की अनदेखी करके उन्हें महामंडलेश्वर बनाने का आरोप लगा रहे हैं। वहीं, किन्नर अखाड़ा का कहना है कि सारी प्रक्रिया का पालन करने के बाद ममता महामंडलेश्वर बनी हैं। ममता ने शुक्रवार को किन्नर अखाड़ा में संन्यास लिया। अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर डॉ। लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने उनका पट्टाभिषेक करके महामंडलेश्वर बनाकर नया नाम श्रीयामाई ममतानंद गिरि दिया। इसके बाद विवाद शुरू हो गया।

ममता पर अंडरवर्ल्ड से संबंध होने का आरोप

शांभवी पीठाधीश्वर स्वामी आनंद स्वरूप ने कहा- ममता कुलकर्णी पर अंडरवर्ल्ड से संबंध होने का आरोप है। वह उससे बरी हुईं या नहीं? मैं नहीं जानता, लेकिन उनका महामंडलेश्वर बनना अनुचित है। किन्नर अखाड़ा फर्जी विश्वविद्यालय है जो अवैध डिग्रियां बांट रहा है। लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को संन्यास देने का अधिकार नहीं है। इससे हमारी भावनाएं आहत हैं। किन्नर अखाड़ा के खिलाफ धार्मिक भावना आहत करने का केस होना चाहिए। अगर आगे इन्हें किसी धार्मिक आयोजन में बुलाया गया तो हम उसमें शामिल नहीं होंगे। प्रथम किन्नर कथावाचक जगदगुरु हिमांगी सखी ने कहा कि किन्नर अखाड़ा तो किन्नर समाज के लिए बना था। अब उसमें महिला को स्थान दे दिया। अगर आपको किन्नरों के अलावा महिलाओं को महामंडलेश्वर बनाना है तो उसका नाम बदलकर दूसरा रख लीजिए। बिना शिक्षा दिए, दीक्षा दे दी। मुंडन नहीं कराया, चोटी काटकर महामंडलेश्वर बना दिया जो अनुचित है। जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरि ने कहा कि ममता कुलकर्णी के निर्णय का स्वागत करना चाहिए। संन्यास लेकर उन्होंने अच्छा कार्य किया है।

टैंकर पलटने के बाद डीजल लूटने में जुटे ग्रामीण, जो मिला उसी में भर कर ले गए

सोनभद्र, 26 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के सोनभद्र जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां मुगलसराय से डीजल लेकर उड़ीसा जा रहा एक टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे के बाद टैंकर चालक मौके से फरार हो गया। वहीं टैंकर में डीजल होने की सूचना मिलते ही काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों को डिब्बा-बाल्टी, जो भी मिला, उसे लेकर घटनास्थल पर पहुंच गए और डीजल भरकर ले जाने लगे। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की कतार लग गई। इस बीच पुलिस को घटना के बारे में जानकारी लगी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को वहां से हटाया। दरअसल, म्योरपुर थाना क्षेत्र के रासपहरी गांव के पास रेणुकूट-बीजपुर मार्ग पर शनिवार की शाम को एक टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। ये टैंकर मुगलसराय से डीजल लेकर उड़ीसा जा रहा था।

एग्जाम में पास होने की डील, हर स्टूडेंट को देने होंगे 700 रुपये!

महिला टीचर ने 99% मार्क्स देने का किया वादा; हो गईं सस्पेंड

पटना, 26 जनवरी (एजेंसियां)। एक टीचर के लिए उनके सभी छात्र बराबर होते हैं। होशियार छात्र अपने टीचर का सम्मान बढ़ा देता है। लेकिन बिहार के बेगूसराय के सरकारी स्कूल की एक प्रधानाध्यापिका ने छात्रों को पैंसे के साथ उनकी कामयाबी का बंटवारा कर दिया। जिन प्रधानाध्यापिका की चर्चा की जा रही है उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह बोर्ड प्रेक्टिकल एग्जाम में नंबर देने के नाम पर छात्रों से रिश्वत के तौर पर पैसे लेते दिख रही हैं। वीडियो वायरल होने के बाद आरोपी प्रधानाध्यापिका के खिलाफ कार्रवाई की गई है। मामला बेगूसराय के उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय नया टोला कल्याणपुर का है। जिले के डीएम ने आरोपी प्रधानाध्यापिका के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे सस्पेंड किया है। उनके खिलाफ जांच कर विभागीय कार्रवाई के आदेश भी दिए गए हैं। स्कूल की प्रधानाध्यापिका प्रगति कुमारी का छात्रों से पैसे लेते हुए वीडियो जिले में चर्चा बंटोर रहा है।

नंबर बढ़ाने के लिए मांगे 1400 रुपये छात्रों ने आरोपी प्रधानाध्यापिका पर प्रेक्टिकल एग्जाम में नंबर देने के लिए दो उनसे 1400 रुपये लेने का आरोप लगाया है। वायरल वीडियो में एक छात्र आरोपी प्रधानाध्यापिका को कुछ पैसे देते हुए भी दिख रहा है। वीडियो में छात्र पैसे कम करने के लिए कहता नजर आ रहा है। प्रधानाध्यापिका को पैसे देते हुए किसी ने उनका वीडियो बना लिया और उसे सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। इसके बाद वीडियो जमकर वायरल हुआ प्रशासनिक अधिकारियों ने उसका संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए।

तीन विषयों में नंबर बढ़ाने का किया था वादा

छात्रों का आरोप है की प्रधानाध्यापिका ने उन्हें पैसे के बदले तीन विषयों में 29,29 और 28 नबंर देने को कहा था। जिले के डीएम तुषार सिंगला ने वीडियो का संज्ञान लेते हुए आरोपी प्रधानाध्यापिका को सस्पेंड कर दिया। साथ ही उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए हैं। उनका कहना है कि जांच में दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर के होटलों में ले गया महिला सिपाही से बार-बार किया रेप

कानपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर की रहने वाले एक महिला कांस्टेबल ने एक नेवी के जवान पर आरोप लगाया है कि उसने महिला के साथ कई बार रेप किया। महिला ने कहा कि नेवी के जवान ने पहले महिला से शादी का झूठा वादा किया और फिर कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद युवक ने दूसरी लड़की से शादी तय कर ली। पीड़ित महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए न्याय की गुहार लगाई है। दरअसल नेवी का जवान रायबरेली का रहने वाला है, जिसका नाम कृष्ण प्रताप सिंह है। उसकी बहन की शादी कानपुर के बिधनू में हुई है, जहां महिला कांस्टेबल रहती है। बहन के ससुराल में युवक का आना-जाना लगा रहता है। इसी वजह से महिला कांस्टेबल और कृष्ण प्रताप सिंह के बीच नजदीकियां बढ़ीं। महिला कांस्टेबल ने बताया कि पहले मना करने के बावजूद कृष्ण उसकी तैनाती वाली जगह पर पहुंच जाता था। उसने महिला कांस्टेबल से प्यार का दावा किया और शादी करने की बात कही। महिला कांस्टेबल ने आरोप लगाया कि साल 2023 में कृष्ण ने उसे कानपुर सेंट्रल में मौजूद अतिथि गैलेक्सी होटल में बुलाया। सबसे पहले उसने महिला कांस्टेबल का वहीं पर रेप किया। इसके बाद उसने प्रयागराज ले जाकर महिला कांस्टेबल का रेप किया। यही नहीं फिर कृष्ण ने महिला को लखनऊ के एक होटल में बुलाया और तीन दिन तक उसे जबरदस्ती वहां रोककर उसका रेप किया। इस सब के बीच कृष्ण के पिता महिला के घर पर रिश्ते की बात करने आए, लेकिन उन्होंने बेटे के नेवी में होने की बात करते हुए 20 लाख रुपये और कार की डिमांड की और कहा कि बिना गाड़ी और पैसों के शादी नहीं होगी।

मधुबनी में अपराध नियंत्रण अभियान के तहत 540 बदमाश गिरफ्तार, गन फैक्ट्री का भी पर्दाफाश

मधुबनी, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के मधुबनी जिला पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अपराध नियंत्रण अभियान के तहत 540 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही एक मिनी गन फैक्ट्री का पर्दाफाश भी किया है। यहीं नहीं पुलिस ने 6,013 लीटर अंग्रेजी शराब, 580 बोतल नशीली दवा और 15 किलो गांजा के साथ-साथ 42 हजार रुपये के जाली नोट भी बरामद किए हैं। बता दें कि मधुबनी पुलिस ने जनवरी माह में अपराध नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाया है। पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार ने प्रेस वार्ता कर जानकारी देते हुए बताया कि सभी एसडीपीओ के नेतृत्व में गठित विशेष टीमों ने अवैध हथियारों की तस्करी पर अंकुश लगाने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है।

इस दौरान पुलिस ने चार देसी कट्टे, चार देसी पिस्टल और 19 जिंदा कारतूस बरामद किए है। इसके साथ ही 15 किलो गांजा, 580 बोतल नशीली दवा और एक ट्रक से 6,013 लीटर अंग्रेजी शराब भी जब्त की है। इतना ही नहीं विशेष अभियान के तहत 540 फरार अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

मधुबनी में फरार शराब माफिया के घर की हुई कुर्की, जिला परिषद सदस्य का पति है आरोपी

मोतिहारी, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के मोतिहारी में पुलिस ने शराब कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने पीपराकोठी थाना क्षेत्र के जीवधारा बाजार में कुर्की की कार्रवाई की है। जीवधारा के रहने वाले शराब कारोबारी रंजीत गुप्ता के घर की कुर्की जब्ती की गई है। रंजीत गुप्ता पिपराकोठी जिला परिषद संख्या 29 के जिला परिषद सदस्य नीतु गुप्ता के पति हैं। रंजीत गुप्ता शराब और ड्रग्स सहित दर्जन भर मामलों में फरार चल रहे हैं। कुर्की जप्ती की कार्रवाई का नेतृत्व चकिया एसडीपीओ सतेंद्र कुमार सिंह एवं सदर डीएसपी-2 जितेश पांडेय ने संयुक्त रूप से किया। पुलिस ने कुर्की जप्ती के लिए रंजीत गुप्ता के घर के दरवाजे पर पहुंचकर माइक के जरिए बोलते हुए आत्मसमर्पण के लिए 20 मिनट का समय दिया।

पुलिस ने कहा कि वे इस अवधि में किसी भी थाने में जाकर अपना आत्मसमर्पण कर दें, अन्यथा कुर्की की कार्रवाई आरंभ कर दी जाएगी। हालांकि उन्होंने निर्धारित समय सीमा के अंदर किसी भी थाने में आत्मसमर्पण नहीं किया। जिसके बाद पुलिस ने कुर्की की कार्रवाई आरंभ कर दी। बताया जा रहा है कि जिला परिषद सदस्य नीतु गुप्ता के पति रंजीत गुप्ता के विरुद्ध विभिन्न थानों में शराब कारोबार सहित दर्जनभर मामले दर्ज है और वे फरार चल रहे है। इस मामले में पुलिस ने विगत 15 दिनों पहले भी उनके घर पर इस्तेहार चिपकाया था। इसके बावजूद रंजीत गुप्ता ने आत्मसमर्पण नहीं किया।

सीएम योगी के दावे को अखिलेश यादव ने बताया 'महाझूठ' बीजेपी केवल एक ट्रिलियन झूठ बोल सकती है

लखनऊ, 26 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अगले चार वर्ष में प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डालर तक पहुंचाने का दावा किया गया है। हालांकि इस दावे को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महाझूठ करार दिया। इस दावे पर अखिलेश यादव ने कहा है कि अर्थव्यवस्था के संबंध में सरकार का दावा असंभव है और भाजपा केवल एक ट्रिलियन झूठ बोल सकती है। अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट कर आरोप लगाया कि भाजपा सरकार भ्रष्टाचार से ग्रस्त है। उन्होंने कहा कि कोई ठोस निवेश नहीं है, जिससे किसान, व्यापारी, व्यवसायी और उद्योगपति संघर्ष कर रहे हैं। भाजपा केवल एक ट्रिलियन झूठ बोलने का रिकॉर्ड बना सकती है और कुछ नहीं कर सकती है। प्रदेश की भाजपा सरकार फिर से अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का नारा लगा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि आज की विकास दर के हिसाब से यह असंभव है। इसलिए यह एक महाझूठ है। उन्होंने कहा कि राज्य में बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है और किसान, उद्योगपति और व्यापारी अपने काम को लेकर बेहद चिंतित नजर आ रहे हैं। अगर लोगों के पास पैसा नहीं है तो क्रय शक्ति कैसे आएगी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि अगर मजदूर पलायन कर रहे हैं तो श्रम संसाधन कहां से आएंगे। अखिलेश यादव ने महंगाई, लोगों की आय, युवाओं के लिए रोजगार सृजन और चिकित्सा और शिक्षा की बढ़ती लागत के बारे में चिंता जताई और कहा कि हर कोई कह रहा है कि वे भाजपा नहीं चाहते हैं।

बसंत पंचमी का अवकाश तीन फरवरी को करने की मांग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ ने बसंत पंचमी का अवकाश तीन फरवरी को किए जाने की मांग की है। अभी अवकाश तालिका में यह छुट्टी दो फरवरी को ही दर्ज है। ऐसे में अब अवकाश में संशोधन की मांग की गई है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कुमार तिवारी व महामंत्री नरेन्द्र कुमार वर्मा का कहना है कि प्रयागराज में महाकुंभ में इस दिन स्नान का विशेष महत्व होता है। ऐसे में शिक्षकों को भी इसका लाभ मिलना चाहिए। इसलिए अवकाश को संशोधित कर दिया जाए। जिससे शिक्षक भी इस दिन संगम में आस्था की डुबकी लगा सकें।

13 राज्यों में 8 करोड़ 20 लाख की ठगी करने वाला गिरफ्तार, 27 घटनाओं का पर्दाफाश

गाजियाबाद, 26 जनवरी (एजेंसियां)। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने 13 राज्यों में आठ करोड़ 20 लाख रुपये की साइबर ठगी करने वाले आरोपित को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपित मयूर विहार के साहिल अपार्टमेंट निवासी गुरूदत्त सिंह मल्लाह है। आरोपित से पूछताछ में 27 घटनाओं का पर्दाफाश हुआ है। आरोपितों ने वैशाली निवासी महिला से करीब 30 लाख रुपये की ठगी हुई। पुलिस के मुताबिक वैशाली निवासी रेखा सिंह से 12 मई से 10 जून तक शेयर ट्रेडिंग में निवेश के नाम पर 29.90 लाख रुपये की साइबर ठगी हुई थी। पीड़िता की शिकायत पर 21 अगस्त को साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की थी। जांच में सामने आया कि पीड़िता को वाट्सएप ग्रुप अपस्टोक्स इंवेस्टमेंट क्लब में जोड़कर लिंक भेजकर फर्जी शेयर ट्रेडिंग एप ब्लाकअपप्रो डाउनलोड कराकर उनका खाता खोला और निवेश के बहाने ठगी की गई।

छात्रा को पीरियड आने पर क्लास से बाहर निकाला

बरेली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बरेली के एक इंटर कॉलेज में अचानक से छात्रा को पीरियड आने पर उसकी मदद की जगह टीचर ने उसे बाहर निकाल दिया। जब छात्रा ने पैड मांगा तो उसे नहीं मिला। करीब एक घंटे तक ब्लीडिंग के बीच छात्रा क्लास के बाहर खड़ी रही। कोई मदद नहीं मिलने पर वह घर चली गई। मामले की जानकारी होने पर छात्रा के पिता ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा- बेटी को मानसिक रूप से परेशानी उठानी पड़ी। डीआईओएस देवकी नंदन ने कहा- मामले की शिकायत आई है। जांच करवाई जा रही है।

यूपी में मौसम लेगा यू-टर्न; 30 और 31 जनवरी को होगी बारिश, पड़ेगी कड़ाके की ठंड

लखनऊ, 26 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी में दिन में धूप खिलने और कोहरे में कमी के कारण भीषण ठंड से लोगों को राहत मिली है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार आगामी 5 दिनों तक अधिकतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होगा। दिन में आसमान साफ रहेंगे।

धूप भी खिलेगी। वहीं रात के तापमान में 2 से लेकर 3 डिग्री सेल्सियस तक की कमी दर्ज की जाएगी। इससे रात व सुबह के समय ठंडक ज्यादा होगी। 29 जनवरी से सक्रिय हो रहे नए पश्चिमी विक्षोभ का असर पश्चिमी यूपी के कुछ इलाकों पर पड़ेगा। इससे यहां 30 व 31 जनवरी को हल्की बारिश हो सकती है। इससे ठंड में इजाफा होगा। प्रदेश में जनवरी माह से ही तेज धूप निकलने लगी है। कोहरे में भी कमी आ चुकी है।

इससे लोगों को ठंड से राहत मिली है लेकिन किसान चिंतित हैं। मुख्य फसल गेहूं फरवरी के अंतिम और मार्च के पहले सप्ताह तक पक कर तैयार हो जाती है। इस समय इस फसल को ठंडक और कोहरे की जरूरत है। मौसम के रुख के कारण इस बार गेहूं की पैदावार प्रभावित होने की आशंका है।

पहली बार मां-बेटे को एक साथ राष्ट्रपति सम्मान

लेफ्टिनेंट जनरल साधना नायर को अति विशिष्ट सेवा मेडल, बेटे तरुण को वायुसेना मेडल

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के इतिहास में पहली बार एक साथ मां-बेटे को एक साथ राष्ट्रपति सम्मान मिलेगा। आज 26 जनवरी के मौके पर लेफ्टिनेंट जनरल साधना एस नायर और उनके बेटे तरुण नायर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सम्मानित करेंगी। लेफ्टिनेंट जनरल साधना एस नायर, वीएसएम को एवीएसएम से सम्मानित किया जाएगा। वहीं, उनके बेटे स्क्वाड्रन लीडर तरुण नायर को शौर्य चक्र से सम्मानित किया जाएगा। लेफ्टिनेंट जनरल साधना एस।

नायर को उनकी सेवा के लिए अति विशिष्ट सेवा मेडल (एवीएसएम) से सम्मानित किया जाएगा, जबकि उनके बेटे स्क्वाड्रन लीडर तरुण नायर को भारतीय वायुसेना में बहादुरी और साहस के लिए वायुसेना मेडल दिया जाएगा। शनिवार को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आर्म्ड फोर्स और सेंट्रल आर्म्ड फोर्स के 93 जवानों को वीरता पुरस्कार देने की

लेफ्टिनेंट जनरल साधना नायर

अति विशिष्ट सेवा मेडल

स्क्वाड्रन लीडर तरुण नायर

मंजूरी दी। इनमें 2 कीर्ति चक्र (1 मरणोपरांत) और 14 शौर्य चक्र (3 मरणोपरांत) शामिल हैं।

साधना आर्मी मेडिकल सर्विस की पहली महिला डीजी हैं

लेफ्टिनेंट जनरल साधना सक्सेना नायर को 31 जुलाई 2024 को आर्मी की मेडिकल सर्विस का डायरेक्टर जनरल बनाया गया। वे इस पद पर काम करने वाली पहली महिला हैं। साल अक्टूबर 2023 में वायुसेना में एयर मार्शल पद पर प्रमोट किए जाने के बाद साधना को हॉस्पिटल सर्विसेस (आर्म्ड फोर्सेज) की डायरेक्टर जनरल (डीजी) बनाया गया था। इस पद नियुक्त होने वाली भी वे पहली महिला अधिकारी थीं। साधना वायुसेना की दूसरी महिला मेडिकल ऑफिसर हैं, जो एयर मार्शल रैंक तक पहुंची हैं।

एयर मार्शल रैंक तक पहुंचने वाले देश के पहले कपल

इससे पहले साधना को एयर फोर्स ट्रेनिंग कमांड बेंगलुरु हेड क्वार्टर से दिल्ली प्रमोशनल ट्रांसफर किया गया था। वहीं उनके पति केपी नायर 2015 में इंस्पेक्शन एंड फ्लाइट सेफ्टी के डीजी पद से रिटायर हो चुके हैं। इस तरह साधना और केपी नायर एयर मार्शल रैंक तक पहुंचने वाले देश के पहले कपल हैं।

एयर मार्शल रैंक की दूसरी महिला अफसर

साधना सक्सेना नायर के प्रमोशनल ट्रांसफर के बाद वो दूसरी महिला अधिकारी बनी थीं। जिन्होंने एयर मार्शल रैंक हासिल की है। उनसे पहले ये उपलब्धि एयर मार्शल पद्मा बंदोपाध्याय ने हासिल की। पद्मा ने 2002 में एयर मार्शल रैंक पर तैनात की गईं थीं।

इसके अलावा थ्री-स्टार रैंक तक पहुंचने वाली नौसेना की सर्जन वाइस एडमिरल पुनिता अरोड़ा थीं, जो कि रिटायर हो चुकीं हैं।

फ्लाइट लेफ्टिनेंट तरुण मिग-29 स्क्वाड्रन के फाइटर पायलट

फ्लाइट लेफ्टिनेंट तरुण नायर, मिग-29 स्क्वाड्रन के फाइटर पायलट, को उनकी अद्भुत बहादुरी और कुशलता के लिए 'वायुसेना मेडल (शौर्य)' से सम्मानित किया जाएगा। 12 मार्च 2024 को एक कठिन उड़ान के दौरान मिग-29 विमान में कई तकनीकी खराबियों के बावजूद,उन्होंने विमान को सुरक्षित रूप से लैंड कराया। उड़ान के दौरान विमान नियंत्रण में गंभीर समस्याएं आईं, लेकिन तरुण नायर ने धैर्य, कौशल और बेहतरीन निर्णय क्षमता का प्रदर्शन करते हुए एक बड़ी दुर्घटना टाली।

तीन पीढ़ियों का वायुसेना से संबंध

एयर मार्शल साधना सक्सेना नायर के परिवार का 3 पीढ़ियों से एयर फोर्स से संबंध है। साधना के पिता और भाई भी इंडियन एयर फोर्स में डॉक्टर थे। उनका बेटा वायु सेना में फाइटर पायलट (फ्लाइट लेफ्टिनेंट) पद पर तैनात है।

हरियाणा-पंजाब में 26 जनवरी पर किसानों ने निकाला ट्रैक्टर मार्च

अंबाला में मंत्री अनिल विज का घर घेरा, बीजेपी कार्यालय के बाहर ट्रैक्टर लगाए

चंडीगढ़, 26 जनवरी (एजेंसियां)। फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) समेत 13 मांगों को लेकर किसानों ने आज हरियाणा-पंजाब समेत 13 राज्यों में ट्रैक्टर मार्च निकाला। हरियाणा के अंबाला, करनाल और जींद के अलावा पंजाब के अमृतसर, जालंधर और लुधियाना में इसका ज्यादा असर देखने मिला। किसान संगठनों की तरफ से ट्रैक्टर मार्च निकालने का समय दोपहर 12 बजे तय किया गया था लेकिन कुछ जगहों पर किसान सुबह करीब साढ़े 11 बजे से ही ट्रैक्टरों के साथ सड़कों पर निकल पड़े थे। किसानों का ये मार्च दोपहर करीब 1:30 बजे तक रहा। मार्च के दौरान किसानों ने केंद्र सरकार के खिलाफ खूब नारेबाजी की। अंबाला में किसानों ने हरियाणा के मंत्री अनिल विज का आवास घेरा। इसके अलावा यहां भाजपा कार्यालय को भी घेरा गया। हालांकि, इस दौरान दोनों ही जगहों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थे, इसलिए किसानों को ज्यादा आगे नहीं आने दिया गया। किसानों ने रामपुरा फूल में भाजपा नेता जगदीप सिंह नकई और अमृतसर में भाजपा नेता तरणजीत सिंह संधू समुद्री के घरों का भी घेराव किया।

नेताओं के घरों के अलावा किसानों ने कई बड़े मॉलों के सामने भी प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की।

वहीं, इस ट्रैक्टर मार्च को लेकर किसान नेता सरवण पंधेर ने कहा कि आज यह मार्च पूरे देश के करीब 12 से 13 राज्यों में सफल रहा। इस दौरान उन्होंने सीएम नायब सैनी से सवाल पूछा कि अगर हरियाणा में किसानों को सब कुछ मिल रहा है तो हरियाणा के किसान आज ट्रैक्टर लेकर सड़कों पर क्यों उतरे।

हरियाणवी डांसर सपना चौधरी ने लगाई महाकुंभ में डुबकी:प्रयागराज में संगम में नाव में घूमती दिखीं

प्रयागराज, 26 जनवरी (एजेंसियां)। मशहूर हरियाणवी डांसर सपना चौधरी ने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में डुबकी लगाई। इस दौरान वह नाव पर बैठी नजर आईं। इसके बाद सपना ने त्रिवेणी में स्नान किया। यहां सपना चौधरी जय मां गंगा, यमुना, सरस्वती, हर-हर गंगे, जय महादेव कहती हुई नजर आईं। सपना ने महाकुंभ में स्नान का 30 सेकेंड का वीडियो जारी किया है। बता दें कि सपना चौधरी हरियाणा की मशहूर डांसर हैं। हरियाणवी गीतों पर उनके स्टेज शो में भारी भीड़ जुटती है। इसके अलावा वह टीवी के रियलिटी शो बिग बॉस की कंटेस्टेंट भी रह चुकी हैं, जिसे बॉलीवुड एक्टर सलमान खान होस्ट करते हैं।

बिग बॉस 11 का हिस्सा रही थीं सपना

सपना चौधरी ने बिग बॉस के 11वें सीजन में हिस्सा लिया था। इसके बाद यह हरियाणवी सिंगर देशभर में काफी फेमस हो गई। इस दौरान उन्होंने बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के साथ डांस भी किया। सपना को बिग बॉस के इस सीजन में 1 लाख से ज्यादा वोट मिले थे।

मौत की अफवाह भी उड़ी, सपना ने कहा- ये बहुत अजीब था

करीब 3 साल पहले सोशल मीडिया पर उनकी मौत की अफवाह उड़ा दी गई। इसमें कहा गया कि सिरसा में हुए एक सड़क हादसे में सपना की जान चली गई है। यह खबर आते ही उनके घरवाले और फैंस परेशान हो उठे थे। इसे लेकर सपना ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मेरी मौत की अफवाह से मेरे परिवार वाले बहुत परेशान हो गए थे। सब कॉल पर कॉल कर मेरा हालचाल जान रहे थे।

मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं इससे कैसे डील करूं? इस प्रोफेशन में हमें कई तरह की अफवाहों से जूझना पड़ता है, लेकिन इस तरह की अफवाहें बेहद अजीब होती हैं। सोचिए, किसी के मां-बाप से कॉल कर कोई पूछे कि क्या आपकी बेटी का निधन हो गया तो उन्हें कैसा लगेगा? शायद कोई सिंगर थी जिसकी डेथ हो गई थी और लोग उससे कंफ्यूज हो गए।।।पता नहीं। यह बेहद दुखद है कि किसी आर्टिस्ट का निधन हो गया, लेकिन मुझे लगता है कि अच्छा होता अगर यह कंफ्यूजन न हुआ होता।'

आर्म्ड फोर्स के 93 जवानों को वीरता पुरस्कार

इनमें 2 कीर्ति चक्र और 14 शौर्य चक्र; 305 डिफेंस डेकोरेशन अवॉर्ड भी दिए गए

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आर्म्ड फोर्स और सेंट्रल आर्म्ड फोर्स के 93 जवानों को वीरता पुरस्कार देने की मंजूरी दी। इनमें 2 कीर्ति चक्र (1 मरणोपरांत) और 14 शौर्य चक्र (3 मरणोपरांत) शामिल हैं। कीर्ति चक्र देश का दूसरा सबसे बड़ा शांतिकालीन वीरता पुरस्कार है। यह 22 राष्ट्रीय राइफल्स के मेजर मंजीत और 28 राष्ट्रीय राइफल्स के नायक दिलवर खान (मरणोपरांत) को प्रदान किया गया है।

इसके अलावा आर्म्ड फोर्स और अन्य कर्मियों को 305 डिफेंस डेकोरेशन की भी मंजूरी दी गई है। इनमें 30 परम विशिष्ट सेवा मेडल, पांच उत्तम युद्ध सेवा मेडल, 57 अति विशिष्ट सेवा मेडल, 10 युद्ध सेवा मेडल शामिल हैं। इसके साथ ही एक बार टू सेना मेडल (वीरता), 66 सेना मेडल (सात मरणोपरांत), 2 नौ सेना मेडल, और 8 वायु सेना मेडल, चार बार टु विशिष्ट सेवा मेडल और 132 विशिष्ट सेवा मेडल शामिल हैं।

942 पुलिस, फायर डिपार्टमेंट, सिविल डिफेंस पर्सनल को गैलेंट्री और सर्विस मेडल

इससे पहले केंद्र सरकार ने पुलिस, फायर डिपार्टमेंट और सिविल डिफेंस के 942 जवानों के लिए वीरता (गैलेंट्री) और सेवा पदक (सर्विस मेडल) की घोषणा की थी। विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक (पीए) पाने वाले 101 लोग हैं। सराहनीय सेवा के लिए मेडल (एमएसएम) पाने वाले 746 कर्मी हैं। केंद्र सरकार ने 95 लोगों को वीरता पदक दिया। इनमें 5 नाम ऐसे हैं जिन्हें मरणोपरांत सम्मानित किया गया। इनमें जम्मू-कश्मीर पुलिस के डिप्टी एसपी हुमायूं मुजमिल, हेड कॉन्स्टेबल गिरजेश कुमार उद्दे (बीएसएफ), कॉन्स्टेबल सुनील कुमार पांडे (सीआरपीएफ), हेड कॉन्स्टेबल रवि शर्मा (एसएसबी) और सिलेक्शन ग्रेड फायरमैन सतीश कुमार रैना शामिल हैं। जिन 95 गैलेंट्री अवॉर्ड्स की घोषणा की गई है, इनमें 28 नाम नक्सल-उग्रवाद प्रभावित इलाकों से हैं। 28 नाम जम्मू-कश्मीर क्षेत्र से, 3 नाम नॉर्थ-ईस्ट और 36 नाम दूसरे क्षेत्रों से हैं। वीरता पदक की पुलिसकर्मियों में सबसे ज्यादा नाम उत्तर प्रदेश से हैं। जम्मू-कश्मीर से 15 नाम हैं। ये सम्मान सैन्य, पुलिस और अन्य कर्मियों को वीरता और उनके बलिदान के लिए दिए जाते हैं।

अमरनाथ आतंकी हमले की साजिश को नाकाम करने वालों को सम्मान

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर वीरता पदक से सम्मानित किए गए जम्मू-कश्मीर के 15 पुलिस अधिकारियों में से सात ने तीन साल पहले अमरनाथ यात्रा पर संभावित आतंकी हमले को टालने में अहम भूमिका निभाई थी। वीरता पदक प्राप्त करने वालों में डीएसपी हुमायूं भट भी शामिल हैं, जो सितंबर 2023 में दक्षिण कश्मीर के कोकरनाग में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान शहीद होने वाले चार अधिकारियों में से एक थे। भट को पिछले साल स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर असाधारण बहादुरी के लिए कीर्ति चक्र से भी सम्मानित किया गया था।

मणिपुर में 2 जिलों से 4 उग्रवादी गिरफ्तार; कार और हथियार जब्त

इंफाल, 26 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के इंफाल पश्चिम और चुराचांदपुर जिले में चार उग्रवादी गिरफ्तार किए गए। पुलिस ने रविवार को बताया कि प्रतिबंधित संगठन पीआरईपीएके (प्रोग्रेसिव) के 2 उग्रवादी शनिवार को इंफाल पश्चिम से गिरफ्तार हुए थे। दोनों इंफाल और थौबल में जबरन वसूली में शामिल थे। उनके पास से 6 मोबाइल, दो .32 पिस्टल और मैगजीन, पांच ।32 जिंदा कारतूस, एक कार जब्त की गई है। वहीं, यूकेआरए (एसओओ ग्रुप) के 2 उग्रवादियों को चूरचंदपुर के मौंजंग गांव से गिरफ्तार किया गया।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सुरक्षाबलों ने एलओसी के पास पाकिस्तानी घुसपैठिया पकड़ा

जम्मू, 26 जनवरी (एजेंसियां)। कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पास से पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया गया।अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के तेत्रिनोट गांव के रहने वाले मोहम्मद यासिर फैज को शनिवार रात करीब 11.30 बजे सलोत्री गांव से हिरासत में लिया।

चेन्नई जाने वाली फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जांच में झूठी निकली

चेन्नई, 26 जनवरी (एजेंसियां)। चेन्नई में रविवार देर रात निजी प्लेन को बम की धमकी मिली। प्लेन ने कोच्चि से उड़ाने भरी थी। उसमें 85 लोग सवार थे। चेन्नई एयरपोर्ट के अधिकारियों ने बताया कि प्लेन को एयरपोर्ट पर उतारा गया। सभी यात्रियों को उतारकर फ्लाइट की तलाशी ली गई। जांच में बम की धमकी झूठी निकली। मामले की जांच की जा रही है।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव में आप की प्रेम लता और बीजेपी की हरप्रीत कौर बाबला आमने-सामने, कांग्रेस किसे देगी समर्थन?

चंडीगढ़, 26 जनवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी ने अपनी पार्षद प्रेम लता को चंडीगढ़ के महापौर पद के लिए पार्टी उम्मीदवार घोषित किया। शहर में 30 जनवरी को महापौर पद पर चुनाव होना है। लता का मुकाबला भारतीय जनता पार्टी की हरप्रीत कौर बाबला से है। वरिष्ठ उप महापौर और उप महापौर पदों के लिए भी मतदान अगले सप्ताह होगा। आम आदमी पार्टी ने महापौर चुनाव के लिए कांग्रेस से हाथ मिला लिया है। आम आदमी पार्टी ने महापौर पद के लिए अपना उम्मीदवार उतारा है, जबकि कांग्रेस ने वरिष्ठ उप महापौर और उप महापौर के पदों के लिए क्रमशः जसबीर सिंह बंटी और तरुणा मेहता को मैदान में उतारा है। बीजेपी ने वरिष्ठ उप महापौर पद के लिए बिमला दुबे और उप महापौर पद के लिए लखबीर सिंह बिल्लू को मैदान में उतारा है। तीनों पार्टियों के सभी छह उम्मीदवारों ने शनिवार को यहां अपना नामांकन दाखिल किया।

चंडीगढ़ नगर निगम के मौजूदा महापौर कुलदीप कुमार आम आदमी पार्टी से हैं। सदन में आप के 13 पार्षद हैं, जबकि कांग्रेस के सात और बीजेपी के 15 पार्षद हैं। पार्षदों के अलावा चंडीगढ़ से कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी को सदन के पदेन सदस्य के रूप में मतदान का अधिकार प्राप्त है। चंडीगढ़ में बीजेपी के वरिष्ठ नेता अरुण सूद ने महापौर चुनाव के लिए कांग्रेस और आप के बीच हुए गठबंधन को अपवित्र करार दिया।

बीजेपी नेता ने आप-कांग्रेस पर बोला हमला

अरुण सूद ने मीडिया से कहा कि दिल्ली और पंजाब में इन दोनों पार्टियों के बीच मतभेद हैं, लेकिन यहां वे तथाकथित गठबंधन की बात करते हैं। पिछले साल 20 फरवरी को उच्चतम न्यायालय ने आप के कुलदीप कुमार को चंडीगढ़ नगर निगम का नया महापौर घोषित किया था। अदालत ने 30 जनवरी को हुए महापौर चुनाव के नतीजे को पलट दिया था, जिसमें बीजेपी उम्मीदवार मनोज सोनकर विजयी हुए थे। यह आदेश आप द्वारा शीर्ष अदालत में याचिका दायर करने के बाद आया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि मतदान के दौरान मतपत्रों से छेड़छाड़ की गई थी। इस साल 24 जनवरी को उच्चतम न्यायालय ने यह सुनिश्चित करने के लिए एक पर्यवेक्षक नियुक्त करने पर विचार किया था कि 30 जनवरी को चंडीगढ़ महापौर चुनाव 'स्वतंत्र और निष्पक्ष' हों। शीर्ष अदालत ने सुनवाई 27 जनवरी के लिए निर्धारित की है और संकेत दिया है कि वह चुनावों के लिए उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश को पर्यवेक्षक नियुक्त कर सकती है।

बहन की शादी में शामिल होने के लिए सागर धनखड़ हत्याकांड के आरोपी को अंतरिम जमानत

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने पहलवान सागर धनखड़ हत्याकांड के एक आरोपी को उसकी बहन की शादी में शामिल होने के लिए मानवीय आधार पर दो दिन की अंतरिम जमानत दी है। आरोपी बिजेंदर ने 24 जनवरी को शादी समारोह शामिल होने के लिए अंतरिम जमानत मांगी थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुशील कुमार ने 23 जनवरी को एक आदेश में कहा था कि जांच अधिकारी (आईओ) ने उसकी बहन की शादी के तथ्य को सत्यापित किया है। इसके बाद मानवीय आधार पर आरोपी को 25 हजार रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के दो जमानतदारों को पेश करने पर 24 से 25 जनवरी तक दो दिनों के लिए अंतरिम जमानत की अनुमति दी। अदालत ने अन्य शर्तें भी लगाई हैं, जिसमें अभियोजन पक्ष के गवाहों को धमकी नहीं देना, सबूतों के साथ छेड़छाड़ नहीं करना और किसी अन्य अपराध में शामिल नहीं होना शामिल है। यहां की एक अदालत ने अक्टूबर 2022 में छत्रसाल स्टेडियम हत्या मामले में ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार और बिजेंदर के अलावा 16 अन्य के खिलाफ आरोप तय किए थे।

नौकरी का झांसा देकर रेप, चुप रहने के लिए सलमान खान से मिलवाने का लालच

बिश्नोई महासभा अध्यक्ष पर गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में एक लड़की ने अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बूड़िया पर रेप का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि विदेश भेजने का झांसा देकर देवेंद्र बूड़िया एक साल से उसे अपनी हवस का शिकार बना रहा था। पीड़िता का आरोप है कि उसके पिता देवेंद्र बूड़िया को जानते थे और उन्होंने मुलाकात करवाई थी। लड़की ने आरोप लगाया है कि विदेश में सेटल होने के लिए एक कोर्स करवाने के बहाने देवेंद्र बूड़िया उसे हिसार से चंडीगढ़ ले गया और फिर वहां एक होटल में इसके साथ रेप किया। इतना ही नहीं, आरोपी ने लड़की की एक अश्लील वीडियो भी बना ली और उसे लगातार ब्लैकमेल करने लगा। पीड़िता ने बताया, "मेरी पहली बार इससे मुलाकात पापा ने करवाई थी क्योंकि यह बिश्नोई समाज की सेवा करता है तो इसने बोला कि मैं आपकी भी सेवा करूंगा। मुझे दूसरे देश जाना था। इस विषय में हम उनसे मिले थे। उसने बोला कि मैं तुम्हें अदर कंट्री भेजूंगा, फिर बोला इसके लिए चंडीगढ़ से एक कोर्स करना होगा और उसके सारे पैसे में समाज के फंड से दूंगा।" रेप पीड़िता ने आगे कहा, "फिर वह बहला फुसलाकर मुझे चंडीगढ़ ले गया और वहां हयात होटल में उसने मेरा रेप किया और मेरी वीडियो भी बना लिया था और कहा कि किसी को बताने पर तुम्हारे मम्मी पापा को भी जान से मरवा दूंगा। मेरी पहुंच बहुत ऊपर तक है।। मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।। और मैं एक सेकंड में प्रूफ गायब कर दूंगा कि मैं इस होटल में आया भी हूं।" पीड़िता के साथ फरवरी 2024 में पहली बार दरिंदगी की गई थी। उसे धमकी देकर जयपुर के फ्लैट ले गया और फिर वहां रेप किया। पीड़ित लड़की का कहना है कि पुलिस में शिकायत करने से रोकने के लिए देवेंद्र बूड़िया ने कभी धमकी दी तो कई बार बॉलीवुड स्टार सलमान से मिलवाकर स्टार बनाने का लालच दिया, तो कभी वेश्यावृत्ति के झूठे केस में फसवाने की भी धमकी दी। पीड़िता ने बताया कि मैंने एफआईआर दर्ज करवा दी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

महिला की हत्या कर शव को बैग में डाला और फिर लगा दी आग, फरार आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस के मौके पर जब राष्ट्रीय राजधानी में हाई अलर्ट था, उसी दौरान एक बैग में महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया है। मामला पूर्वी दिल्ली का है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है और महिला की शिनाख्त की कोशिश कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, एक शख्स ने महिला की हत्या करके शव को बैग में भरा और फिर उस बैग को लेकर गाजीपुर थाना इलाके में पहुंचा। यहां आरोपी ने बैग में आग लगा दी और मौके से फरार हो गया। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है और महिला की पहचान की जा रही है।

इस मामले में दिल्ली डीसीपी ईस्ट अभिषेक धानिया का कहना है, 'हमें सुबह करीब 4:10 बजे एक पीसीआर कॉल मिली जिसमें एक जले हुए शव के बारे में बताया गया। मौके पर पहुंचने पर हमने पाया कि शव पूरी तरह से जला हुआ है और शव की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। फॉरेंसिक सबूतों के आधार पर कहा जा सकता है कि मृतक की उम्र 20-35 साल के बीच है। चार टीमें जांच कर रही हैं।' इससे पहले 20 जनवरी को भी एक खबर सामने आई थी, जिसमें एक युवक अपनी कार में जली हुई अवस्था में मिला था। पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर इलाके के पास एक 24 वर्षीय अनिल नाम का युवक अपनी कार में जली हुई अवस्था में मृत पाया गया था। यह घटना शनिवार रात हुई थी, जब पुलिस को तीन अलग-अलग पीसीआर कॉल मिलीं थीं, जिसमें गाजीपुर इलाके में आग लगने की घटना की सूचना दी गई थी। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि मारुति वैगन आर कार में आग लगी हुई थी और कार के अंदर अनिल का जला हुआ शव था।

भाजपा की किरण जैसल बनी हरिद्वार की मेयर, कांग्रेस को दी करारी पटखनी

हरिद्वार, 26 जनवरी (एजेंसियां)। हरिद्वार नगर निगम महापौर पद पर भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी किरण जैसल ने जीत दर्ज की। उन्होंने आमने-सामने के मुकाबले में कांग्रेस की अमरेश देवी बालियान को 28581 मतों के अंतर से हराया। भाजपा प्रत्याशी को 72786, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी को 44205 मत प्राप्त हुए। चुनाव में आम आदमी पार्टी तीसरे स्थान पर रही। आप प्रत्याशी शिप्रा सैनी को 4056 मत प्राप्त हुए। हरिद्वार नगर निगम महापौर पद के लिए भाजपा से किरण जैसल, कांग्रेस से अमरेश देवी बालियान, आम आदमी पार्टी से शिप्रा सैनी बहुजन समाज पार्टी से उस्मान और निर्दलीय प्रत्याशी अफरोजा चुनाव मैदान में थे। चुनाव में भाजपा और

कांग्रेस प्रत्याशी के बीच सीधा मुकाबला था। 23 जनवरी को मतदान के बाद हर जीत को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। 25 जनवरी सुबह 8 बजे मतगणना शुरू होने से लेकर आखिर तक भाजपा प्रत्याशी प्रत्येक चक्र में बढ़त बनाई हुई थी। चुनाव समाप्ति के बाद भाजपा प्रत्याशी किरण जैसल को 72786, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी को 44205 मत प्राप्त हुए। भाजपा प्रत्याशी 28581 मतों से विजय घोषित की गई। रिटर्निंग ऑफिसर लक्ष्मी राज चौहान ने जीत का प्रमाण पत्र दिया। आम आदमी पार्टी चुनाव में तीसरे स्थान पर रही। आप प्रत्याशी शिप्रा सैनी को 4056 मत प्राप्त हुए। वहीं बसपा प्रत्याशी को 2870,जबकि निर्दल प्रत्याशी को 1285 मत प्राप्त हुए। 26 जनवरी सुबह परिणाम घोषित होने के बाद भल्ला कॉलेज में बनाए गए मतगणना केंद्र पर भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने नवनिर्वाचित महापौर किरण जैसल का फूल मालाओं से स्वागत किया। महापौर किरण जैसल ने मतदाताओं का आभार जताया। शहर के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

नोचते रहे, चीखता रहा मासूम ग्वालियर में कुत्तों के झुंड ने बच्चे को काटा, आए 100 टांके

ग्वालियर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। शहर से डॉग बाइट की एक दर्दनाक घटना सामने आई है. यहां एक 7 साल के मासूम बच्चे पर कुत्तों ने बुरी तरह से कर दिया है. कुत्तों के झुंड ने बच्चे को घेर कर नीचे गिरा दिया और चेहरे समेत 18 जगह पर कुत्तों ने काट लिया. बच्चे को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां कई घंटे के ऑपरेशन के बाद डॉक्टर्स की टीम ने 100 से ज्यादा टांके लगाकर उसके घावों को सिला है. फिलहाल बच्चे की हालत स्थिर बताई जा रही है और डॉक्टर आईसीयू में लगातार निगरानी बनाए हुए हैं. मासूम बच्चे पर आवारा कुत्तों के हमले की यह घटना ग्वालियर शहर के सचिन तेंदुलकर मार्ग स्थित शारदा बाल ग्राम आश्रम परिसर की है, जहां पन्ना जिले से पढ़ाई के लिए भेजे गए 7 साल के मासूम बच्चे को आश्रम परिसर में ही घूम रहे 4 से 5 आवारा कुत्तों ने नोच नोच कर घायल कर दिया.

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 27 जनवरी - 2025

संगठन चुनाव बनाम दलों में आंतरिक लोकतंत्र की समाप्ति

रघु ठाकुर

भाजपा के संगठनात्मक चुनाव पिछले कुछ समय से चल रहे हैं और चुनाव से संबंधित कई समाचार कई प्रकार से समाचार पत्रों में प्रकाशित हो रहे हैं। कुछ दिन पहले भाजपा मंडल अध्यक्षों के चुनाव हुये और यह खबर आई कि जो चुनाव कराने वाले पर्यवेक्षक गये थे उन्होंने ब्लॉक अध्यक्ष की घोषणा कर दी थी, इसका कारण यह बताया गया कि ब्लॉक अध्यक्षों के नामों को लेकर स्थानीय नेताओं, विधायकों, मंत्रियों व अन्य ताकतवर नेताओं में मतभेद था इसलिये इन चुनाव में पर्यवेक्षकों ने ब्लॉक अध्यक्षों की सूची जारी की। अब यही प्रक्रिया जिला अध्यक्षों के चुनाव को लेकर चल रही है, पिछले दिनों से लगभग कई जिला अध्यक्षों के परिणाम घोषित नहीं हो पा रहे हैं। एकमत के नाम पर संगठन पर कैंजा करने और नेताओं को संतुष्ट करने या शांत करने के नाम पर केंद्रीय नेतृत्व द्वारा नाम तय किये जा रहे हैं ताकि केंद्र की मोहर लगने के बाद कोई भी नेता अपने भविष्य के डर से विरोध न कर सकें। वस्तुतरू ये चुनाव नहीं, बल्कि सीधी-सीधी नामजदगी है। आखिर भाजपा के शीर्ष के कर्ताधर्ताओं को चुनाव से भय क्यों लगता है? मुझे स्मरण है कि 1980-90 के दशक तक भाजपा में चुनाव होते थे यह परंपरा थी और जनसंघ के निर्माण से अस्तित्व में थी। संगठन मंत्री संघ के प्रचारकों को बनाया जाता एवं वह नाम संघ के द्वारा दिया जाता था। चूंकि जनसंघ का निर्माण संघ के द्वारा हुआ था अतरू संघ अपना नियंत्रण जनसंघ पर रखता और, इसलिये संगठन मंत्री की नियुक्ति या मनोनयन संघ के इशारे पर होता था और वही संगठन का सर्वेसर्वा होता था। यह परंपरा केंद्र से लेकर राज्यों, जिला और नीचे स्तर तक थी। संगठन मंत्री जो कह देते वह पार्टी के लिये अंतिम निर्णय होता था। यह माना जाता था कि संगठन मंत्री ही संघ के प्रवक्ता है। परंतु ब्लॉक या जिला अध्यक्ष का चयन घोषित रूप से राज्य या केंद्र के द्वारा नहीं होता था। दिखावे को ही सही परंतु लोकतंत्र के नाम पर एक झीना परदा लगा रहता था। पिछले 5 वर्षों में यह परंपरा टूट चुकी है और राज्यों से लेकर केंद्र तक अब चयन के नाम पर नियुक्तियां संघ से ज्यादा सत्ता द्वारा की जा रही हैं। श्री जगत प्रकाश नड्डा जिनका

इस दौर में जब संसद और संसदीय बहुमत वाला दल अपनी दलीय राजसत्ता का दास बन चुका हो, राजनैतिक दलों को संगठन अपने सत्ता का दास बना चुके हों, शीर्ष नौकरशाह, चुनाव आयोग जैसे केंद्रीय सत्ता के मानसिक गुलाम बन चुके हों, तब लोकतंत्र को बचाने की उम्मीद केवल जनमत से ही की जा सकती है।

भाजपा के अध्यक्ष के रूप में यह दूसरा कार्यकाल है वे पिछले कार्यकाल में अध्यक्ष चुने गये थे। लोकसभा चुनाव के पहले उनका कार्यकाल समाप्त हो रहा था और भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में अचानक एक प्रस्ताव लाया गया तथा पार्टी के संविधान में संशोधन कर, कार्यकारिणी को उनके दूसरे कार्यकाल के लिये अध्यक्ष के चयन रूपी नामजद अधिकार दे दिये गये। श्री मोदी, शाह की उपस्थिति में सारी भाजपा की कार्यकारिणी और नेताओं की मुखरता मौन में बदल गई। किसी में इसका विरोध करने का साहस नहीं हुआ और सबने चुपचाप श्री नडडा के दूसरे कार्यकाल पर मोहर लगा दी। यही कारण था कि लोकसभा चुनाव के दौरान श्री नडडा ने सार्वजनिक बयान दिया कि अब भाजपा अपने निर्णय करने को और चुनाव प्रचार आदि के लिये इतनी समर्थ हो चुकी है कि उसे संघ की कोई आवश्यकता नहीं है। संघ भी जो अपने स्थापना के आरंभकाल में यह कहता था कि जनसंघ तो हमारी कमल की नाल है, जब तक बचेगी बचायेंगे वरना खा जायेंगे। परंतु इस बार कमल की नाल न वे बचा पाये न खा पाये। ऐसा लगता है कि उन्होंने यह स्वीकार कर लिया है कि अब उनमें भाजपा नेतृत्व को निर्देश देने की शक्ति नहीं बची है। दरअसल यह परंपरा पहले कांग्रेस में शुरू हुई थी और उन्होंने चुनाव के नाम पर नामजदगी की परंपरा शुरू की थी। 1970 के बाद जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने संगठन को चुनौती देकर अपनी सत्ता का वर्चस्व कायम किया। कांग्रेस की संसदीय बोर्ड की बैठक में अपने तय किये गये राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी श्री नीलम संजीव रेडडी के खिलाफ निर्दलीय तौर पर श्री वी.वी. गिरि को प्रत्याशी बनवाया और उनका समर्थन किया तथा पार्टी के अधिद्भत प्रत्याशी को हरवाया। तभी से कांग्रेस पार्टी में संगठन की भूमिका सत्ता की पिछलग्गू जैसी बन गयी और संगठन चुनाव मात्र दिखावे के हो गये। यह परंपरा ऊपर से शुरू होकर नीचे तक आ गई तथा यह तरीका शुरू हुआ कि पर्यवेक्षक जाकर निर्वाचित प्रत्याशी के नाम का ऐलान कर देते हैं जो कि ऊपर की सहमति से प्राप्त होता है और सारे कांग्रेस के मेम्बर, पर्यवेक्षक द्वारा की गई घोषणा को चुपचाप स्वीकार कर लेते हैं। अब पार्टियों में अपवाद छोड़कर यह आम चलन बन गया कि कोई एक व्यक्ति या समूह चुनाव के नाम पर नामजद कर देता है और इस अलोकतांत्रिक निर्णय के नाम पर सारा संगठन लोकतंत्र बताकर उसका अनुसरण करता है। इस प्रक्रिया से धीरे-धीरे इन सभी दलों ने चाहे कांग्रेस-भाजपा, बसपा, सपा, राजद , जदयू या डीएमके, टीडीपी, बीआरएस, शिवसेना जैसे क्षेत्रीय दल हों लगभग सभी में यही नामजदगी चुनाव की परंपरा स्वीकार हो चुकी है। इस परंपरा का सबसे बुरा प्रभाव यह हुआ कि दलों में आंतरिक लोकतंत्र खत्म हो चुका है और यह एक ऐतिहासिक तथ्य है कि जब दलों में लोकतंत्र खत्म हो जाता है तो एक प्रकार की घोषित या अघोषित तानाशाही कायम हो जाती है।

यह संगठनात्मक तानाशाही सत्ता को भी प्रभावित करती है। ऐसे दलों की सत्ता ही अघोषित तानाशाह बन जाती है। आज बसपा में सुश्री मायावती, सपा में श्री अखिलेश यादव, राजद में श्री लालू यादव, जनता दल (यू) में श्री नीतीश कुमार, अकाली दल में श्री सुखबीर सिंह बादल, आप में श्री केजरीवाल, तमिलनाडु में श्री स्टालिन, टीडीपी में श्री नायडू, वाईएसआर कांग्रेस में श्री जगन रेडडी, शिवसेना में श्री उद्धव ठाकरे और कांग्रेस में श्रीमती सोनिया गाँधी तथा उनका परिवार और भाजपा में श्री नरेन्द्र मोदी अघोषित तानाशाह जैसे बन गये हैं। दुखद यह है कि पार्टियां भी, संगठन भी और सरकारें इनके मानसिक रूप से पिछलग्गू बन चुके हैं। यह स्थिति लोकतंत्र के लिये चिंताजनक और दुखद भी है कि आम मतदाता भी ऐसी स्थिति को स्वीकार कर चुका है और वह कभी जाति के आधार पर, कभी धर्म के आधार पर समर्थन करता है। इन जनमत के समर्थन से इन क्षेत्रीय और केंद्रीय दलों को तानाशाही की मान्यता मिल गयी है। अब वे खुलकर तानाशाह जैसा खेल खेल रहे हैं। उन्हें संगठन और सत्ता के भीतर से अब कोई चुनौती नहीं है। देश एक प्रकार से अघोषित तानाशाही या दलीय तानाशाही में फंस चुका है। चुनाव आयोग का यह वैधानिक दायित्व है कि दलों के स्वीद्भत संविधान में चुनाव के प्रारूप में वर्णित प्रक्रिया के अनुसार संगठन के चुनाव सुनिश्चित कराये, परंतु चुनाव आयोग भी अपनी आजादी लगभग खो चुका है और उससे अब कोई उम्मीद करना निरर्थक है। इस दौर में जब संसद और संसदीय बहुमत वाला दल अपनी दलीय राजसत्ता का दास बन चुका हो, राजनैतिक दलों को संगठन अपने सत्ता का दास बना चुके हों, शीर्ष नौकरशाह, चुनाव आयोग जैसे केंद्रीय सत्ता के मानसिक गुलाम बन चुके हों, तब लोकतंत्र को बचाने की उम्मीद केवल जनमत से ही की जा सकती है। शायद कभी तो जनमत जागेगा और देश को बचाने के लिये अपने मत का प्रयोग करेगा। लोकतंत्र की प्रणाली, सत्ता और नौकरशाही की व्यवस्था होती है इच्छित नहीं, परंतु जनता और जनमत के लिये लोकतंत्र सबसे अच्छी व्यवस्था है और यह मुफीद भी है। देखें जनमत कब जगता है?

संविधान की झांकी का संदेश

नई दिल्ली में 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में संविधान की जबर्दस्त झांकी प्रदर्शित की गई। झांकी में बाबा साहेब डॉ. भीम राव आंबेडकर के संविधान सभा में कहे शब्द सुनाए गए। इस झांकी का राजनीतिक संदेश भी है, जिससे मोदी सरकार पर विपक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों की काट की जा सकती है कि सरकार संविधान का पालन नहीं कर रही। 26 जनवरी को पूरा भारत 76वें गणतंत्र दिवस के समारोहों से सराबोर है। राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में शामिल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य अतिथि इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो समेत तमाम गणमान्य हस्तियां और आम लोग मौजूद थे। सबके सब कर्तव्य पथ पर निकल रही भव्य झांकियों को निहार रहे थे। दर्शक दीर्घा में विपक्ष के कई नेता भी बैठे हैं। इन सबके बीच से संविधान की झांकी भी गुजरी तो लोग वाह-वाह कर बैठे। संविधान की झांकी भारत सरकार के लोक निर्माण विभाग ने निकाली थी। इस झांकी में अशोक चक्र के साथ समय का पहिया भी था जो गतिशीलता का द्योतक भी है। झांकी से बाबा साहेब डॉ. भीम राव आंबेडकर की आवाज सुनाई देती है। यह वह आवाज थी जो बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने 17 दिसंबर, 1946 को संविधान के लक्ष्य संबंधी प्रस्ताव पर बहस में हिस्सा लेते हुए कहा था। उस समय उन्होंने कहा था, 'जहां तक हमारे लक्ष्य का सम्बन्ध है, हममें से किसी को भी कोई आशंका नहीं होनी चाहिए, न कोई संदेह होना चाहिए। हमारी कठिनाई यह नहीं है कि हमारा भविष्य क्या होगा? हमारी कठिनाई तो यह है कि अपनी आज की इस विशाल, पर बेमेल आबादी को किस तरह इस बात पर तैयार करें कि वह मिल-जुलकर एक फैसला करें और ऐसा पथ प्रदर्शन करें कि हम सब एक हो जाएं। हमारी कठिनाई अंत को लेकर नहीं प्रारंभ को लेकर है। हमारा लक्ष्य क्या है, यह तो साफ है। पर परेशानी यह है कि काम शुरू कैसे करें।' जगजाहिर है कि भारत ने 26 जनवरी, 1950 को संविधान को अंगीकार किया था। तब से अब 75 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इसलिए कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस की झांकियों में एक संविधान की झांकी भी शामिल की गई। वैसे इसका दूसरा संदेश भी हो सकता है। राजनीतिक मायनों में यह झांकी विपक्ष के इस नैरेटिव की काट हो सकती है कि मोदी सरकार में संविधान का गला दबाया जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी (सपा) नेता अखिलेश यादव समेत पूरे विपक्ष ने मतदाताओं के बीच यह प्रचार किया था कि मोदी सरकार सत्ता में लौटी तो संविधान खत्म कर देगी, आरक्षण खत्म कर देगी। परिणाम देख कर अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि उस नैरेटिव ने चुनाव पर खासा असर डाला और बीजेपी बहुमत से काफी दूर हो गई। उस सिर्फ 240 सीटें मिलीं जबकि बहुमत के लिए कम-से-कम 272 सांसद चुनकर आने जरूरी हैं। हालांकि, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के साथियों के साथ बीजेपी की सरकार बन गई और नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने में कामयाब रहे। इसके बाद भी गाहे-बगाहे विपक्ष संविधान के खत्म होने की दुहाई देता रहता है। उसकी काट के लिए संविधान की झांकी ने विपक्ष का करारा जवाब दे दिया है।

मुफ्त की सुविधाओं से गण निष्क्रिय और तंत्र कमजोर होगा

नरेंद्र तिवारी

भारत दुनिया का मजबूत गणतंत्र है। अपनी जनतांत्रिक विशेषताओं के कारण दुनियाँ में भारत को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। इस मजबूती का कारण आज़ादी प्राप्त करने के लिए किए गए बलिदान, अंग्रेजी हुकूमत का भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों के विरुद्ध किया गया सख्त बर्ताव जिसने देश के नेताओं और भारतवासियों में राष्ट्रीय भावना का संचार किया। आजादी प्राप्त करने के बाद भी देश के नीति निर्माताओं की सोच के परिणाम गण भी सक्रिय रहा और तंत्र भी मजबूती के साथ काम करता रहा। आजाद मुल्क के नीति निर्माताओं ने अपनी ईमानदारी निष्ठा और नैतिक मूल्यों से राष्ट्रीय भावना का प्रचार प्रसार किया था। किंतु वर्तमान दौर में राजनीतिक दलों में चुनावी विजय हासिल करने के लिए मुफ्त की घोषणाएं करने की सनक सवार हो गई। राजनीतिक दलों को ऐसा लगने लगा है कि मुफ्त की सुविधाओं के बैगर चुनावी रण में सफलता नहीं प्राप्त की जा सकती है, अतएव वैचारिक राजनीति करने के बजाए दलों ने मुफ्त सुविधाएं देने की लोक लुभावनी राजनीति करने का प्रचलन बढ़ गया है। राजनीतिक दलों को यह ध्यान रखना चाहिए मुफ्त की सुविधाएं राष्ट्र के निर्माण में सहायक नहीं अपितु बाधक है। इन मुफ्त की सुविधाओं से जहां गण निषक्रिय और अकर्मण्य हो रहा है, वहीं तंत्र पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है वह कमजोर होता जा रहा है। राष्ट्रीय राजनीति में शामिल तमाम दलों को चाहिए कि वह ऐसी योजनाएं बनाए जो भारत की जनता को आत्मनिर्भर बनाएं, सरकार बैसाखियों के सहारे न जनता स्वाबलंबी बन पाएगी न ही देश आत्मनिर्भर बन सकेगा। किंतु देखा जा रहा है कि भारत में कार्यरत तमाम पार्टियां मुफ्त की सुविधाओं की बरसात करने में लगी है। आजकल राजनीतिक दलों के चुनावी घोषणा–पत्र किराना दुकानों पर लगी भावसूची के मानिंद नजर आतें है। जिसमें लिखा होता है महिला को इतनी राशि, किसानों को इतनी, युवाओं को इतनी याने यह शहरों में लगी महासेल जैसा दिखाई देता है, जो अपने आकर्षक एवं लुभावने विज्ञापनों से ग्राहकों को अपना उत्पाद खरीदने के लिए आकर्षित करता दिखाई देता हैं। मतदाताओं को लुभाने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा तैयार की गई भावसूची या लुभावने वायदे चुनावी पारदर्शिता की धज्जियां उड़ाते नजर आतें है। इन चुनावी घोषणा पत्रों में विचार शून्यता साफ नजर आती है। हरेक सियासी पार्टी चुनाव में विजय होना चाहती है। इस हेतु वह सभी प्रयोग करती है। यह जाने बगैर कि इन प्रयोगों का दूरगामी असर क्या होगा। अभी दिल्ली विधानसभा के चुनाव में राजनीतिक दलों ने मुफ्त वितरण की घोषणाओं का अंबार लगा दिया। दिल्ली में विधानसभा के चुनाव 5 फरवरी को होना है। इससे पूर्व दिल्ली प्रदेश की राजनीति में सक्रिय राजनीतिक दलों ने घोषणाओं का पिटारा खोल दिया है। दलों में घोषणाओं की प्रतिस्पर्धा साफ दिखाई दे रही है। मुफ्त की सुविधाओं की घोषणाओं का यह सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। मुफ़्त की इन रेवड़ियों का देश और जनता पर दूरगामी प्रभाव सकारात्मक नहीं होंगे यह जानते हुए भी राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियां सियासी लाभ के लिए एक से बढ़कर एक घोषणाएं कर रही है। विचार का बिंदु यह है कि क्या मुफ्त की इन घोषणाओं से देश, प्रदेश और जनता का भविष्य संवर रहा है?

बाबू जगत सिंह और उनका विद्रोह

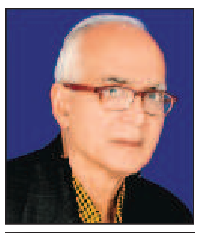

निरंकार सिंह

बाबू जगत सिंह देश के उन महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक हैं, जिन्हें 'सजा-ए-मौत' की सजा मिली थी। बाद में कलकत्ता काउंसिल ने इसे बदलकर उन्हें आजीवन देश निकाला की सजा दे दी। पर इससे भी बड़ी त्रासदी यह है कि उनकी भूमिका और योगदान के अनुरूप इतिहास में भी कभी उनको वास्तविक स्थान नहीं दिया गया। जहां एक ओर उन्हें न तो सारनाथ के पुरातात्विक स्थल की खोज के लिए कभी श्रेय दिया गया, वहीं दूसरी ओर इतिहास में उनका उल्लेख विद्रोह के शुरूआती सेनानियों में ही किया गया। उन्होंने अंग्रेजी शासन के खिलाफ सिर उठाने की हिम्मत की थी। वह भारत के शुरूआती उपनिवेश-विरोधी प्रतिरोधों में से एक प्रमुख रणनीतिकार के साथ ही महान कद के नेता थे। अंग्रेजी सत्ता और उपनिवेश का प्रतिरोध करने वाली भारतीय शक्तियों में बाबू जगत सिंह का नाम सबसे अनूठा है। खासकर बनारस क्षेत्र में विद्रोह का बिगुल फूंकने वाले लोगों में बाबू जगत सिंह का नाम सबसे ऊपर है। ईस्ट इंडिया कम्पनी के विरूद्ध उनका दुस्साहसी विरोध उनकी स्वतंत्र धारणाओं का एक बेमिसाल उदाहरण है। इतिहास के पन्नों में अंग्रेजों ने इस स्थल की खोज का अनुचित श्रेय लेने का प्रयास किया और बाबू जगत सिंह को जानबूझकर पूरे ढाँचे को नष्ट करने के लिए प्रचारित किया गया। संरचनाओं के पूर्ण ध्वंस के लिए अंग्रेज अधिकारी जिम्मेदार थे। इस प्रकार बाबू जगत सिंह इसके संरक्षक थे और अंग्रेज इसके विध्वंसक बहरहाल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बाबू जगत सिंह शोध समिति के अथक परिश्रम और देश के विभिन्न प्रदेशों से शैक्षणिक जगत के सम्मानित विभूतियां द्वारा लिखे गये पत्र के परिणाम स्वरूप भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, नई दिल्ली ने सारनाथ स्थित धर्मराजिका स्तूप शिलापट्ट से ब्रिटिश हुकूमत द्वारा उल्लिखित बाबू जगत सिंह ने संदर्भित गलत तथ्यों को संशोधित कर नया शिलापट्ट लगाया है। समिति के संरक्षक बाबू प्रदीप नारायण सिंह ने कहा कि यह शिलापट्ट बाबू जगत सिंह का ही नहीं वरन स्वतंत्रता संग्राम में शामिल सभी शहीदों का सम्मान है। काशी की जनता का सम्मान है। शोध समिति के सदस्य डॉ (मेजर) अरविन्द कुमार सिंह ने कहा-''यह शिलापट्ट उन शहीदों को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि है, जिनकी शहादतगुमनामियों के अंधेरों में आज भी गुम है। बाबू जगत सिंह ने कम्पनी के शासन के खिलाफ खड़े होने के लिए सभी जमींदारों का संयुक्त मोर्चा बनाया। वह कम्पनी जो स्थानीय लोगों के अधिकारों का उल्लंघन कर रही थी, उनकी परम्परागत शासन पद्धति में हस्तक्षेप कर रही थी और राष्ट्र के संसाधनों का अमानवीय और अन्धाधुन्ध शोषण कर रही थी। इसके खिलाफसशस्त्र संघर्ष को अंजाम देने के लिए 13 जनवरी 1799 की शाम तक 12,837 सैनिकों की भीड़ जुटाई गयी। ष्शायद इसकी भनक अंग्रेजों को लग गयी थी, वरना अंग्रेज कमांडर एर्स्किन के लिए माधव दास गार्डन पर हमला करना आसान नहीं था, जो अन्ततः पूरे ऑपरेशन में 'सुनियोजित गोलीबारी' का सामना करके एक लम्बी और निरन्तर लड़ाई के बाद ही प्राप्त किया जा सकता था। बार-बार उसे सैनिकों के संगठित दलों के हमलों से निपटना पड़ा। कई मौकों पर वे बहुत करीब से भी टकराये जिससे उसे चार-6 पाउंडर्स और 4 टमब्रिल की आग की आड़ में धीमे परन्तु स्थिर तरीके से बढ़ना और काफी राउंड चलाने और गोले फेंकने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह सब उन लोगों की बहादुरी और साहस को दर्शाता है जो अपनी जान की परवाह किये बिना वहाँ लड़ रहे थे। गोला-बारूद और तोपखाने के कारण अंग्रेज भाग्यशाली रहे और बाबू जगत सिंह और वजीर अली की ओर से तोपखाने की अनुपस्थिति उनकी हार का कारण बनी। प्रतिरोध की विफलता का एक अन्य महत्वपूर्ण कारण इसका त्वरित दमन था जो बनारस के आसपास के क्षेत्र में तैनात तोपखाने और भारी गोला-बारूद से लैस एक बड़ी सेना की उपस्थिति के कारण संभव था। विद्रोहियों की ओर से भी उनकी प्रगति में बाधा डालने का ध्यान रखा गया था, लेकिन इस काम के लिए नियुक्त किये गये लोग मौके पर अनुपस्थित रहे। उन्होंने अपना काम नहीं किया और अंग्रेजी फौज को कहीं भी आसानी से जाने की सुविधा मिल सकी। विशेष रूप से माधव दास बाग के रास्ते में और इसके ठीक सामने उन्हें गोलीबारी की ताकत और विरोधियों की दृढ़ता का स्वाद चखना पड़ा। अगर यह सेना वहाँ तैनात नहीं होती, तो इस बात की पूरी संभावना थी कि अंग्रेजों के लिए प्रतिरोध के प्रसार को और अधिक खतरनाक स्तर तक रोकना मुश्किल हो जाता। बहरहाल बाबू जगत सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा बहादुर सिंह, गजराज सिंह, बीजक सिंह प्रथम, रामदयाल, शिवशरण सिंह, लाल सिंह, शिवदेव सिंह, मिर्जा अली, इमाम अली, मिर्जा बेग, हफीजुल्लाह, खैरउद्दीन बेग, मुराद चैन को भी गिरफ्तार करके उन पर विभिन्न आरोपों का लगातार मुकदमा चलाया गया और सजा दी गयी।

बाबू जगत सिंह को इस विद्रोह के लिए गिरफ्तार करके बनारस की विशेष अदालत में मुकदमा चलाया गया। अदालत ने उन्हें 'सजा-ए-मौत' की सजा दी। लेकिन निजाम अदालत ने इस सजा को बदलकर उन्हें आजीवन देश निकाला की सजा दी और इसकी पुष्टि के लिए काउंसिल के उपाध्यक्ष को भेज दिया। कलकत्ता काउंसिल ने इसकी पुष्टि करते हुए बनारस की अदालत को जगत सिंह को कलकत्ता भेजने को आदेश दिया। कलकत्ता में उन्हें 31 अगस्त 1799 को टाउन मेजर द्वारा फोर्ट विलियम में कैद पर लिया गया। 18 अक्टूब 1799 न्यायिक विभाग के गवर्नर जनरल काउंसिल ने जगत सिंह को सेंट हेलेना द्वीप पर भेजने का आदेश दिया। इसके लिए जहाज ओस्टरली की व्यवस्था की गयी। सेंट हेलेना बनारस से 10,500 किमी. 7164 नटिकल मील से अधिक दूरी पर एक छोटा सा द्वीप है। यह द्वीप इतिहास में नेपोलियन की कैद के लिए जाना जाता है जिसे 1815 में हार के बाद भेजा गया था। अंग्रेजों को बाबू जगत सिंह से इतना खतरा अनुभव हुआ कि उन्हें भारत के किसी हिस्से में कैद रखना सुरक्षित नहीं लगा। 20 अक्टूबर 1799 को सेंट हेलेना में हिरासन में जीवन की अपनी अंतिम यात्रा के लिए ओस्टरली पर सवार होने के लिए हुगली नदी से जाते समय उन्होंने जहर खा लिया और चल बसे। ऐसा दावा डेविस ने किया था। पर वास्तविकता यह बतायी जाती है कि विदेश की जगह उन्होंने अपने देश की भूमि पर ही देह त्यागने के संकल्प के साथ हुगली नदी में जल समाधि ले ली क्योंकि हिरासत में जहर मिलना संभव नहीं था।

हिंदी की गूंज, अंग्रेजी का तंज

डॉ. सुरेश मिश्रा

एक बार की बात है, किसी राज्य में एक अनोखा सरकारी आदेश जारी हुआ। आदेश का स्वर था, "हमारी मातृभाषा हिंदी को प्राथमिकता दी जाए!" जैसे ही यह आदेश सुनाई दिया, सरकारी दफ्तरों में एक अजीब सी हलचल मच गई। अधिकारी, जो अपने औपचारिक वार्तालाप के लिए अंग्रेजी पर निर्भर थे, एक-दूसरे को घूरने लगे। "क्या? हिंदी में काम करना पड़ेगा? अरे यार, ये तो मजाक हो गया!" एक अधिकारी ने अपनी कुर्सी पर बैठकर कहा। किसी ने कहा, "सुनिए, अगर हम हिंदी में बात करने लगे तो हमारे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स का क्या होगा? मैंने सुना है कि हमारे मंत्री महोदय को हिंदी में बात करने में बहुत परेशानी होती है। पिछले महीने उन्होंने एक मीटिंग में 'नमस्ते' कहा था और सब हंस पड़े थे। यह तो बहुत हास्यास्पद था।" इसी बीच, एक काबिल अफसर ने अपनी आंखों में गंभीरता लाते हुए कहा, "भाई, एक बात समझ लो। अगर हम सब हिंदी में बात करने लगे, तो ये अंग्रेजी का खेल खत्म हो जाएगा। फिर क्या होगा? हमें तो फिर से शब्दकोश का सहारा लेना पड़ेगा। क्या तुमने कभी शब्दकोश देखा है? वो तो मुझसे ज्यादा लंबा और मोटा है!" इसी चर्चा में, एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया। "हम तो पिछले कई सालों से हिंदी का त्याग कर चुके हैं। अब हमें यह सलाह दी जा रही है कि हम फिर से हिंदी सीखें? अरे, यह तो बेवकूफी है! क्या हम सर्कस के जोकर हैं जो हर बार नई बातें सीखते रहें?" फिर आया एक और आदेश—"सभी सरकारी पत्राचार हिंदी में होगा।" यह सुनकर तो दफ्तरों में जैसे भूचाल आ गया। सभी ने अपने-अपने कंप्यूटर खोले और हिंदी टाइपिंग की कसरत करने लगे। पहले तो सबने अपने-अपने स्मार्टफोन में "हिंदी टाइपिंग कैसे करें" का वीडियो खोलकर देखने लगे। एक अफसर ने तो कहा, "अगर ऐसा चलता रहा तो मुझे अपनी डिग्री को रद्द करवाना पड़ेगा। मैंने तो सिर्फ अंग्रेजी में टाइपिंग सीखी है। अब हिंदी में टाइपिंग करने पर मेरी नौकरी खतरे में पड़ जाएगी!" फिर सबने एकत्रित होकर एक नई तकनीक विकसित की—"हिंदी को अंग्रेजी में बोलने का नया तरीका।" इस नए तरीके में सब कुछ पहले की तरह ही रहता था, बस शब्दों को थोड़ी सी हिंदी में घुमाकर बोलना पड़ता था। जैसे कि "हमारी योजना है" को बोले "हमारी प्लानिंग है।" अब ये "प्लानिंग" क्या है, कोई नहीं जानता, पर सबको ये शब्द बोलने में बड़ी खुशी मिलती थी। किसी ने मजाक में कहा, "अगर हम सच में हिंदी बोलना शुरू कर देंगे तो हमारी बुद्धि का क्या होगा? क्या हम सब 'गवाली' बन जाएंगे?" सबने हंसते-हंसते स्वीकार किया कि यह सच है। ऐसा भी क्या होगा कि सबको हिंदी बोलनी पड़े और फिर भी उन्हें अपने अधिकारों का पता न चले? इस बीच, एक संवेदनशील अधिकारी ने सुझाव दिया, "हमें एक आंदोलन शुरू करना चाहिए।

भारत एक भौगोलिक इकाई भर नहीं, बल्कि एक समृद्ध राष्ट्र है

संदीप सृजन

देश और राष्ट्र शब्द को हम प्रायः एक ही शब्द के पर्यायवाची के रूप में उपयोग करते है और दोनों को एक ही मानते है लेकिन दोनों के मायने अलग अलग है। हम भारतीयों के साथ समस्या यह हो गयी है कि हमारे सारे शब्द, सारी चर्चाएं पश्चिमी चश्मे से गढ़ी और मानक बनायी गयी हैं। इसी वजह से शब्दों का घालमेल कई बार भ्रम पैदा करता है। राष्ट्र और देश में मिलावट का भी यही कारण है। हमें यह समझना होगा कि देश एक भौगोलिक इकाई है और राष्ट्र एक सांस्कृतिक इकाई है। देश शब्द के मूल में 'दिश' धातु है, उसी से देशांतर और देश बने हैं। यह भौगोलिक सीमाओं से आबद्ध है, यानी कहें तो देश शब्द संकुचित है, राष्ट्र शब्द व्यापक। राष्ट्र विभिन्न साधनों से संयुक्त और समृद्ध सांस्कृतिक पहचान वाला 'देश' है। यह एक जीवंत और सार्वभौमिक इकाई है, विविधताओं से युक्त अद्भुत शक्ति से सम्पन्न भूखंड या कहें जीवन-दर्शन का द्योतक है। देश सीधे तौर पर रेखाओं में बांधता है। इसीलिए, हम जब 'भारत' को एक राष्ट्र के तौर पर संबोधित करते हैं, तो उसकी व्यंजना बिल्कुल अलग होती है और जब हम भारत को 'देश' के तौर पर अंगीकार करते हैं तो उसकी व्यंजना बिल्कुल अलग होती है। राष्ट्र शब्द को अगर बहुत मोटे शब्दों में समझे तो कह सकते है एक निश्चित भौगोलिक सीमा के भीतर रहने वाले एक जन-समूह को ही तो हम राष्ट्र कहते हैं जिनकी एक पहचान होती है और वह समूह आम तौर पर धर्म, इतिहास, नैतिक आचारों या विचारों, मूल्यों आदि में एक समान दृढ़ता रखता है। इसे और भी साफ करना चाहें तो राष्ट्र लोगों का वैसा स्थायी समुच्चय या समूह है जिनके बीच सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक-धार्मिक संबंध न केवल होते हैं, बल्कि वे उनको एकजुट भी करते हैं। राष्ट्र के तौर पर हमारी भावना एक हो, हम एक राष्ट्रवादी विचारधारा से पनपें, इसके लिए महज दो-तीन शर्तें हैं। हमें एक ऐतिहासिक समुदाय के रूप में राष्ट्रीय चेतना को जगाना होता है, राजनीतिक और आर्थिक संप्रभुता प्राप्त करना होती है, अपनी साझा संस्कृति का विकास करना होता है और नकार की जगह सकार को अपनाना, सकारात्मक भावनाओं का विकास करना होता है। जिस तरह बिना अदहन के भात नहीं बन सकता, उसी तरह राष्ट्रवादी विचारधारा के सम्यक विकास के बिना अंतरराष्ट्रीयतावाद भी नहीं आ सकता है।ब्रिटिश साम्राज्यवाद से संघर्ष में भी भारतीय राष्ट्रीयता का यही विकास हम देखते हैं, जो भाषा, धर्म और क्षेत्र के बंधनों से निकलकर एक मंच पर आ खड़ी हुई। ब्रिटिश साम्राज्यवाद द्वारा दिया गया शब्द 'नेशन-स्टेट' दरअसल, कानून के डर में निहित शक्ति का नाम है जबकि राष्ट्र का मूल आधार लोगों की भावना है, यह लोगों की मानसिकता से बनता है, राष्ट्र भूखंड भी होता है, लेकिन यह भूखंड मात्र नहीं होता, राष्ट्र मतलब उसके नागरिक, उसके लोग होते हैं। शायद अंग्रेज इसीलिए कई बार 'नेशन यानी देश' के लिए 'पीपल यानी लोग' शब्द का भी इस्तेमाल कर जाते हैं। राष्ट्र के संबंध में यह सोचना लाजिमी है कि राष्ट्र किन लोगों का? तो इसकी तीन मोटी शर्तें हैं, एक तो जिस देश में रहें, उसके प्रति उन लोगों की भावना। दूसरे, इतिहास में घटित भावनाओं के संबंध में भावनात्मक समानता, चाहे वे नकारात्मक हों या सकारात्मक, और तीसरी और सबसे अधिक जरूरी शर्त यह है कि वे लोग समान संस्कृति वाले हों। राष्ट्र जाहिर तौर पर केवल भूखंड मात्र नहीं, वह जीवंत लोगों का समुच्चय है, राष्ट्र केवल दंड-भय से या ज़बर्दस्ती किसी के ऊपर आरोपित नहीं किया जा सकता, लेकिन राष्ट्र को भारतीय संदर्भों में अगर आप 'नेशन-स्टेट' के चश्मे से देखेंगे, तो भारी गफलत में पड़ेंगे। यह वैसी ही गफलत होगी, जो कालिदास को पूरब का शेक्सपियर कहती है और समुद्रगुप्त को भारत का नेपोलियन। यह और कुछ नहीं, हमारे उपनिवेशवाद के नशे का परिणाम मात्र होगा। भारत में संदर्भों को उसी के अनुरूप लेना होगा, तभी शायद समुचित व्याख्या हो सकेगी। भारत में इतिहास-लेखन भी इसीलिए मिथक और तथ्य की सीमा-रेखा के बीच झूलने लगता है कि यहां यूरोपीय और अरबी इतिहासकारों की तरह तिथिवार (क्रोनोलॉजिकल) लिखने में लोगों की दिलचस्पी नहीं रही। यहां इतिहास या संस्कृति में जब कोई बड़ा झटका लगा, तभी उसके परिवर्तन की बात भी दर्ज हुई, जाहिर तौर पर टाइम यहां अंग्रेजी का समय न रहकर 'काल' के अर्थ में है, जिसका क्षण-क्षण परिवर्तन नहीं होता और शायद इसीलिए हमारा इतिहास भी तथ्य, मिथक और कपोल-कल्पना तक की यात्रा कर जाता है और हमे अपने इतिहास और परम्पराओं तक को गल्प बताने को प्रेरित करता है।

कृष्ण के बेटे की विचित्र शादियां

पहले पालने वाली, फिर मामा की बेटी, तीसरी...

प्रद्युम्न का जन्म के 10 दिन बाद ही अपहरण कर लिया गया उन्हें जिसने गोद में पाला, वही करने लगी प्रेमिका की तरह प्यार

मामा की लड़की से स्वयंवर में विवाह रचाया

भगवान कृष्ण के बेटे प्रद्युम्न की कहानी तो बहुत विचित्र है। खासकर उनकी शादियां। कृष्ण के इस बेटे की तीनों शादियों के बारे में जिसने सुना, वही दंग रह गया। खासकर जब पहली शादी उन्होंने उसी विवाहिता से कर ली, जिसने बचपन से पालने में उन्हें पाला था। और केवल यही नहीं, शादी करने के लिए उन्होंने उस विवाहिता के राक्षस पति की हत्या भी कर दी। उनकी बाकी दो शादियां भी कुछ कम अनोखी नहीं थीं।

प्रद्युम्न कामदेव के अवतार माने जाते हैं। वह भगवान श्रीकृष्ण की प्रमुख पत्नी रुक्मिणी के बेटे थे। कामदेव को जब भगवान शंकर ने भस्म कर दिया, तब उसकी पत्नी रति भगवान शिव के पास जाकर रोने लगी। तब भगवान शिव को उस पर दया आई। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के बेटे के रूप में कामदेव का फिर से जन्म होगा।

तब रति इंतजार करने लगी

हालांकि इसे होने में बहुत लंबा समय लगने वाला था लेकिन रति इंतजार करने लगी। उसका अगला जन्म हुआ। वह राक्षसों के घर में पैदा हुई। उसे मायावती का नाम दिया गया। जब वह बड़ी हुई तो उसकी शादी शंबरासुर नाम के राक्षस से हो गई। हालांकि वह उसको बहुत परेशान करता था।

भागवत पुराण और कथासरित्सागर में लिखा है कि शिव की सलाह पर रति असुर शंबारसुर की रसोई में प्रमुख दासी मायावती का रूप धारण करती है। वह पाककला अद्वितीय तौर पर निपुण है। वह शंबारसुर के घर पर ही अपने पति के आने का इंतजार करती है। विष्णु पुराण और हरिवंश में रति के पुनर्जन्म को मायादेवी कहा जाता है। उसे असुर शंबारसुर की दासी के बजाय उसकी पत्नी बताया गया है।

कृष्ण के बेटे का अपहरण और समुद्र में फेंका

अब रुक्मणी से जब कृष्ण का जन्म हुआ तो शंबरासुर ने इस नवजात बच्चे का अपहरण करके उसे समुद्र में फेंक दिया, क्योंकि उसे पता चला कि कृष्ण की पहली संतान के हाथों उसकी मृत्यु होगी। भागवत पुराण के अनुसार,

फिर मछली के पेट से निकला वो

प्रद्युम्न को एक बड़ी मछली ने निगल लिया। फिर जब वह मछुआरों के हाथ लगी तो उन्होंने उसे शंबरासुर को भेंट कर दी। वह उसकी रसोई में पकने के लिए पहुंची। वहां पाककला में निपुण मायावती के सामने जब मछली काटने के लिए चीरा लगाया गया तो उसमें एक सुंदर जीवित बालक निकला। हालांकि कई जगह ये भी कहा गया है कि मायावती केवल शंबरासुर की रसोई की प्रमुख थी, उसके अधीन काम करती थी।

मायावती ने उसे बचपन से पालापोसा

मायावती उस अद्वितीय बालक को देखकर मुग्ध हो गई। तब नारद ने आकर मायावती को प्रद्युम्न के जन्म के रहस्य से परिचित कराया। सावधानी से पालन करने को कहा। जब प्रद्युम्न युवा हो गये तो महसूस किया कि मायावती ने उसे पाला जरूर लेकिन पत्नी की तरह व्यवहार करती है। उनसे किसी प्रेमिका की तरह प्यार करती है।

तब मायावती ने बताई सच्चाई

तब कारण पूछने पर उन्हें सच्चाई का पता लगा। मायावती यानि रति ने प्रद्युम्न से कहा कि दुष्ट शंबरासुर मारकर मुझे अपने साथ ले चलिए। नारद ये रहस्य उन्हें बताते हुए बताया प्रद्युम्न पूर्वजन्म में काम देवता थे और उनके साथ स्त्री पूर्वजन्म की उनकी पत्नी रति। इस तरह रति से प्रद्युम्न की पहली शादी हुई।

मामा की बेटी से कैसे हुआ विवाह

इसके बाद प्रद्युम्न ने अपने मामा रुक्मी की बेटी रुक्मवती से भी विवाह किया। ऐसा कहा जाता है कि राजकुमारी रुक्मवती ने उनकी वीरता, सुंदरता और आकर्षण को शब्दों से परे पाया। अपने स्वयंवर में उनसे शादी करने पर जोर दिया। उनकी तीसरी शादी भी विचित्र ही थी। प्रभावती एक असुर राजकुमारी थी जिसे प्रद्युम्न से प्यार हो गया और दोनों ने भागकर शादी की।

विष्णु पुराण का अध्याय 91-95 कहता है कि प्रद्युम्न और प्रभावती के राक्षस पिता वज्रनाभ के बीच भयंकर युद्ध हुआ। वज्रनाभ की वीरता और ताकत से देवता भी डरते थे। प्रद्युम्न और वज्रनाभ के बीच भयंकर युद्ध हुआ। जिसे महायुद्ध कहा गया, इसमें प्रद्युम्न ने वज्रनाभ को मार डाला। इसके बाद प्रद्युम्न और प्रभावती का विवाह हुआ।

महाभारत के बड़े योद्धा

वैसे प्रद्युम्न शक्तिशाली महारथी योद्धा थे। महाभारत के युद्ध और द्वारका की रक्षा में उनकी खास भूमिका थी। बाद में प्रद्युम्न को यादव वंश के अन्य सदस्यों के साथ नशे में झगड़े में मार दिया गया।

कौन थी रति, जिन पर देवताओं का ईमान भी डोला

रति पौराणिक धर्म ग्रंथों में दक्ष प्रजापति की पुत्री और कामदेव की पत्नी कही गईं। रति संसार की सबसे रूपवती सुन्दर स्त्री मानी गईं। उन्हें देखकर देवताओं का मन डोल गया, इसी से उनका नाम 'रति' पड़ा। 'शतपथ ब्राह्मण' में उन्हें गंधर्व कन्या बताया गया है।

फरवरी में करना है गृह प्रवेश या खरीदनी है नई गाड़ी तो देखें शुभ मुहूर्त और तारीख

गृह प्रवेश मुहूर्त फरवरी 2025। अंग्रेजी कैलेंडर का दूसरा माह फरवरी का प्रारंभ 1 तारीख दिन रविवार से होगा। 14 जनवरी से खरमास का समापन हो गया है, इस वजह से मांगलिक कार्य प्रारंभ हो गए है। फरवरी में गृह प्रवेश या नए वाहन की खरीदारी के मुहूर्त भी प्राप्त हो रहे हैं। यदि आपको फरवरी में अपने नए घर में गृह प्रवेश की पूजा करानी है या फिर अपने लिए कोई नई गाड़ी खरीदना चाहते हैं तो आपको फरवरी के शुभ मुहूर्त के बारे में जानना होगा। ज्योतिषाचार्य से जानते हैं कि फरवरी में गृह प्रवेश और वाहन खरीद के शुभ मुहूर्त कौन-कौन से हैं?

फरवरी 2025 में गृह प्रवेश के लिए 6 शुभ मुहूर्त प्राप्त हो रहे हैं, उसमें भी 4 दिन ही पूरे समय तक शुभ मुहूर्त है। फरवरी में वाहन खरीदने के लिए कुल 9 शुभ मुहूर्त प्राप्त हो रहे हैं। आपके लिए गृह प्रवेश और वाहन खरीद के लिए कौन सा मुहूर्त अच्छा रहेगा, जानने के निए नीचे कैलेंडर देख सकते हैं।

गृह प्रवेश मुहूर्त फरवरी

6 फरवरी, बृहस्पतिवारः गृह प्रवेश मुहूर्तः 10:53 पी एम से अगले दिन 07:06 ए एम तक
नक्षत्रः रोहिणी, तिथिः दशमी

गुप्त नवरात्रि में कर्क, कन्या, कुंभ वाले करें सप्तशती पाठ, आप भी जानें उपाय

7 फरवरी, शुक्रवारः गृह प्रवेश मुहूर्तः 07:06 ए एम से अगले दिन 07:05 ए एम तक
नक्षत्रः रोहिणी, मृगशिरा, तिथिः दशमी, एकादशी

8 फरवरी, शनिवारः गृह प्रवेश मुहूर्तः 07:05 ए एम से शाम 06:07 पी एम तक
नक्षत्रः मृगशिरा, तिथिः एकादशी

14 फरवरी, शुक्रवारः गृह प्रवेश मुहूर्तः रात 11:09 पी एम से अगले दिन सुबह 06:59 ए एम
नक्षत्रः उत्तराफाल्गुनी, तिथिः तृतीया

15 फरवरी, शनिवारः गृह प्रवेश मुहूर्तः सुबह 06:59 ए एम से रात 11:52 पी एम तक
नक्षत्रः उत्तराफाल्गुनी, तिथिः तृतीया

17 फरवरी, सोमवारः गृह प्रवेश मुहूर्तः सुबह 06:58 ए एम से अगले दिन 04:53 ए एम तक
नक्षत्रः चित्रा, तिथिः पंचमी

वाहन खरीदने का मुहूर्त फरवरी 2025

3 फरवरी, सोमवारः वाहन खरीद मुहूर्तः 07:08 ए एम से 11:16 पी एम तक
नक्षत्रः रेवती, तिथिः षष्ठी

7 फरवरी, शुक्रवारः वाहन खरीद मुहूर्तः 07:06 ए एम से अगले दिन 07:05 ए एम तक
नक्षत्रः रोहिणी, मृगशिरा, तिथिः दशमी, एकादशी

9 फरवरी, रविवारः वाहन खरीद मुहूर्तः 07:25 पी एम से अगले दिन 07:03 ए एम तक
नक्षत्रः पुनर्वसु, तिथिः त्रयोदशी

10 फरवरी, सोमवारः वाहन खरीद मुहूर्तः 07:03 ए एम से 06:57 पी एम तक
नक्षत्रः पुनर्वसु, तिथिः त्रयोदशी

17 फरवरी, सोमवारः वाहन खरीद मुहूर्तः 06:58 ए एम से अगले दिन 06:57 ए एम तक
नक्षत्रः चित्रा, तिथिः पंचमी, षष्ठी

19 फरवरी, बुधवारः वाहन खरीद मुहूर्तः 06:56 ए एम से 07:32 ए एम तक
नक्षत्रः स्वाति, तिथिः सप्तमी, षष्ठी

20 फरवरी, बृहस्पतिवारः वाहन खरीद मुहूर्तः 01:30 पी एम से अगले दिन 06:54 ए एम तक
नक्षत्रः अनुराधा, तिथिः अष्टमी

21 फरवरी, शुक्रवारः वाहन खरीद मुहूर्तः 06:54 ए एम से 11:57 ए एम तक
नक्षत्रः अनुराधा, तिथिः अष्टमी

26 फरवरी, बुधवारः वाहन खरीद मुहूर्तः 06:49 ए एम से 11:08 ए एम तक
नक्षत्रः श्रवण, तिथिः त्रयोदशी

4 फरवरी से बुलंद होगा 5 राशियों की किस्मत का सितारा, कम मेहनत में मिलेगी बड़ी सफलता!

नवपंचम योग उन शुभ योगों में से एक है, जो वैदिक ज्योतिष में ग्रहों की स्थिति के दृष्टिकोण से बेहद शुभ और विशेष फलदायी माने गए हैं। मंगलवार 4 फरवरी, 2025 को ग्रहों के राजकुमार बुध और देवगुरु बृहस्पति 3 बजकर 19 मिनट से नवपंचम योग का निर्माण करेंगे।

बुध और गुरु के नवपंचम योग का ज्योतिष महत्व

बुध और गुरु जब पंचम और नवम भाव में स्थित होकर नवपंचम योग बनाते हैं, तो यह योग बहुत शुभ माना गया है। बुध और गुरु दोनों ग्रह ज्ञान, बुद्धि और भाग्य के कारक होते हैं, इसलिए इस योग का प्रभाव जातक के जीवन पर काफी गहरा होता है। यह योग न केवल व्यक्ति के जीवन में उन्नति और प्रगति लाता है, बल्कि व्यक्ति को भाग्य का पूर्ण सहयोग भी प्राप्त होता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, यह योग जीवन को समृद्ध और सफल बनाने की क्षमता रखता है। जब इस योग के दौरान जातक व्यक्ति सही दिशा में कार्य करता है, तो बहुत कम मेहनत में बड़ी-बड़ी सफलताएं हासिल होती हैं।

बुध-गुरु नवपंचम योग का राशियों पर असर

ग्रहों की स्थिति के अनुसार, बुध ग्रह नवम भाव और गुरु ग्रह पंचम भाव में विराजमान होंगे। ये दोनों ग्रह वैदिक ज्योतिष के बेहद शुभ ग्रह हैं और इनके इस योग व्यक्ति को धन अर्जित करने के नए-नए स्रोत मिलते हैं। इससे जातक को भाग्य का प्रबल सहयोग मिलता है और वह कठिन परिस्थितियों में भी सफल होता है। आइए जानते हैं इस योग का उन 5 राशियों पर प्रभाव, जिनकी किस्मत का सितारा बुलंद होगा और जिन्हें कम मेहनत में बड़ी सफलताएं मिलेंगी।

मेष राशि

बुध-गुरु नवपंचम योग मेष राशि के जातकों के लिए करियर और आर्थिक मामलों में बड़ी सफलता लाएगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत का पूरा फल मिलेगा और प्रमोशन या वेतन वृद्धि के योग बनेंगे। निवेश करने के लिए यह समय अनुकूल है। धन की वृद्धि होगी और पहले के किए गए निवेश से अच्छा रिटर्न मिलेगा। जो छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उनके लिए यह योग बड़ी सफलता लेकर आएगा। उच्च शिक्षा में दाखिले के लिए यह समय शुभ रहेगा, खासकर यदि आप विदेश में पढ़ाई करने की योजना बना रहे हैं। व्यापारी वर्ग को लाभदायक सौदे मिलेंगे।

सिंह राशि

सिंह राशि के जातकों के लिए बुध-गुरु का यह योग आर्थिक समृद्धि और समाज में मान-सम्मान में वृद्धि करेगा। रचनात्मक और सृजनात्मक कार्यों में आपको पहचान मिलेगी। समाज में आपका प्रभाव बढ़ेगा और लोग आपकी सलाह को महत्व देंगे। शिक्षा के क्षेत्र में जुड़े जातकों को पुरस्कार और सराहना मिलेगी। शोध, लेखन और कला के क्षेत्र में आप नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं। शेयर बाजार, रियल एस्टेट और लंबी अवधि के निवेश में बड़े लाभ होने की संभावना है। धन की बचत बढ़ेगी और फिजूलखर्ची कम होगी। नया व्यापार शुरू करने के लिए समय अनुकूल है। विदेश से जुड़े प्रोजेक्ट्स में सफलता मिलेगी।

कन्या राशि

कन्या राशि के जातकों के लिए यह योग करियर और आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा। पुरानी परेशानियां खत्म होंगी और मेहनत का पूरा फल मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां मिलेंगी, जो उनके करियर के लिए फायदेमंद होंगी। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। तनाव कम होगा और ऊर्जा का स्तर बढ़ेगा। फिटनेस और डाइट को लेकर नई शुरुआत करने का समय है। व्यापार में नए प्रोजेक्ट्स शुरू करने का यह समय शुभ रहेगा। साझेदारों के साथ बेहतर तालमेल रहेगा।

धनु राशि

धनु राशि के जातकों के लिए यह योग भाग्य को प्रबल बनाएगा। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। नई योजनाएं बनाने और जीवन में महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए यह समय अनुकूल है। अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। नौकरी में पदोन्नति होगी और व्यापारियों को बड़े ऑर्डर मिलने की संभावना है। व्यापार में साझेदारी से बड़ा मुनाफा हो सकता है। नई योजनाओं और प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू करने का समय है। उच्च शिक्षा और शोध में सफलता मिलेगी। विदेश यात्रा के अवसर प्राप्त हो सकते हैं, खासकर यदि यह शिक्षा या करियर से संबंधित हो।

मीन राशि

मीन राशि के जातकों के लिए यह योग करियर, धन और व्यक्तिगत जीवन में उन्नति लाएगा। इनकम बढ़ेगी और आपकी आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत होगी। पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी और पुराने विवाद खत्म होंगे। व्यापार में विदेशी संपर्कों से लाभ मिलेगा। बड़े निवेश से लाभ होगा और खर्चों में कमी आएगी। नौकरीपेशा लोगों को नया अवसर मिलेगा। छात्रों को परीक्षा में अच्छे परिणाम मिलेंगे और उच्च शिक्षा में सफलता मिलेगी। व्यापार में साझेदारी के नए प्रस्ताव आ सकते हैं। तकनीकी क्षेत्र और रचनात्मक उद्योगों में काम कर रहे जातकों को विशेष लाभ मिलेगा।

दुनिया का इकलौता मंदिर जहां कान्हा के साथ मीरा है विराजमान...

हिमाचल प्रदेश के नूरपुर के प्राचीन किला मैदान में स्थित भगवान श्री बृजराज स्वामी जी का मंदिर क्षेत्रवासियों की प्रमुख आस्था का केंद्र है। यह विश्व का एकमात्र ऐसा मंदिर है, जहां भगवान श्री कृष्ण के साथ राधा रानी नहीं बल्कि मीरा बाई की मूर्ति स्थापित है। इसलिए इस मंदिर की प्रसिद्धि विश्व प्रसिद्ध है।यह दोनों प्रतिमाएं ऐसी लगती हैं मानों आपके सामने साक्षात भगवान श्री कृष्ण व मीरा बाई खड़े हों। प्रेम व आस्था के संगम के प्रतीक इस मंदिर का नूर जन्माष्टमी को छलक उठता है। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर इस ऐतिहासिक मंदिर में रौनक देखते ही बनती है, जहां दूर-दूर से हजारों की संख्या में लोग मंदिर में शीश नवाते हैं।

बजराज स्वामी मंदिर की कहानी

इस मंदिर के इतिहास के साथ एक रोचक कथा जुड़ी हुई है। यह उस समय की बात है (1629 से 1623 ई.) जब नूरपुर के राजा जगत सिंह अपने राज पुरोहित के साथ चितौडग़ढ के राजा के निमंत्रण पर वहां गए। राजा जगत सिंह व उनके पुरोहित को रात्रि विश्राम के लिए जो महल दिया, उसके बगल में एक मंदिर था। जहां रात के समय राजा को उस मंदिर से घुंघरूओं तथा संगीत की आवाजें सुनाई दी। राजा ने जब मंदिर में बाहर से झांक कर देखा तो एक औरत कमरे में श्रीकृष्ण की मूर्ति के सामने भजन गाते हुए नाच रही थी।राजा ने सारी बात राज पुरोहित को सुनाई। पुरोहित ने भी वापसी पर राजा (चितौडग़ढ़) से इन मूर्तियों को उपहार स्वरूप मांग लेने का सुझाव दिया, क्योंकि श्री कृष्ण व मीरा की यह मूर्तियां साक्षात हैं। जगत सिंह ने पुरोहित बताए अनुसार वैसा ही किया। चितौडग़ढ़ के राजा ने भी खुशी-खुशी वे मूर्तियां व मौलश्री का पेड़ राजा जगत सिंह को उपहार स्वरूप दे दिया।

नूरपुर के राजा ने करवाई थी मूर्तियों की स्थापना

मंदिर के पंडित ने बताया कि नूरपुर के राजा ने अपने दरबार-ए-खास को मंदिर का रूप देकर इन मूर्तियों को वहां पर स्थापित कर दिया। राजस्थानी शैली की काले संगमरमर से बनी श्रीकृष्ण व अष्टधातु से बनी मीरा की मूर्ति आज भी नूरपुर के इस ऐतिहासिक श्री बृजराज स्वामी मंदिर में शोभायमान है। मंदिर की भित्तिकाओं पर कृष्ण लीलाओं का चित्रण दर्शनीय है। इस स्थान पर हर साल जन्माष्टमी का उत्सव हर साल बढ़ी धूम-धाम से मनाया जाता है।

अनमोल वचन

आज का समय फ़ालतू की बातों में ना गवाये कल के लिए बेहतर प्रयास करे ।

परिश्रम से ही जीवन में आगे बढ़ा जा सकता है बिना परिश्रम के आज जैसी ही स्थिति रहेगी ।

हार के डर से पीछे ना हटे अगर लड़े नहीं तो फिर आपकी हार तो निश्चित है ।

सम्मान पाना है तो सम्मान करना भी सीखे तब ही आपको भी सामने वाला सम्मान देगा ।

प्रेम करना है तो अपने कार्य से करे क्योकि वक्त आने पर ये आपको कभी धोका नहीं देगा ।

किसी इंसान के प्रति हीन भावना ना रखे क्योकि आज उसकी कुछ मजबूरियाँ हो सकती है ।

एक बार कार्य कर के देखो शुरू में भले आलस आती हो पर जब करने लगोगे तो सब सही हो जाएगा ।

जिसकी जैसी नियत होती है ऊपर वाला फल भी उसे ऐसा ही देता है इसलिए नियत हमेशा साफ़ रखे ।

परीक्षाएँ जीवन में कई सारी आएगी पर जो उनसे डरा नहीं और हर परीक्षा में सफल होता है वही जीतता है ।

सेवा करने में कभी पीछे ना रहे जो सच्चे मन से सेवा करता है भगवान भी उसी का साथ देते हैं ।

जीवन में अगर आपका कोई सच्चा साथी है तो वो आपका साहस और संघर्ष ।

पंकज उदास को पद्म भूषण सम्मान मिलने पर बेटी ने जताया आभार, बोलीं- 'काश वे यहां होते

गणतंत्र दिवस पर हुए पद्म पुरस्कारों की घोषणा के बाद कुछ खट्टे मीठे पल देखने को मिल रहे हैं। कोई किसी को बधाइयां दे रहा है, तो कोई किसी को याद कर रहा है। इसी कड़ी में पंकज उदास के परिवार ने भी उन्हें पद्म भूषण पुरस्कार मिलने के बाद बात की है। परिवार ने सम्मान के लिए सरकार को धन्यवाद भी दिया है।

परिवार ने जताया आभार

गजल गायक पंकज उदास को पद्म भूषण सम्मान दिए जाने की घोषणा के बाद उनकी पत्नी फरीदा उदास, बेटी नायाब उदास और रीवा उदास ने बात की है। एएनआई से बातचीत में पंकज उदास की पत्नी ने कहा कि ये हमारे लिए गर्व की बात है।

बेटी रीवा ने की बात

उनकी बेटी रीवा ने कहा कि हम सोचते हैं कि काश वो यहां होते। वे इससे बहुत खुश होते। मैं सरकार को धन्यवाद देना चाहती हूं कि उन्होंने मेरे पिता को ये सम्मान दिया। उन्होंने हमेशा भारत को गर्व महसूस करने के लिए काम किए हैं। वे भारत के लिए हमेशा समर्पित रहे। उनके संगीत से आज पूरा देश जुड़ा हुआ है।

पंकज उदास की बड़ी बेटी नायाब भी इस दौरान बहुत इमोशनल हो गईं। उन्होंने कहा कि आज हमारे पास कुछ अच्छी यादें हैं और कुछ बुरी। हम उन पर गर्व महसूस करते हैं। वे आज यहां नहीं हैं लेकिन मैं उन सभी को धन्यवाद देती हूं जो उनके काम को समझते हैं।

26 फरवरी को हुआ था निधन

पंकज उदास का निधन 26 फरवरी 2024 को हुआ था। पद्म भूषण सम्मान मिलने पर फिर पंकज उदास के गानों के बारे में फैंस बातें करने लगे हैं।

संगीत और गजलों से मिली पहचान

पंकज उदास को उनकी गजल आहत गजल से जाना जाता है। उन्होंने अन्य सफलताएं दर्ज कीं, जिनमें मुकरार (1981), तरन्नुम (1982), महफिल (1983) और कई अन्य शामिल हैं। उनकी कुछ लोकप्रिय प्रस्तुतियां हैं 'चिट्ठी आई है', 'चांदनी रात में', 'ना कजरे की धार', 'और आहिस्ता कीजिए बातें', 'एक तरफ उसका घर' और 'थोड़ी थोड़ी पिया करो'।

हार्टब्रेक और पार्टनर को लेकर शाहिद कपूर ने कही ये बात

शाहिद कपूर ने एक इंटरव्यू में अपने कामकाज के साथ निजी जीवन को लेकर भी बहुत सारी बातें की हैं। उन्होंने प्यार, हार्ट ब्रेक को लेकर भी बात की है। शाहिद ने कहा कि हमें देखना होगा कि प्यार हमारे अंदर की अच्छाई बाहर लाता है या बुराई।

हार्टब्रेक पर बोले अभिनेता

एक इंटरव्यू में शाहिद कपूर ने अपने हार्टब्रेक पर बात की है। उन्होंने कहा, कई बार जब आपका दिल टूटता है तो आपको लगता है कि आप बिल्कुल भी अच्छे इंसान नहीं हैं। शाहिद कपूर ने कहा, जब आप किसी को बहुत प्यार करते हैं और रिजेक्ट फील करते हैं तो आप उसे पाने के लिए बहुत कोशिश करते हैं।

प्यार के बारे में ऐसा सोचते हैं शाहिद

शाहिद कपूर ने कहा कि दिल टूटने से मिली सीख बहुत खास होती है। प्यार अपने आप में बहुत स्ट्रांग बॉन्ड है, यह पहचानना जरूरी है कि क्या रिश्ता आपके अंदर की सबसे अच्छी चीज सामने लाता है या सबसे बुरी। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह समझना महत्वपूर्ण है, क्योंकि आखिरकार, आपको खुद के साथ रहना है।

प्यार सिखाता है शाहिद कपूर

शाहिद ने इस इंटरव्यू में प्यार पर भी बात की। उन्होंने कहा कि प्यार ने उन्हें सिखाया, केवल अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए दूसरे व्यक्ति से कुछ नहीं मांगना चाहिए। हमें अपने पार्टनर की चीजों को भी समझना चाहिए।

देवा में नजर आने वाले हैं शाहिद कपूर

बता दें शाहिद कपूर की फिल्म 'देवा' 31 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म का निर्देशन रोशन एंड्रयूज ने किया है। इस फिल्म की रिलीज से पहले यह कहा जा रहा है कि फिल्म से लिपलॉक सीन हटाया गया है। यह दावा अरुण दीप नाम के एक शख्स ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर किया है।

कैंसर से जंग में हिना का हौसला बढ़ा रहे बॉयफ्रेंड रॉकी अभिनेत्री ने लिखा दिल छू लेने वाला पोस्ट

अभिनेत्री हिना खान कैंसर से जूझ रही हैं। वे तीसरी स्टेज के ब्रेस्ट कैंसर का उपचार करा रही हैं। उनके इस मुश्किल वक्त में बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल हर तरह से साथ हैं। वे अभिनेत्री का न सिर्फ हौसला बढ़ा रहे हैं, बल्कि सेवा भी कर रहे हैं। हिना खान ने हाल ही में रॉकी के लिए सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने दिल को छू लेने वाली बातें लिखी हैं।

हर पल हैं हिना खान के साथ

हिना खान के बॉयफ्रेंड रॉकी अभिनेत्री के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं। वे किस हद तक भावनात्मक संबल दे रहे हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि उपचार के दौरान जब हिना ने अपना सिर मुंडवाया तो रॉकी ने भी सिर मुंडवा लिया। इसके अलावा रॉकी हिना खान को समय पर दवा देने से लेकर, उनके पैरों की मालिश करने और सुकून भरी नींद सुलाने तक का काम फिक्र से करते हैं।

'वो इंसान मेरी रूह की देखभाल करता है'

हिना खान ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर करने के साथ एक नोट लिखा है। उन्होंने लिखा है, 'दुनिया का सबसे अच्छा शख्स, जिसे मैं जानती हूं! जब मैंने अपना सिर मुंडवाया तो उसने भी अपना सिर मुंडवा लिया। उसने अपने बाल तभी बढ़ाने शुरू किए, जब मेरे बाल फिर से उगने लगे। यह पोस्ट उस इंसान के लिए जो मेरी रूह की देखभाल करता है। उस इंसान के लिए जो हमेशा कहता है 'मैंने तुम्हें पा लिया है'। उस इंसान के लिए जो हमेशा मेरे साथ रहता है भले ही हार मानने के सौ कारण हों... इस निस्वार्थ आदमी के लिए जो जानता है कि चीजों को कैसे थामा जाता है'।

कोविड महामारी से अब तक...हर कदम पर साथ

हिना ने आगे लिखा है, 'हम एक-दूसरे के अच्छे-बुरे समय में साथ रहे हैं। महामारी के दौरान जब हमने मुश्किल दौर देखा और सेहत सबंधी चुनौतियों का सामना किया, तब सबसे मुश्किल वक्त से गुजरना पड़ा। वे पूरे समय मेरे साथ रहे। और अब जब मुश्किल वक्त फिर आया है तो उन्होंने सबकुछ छोड़ दिया और मेरी देखभाल कर रहे हैं। जब से इस बीमारी का पता चला है, उस दिन से अब तक वे साथ हैं। डॉक्टर से मिलने से लेकर इलाज की सारी चीजें वे खुद देख रहे हैं। मेरी हर तरह से सेवा कर रहे हैं।

बोलीं- 'खुदा की नेमत हो'

हिना ने लिखा है, 'इस यात्रा ने, खासकर पिछले दो महीनों ने मुझे बहुत बड़ी सीख दी है। तुम मेरी जिंदगी में आए सबसे खास इंसान हो। तुमने सबकुछ ठीक किया है। तुमने मुझे खुद से सबसे पहले प्यार करना सिखाया है। तुमने मेरे लिए सांसे लेना आसान बनाया है। अगर मैंने कभी तुम्हारा दिल दुखाया तो मुझे माफ करना। इस वक्त में हम साथ हंसते हैं, साथ रोते हैं। हम ताउम्र यूं ही साथ रहेंगे। आई लव यू! तुम सच में खुदा का उपहार हो। सभी डॉक्टर और हॉस्पिटल स्टाफ भी यही बात कहते हैं। और आज मैं भी बोल रही हूं। ऐसा इंसान हर महिला की जिंदगी में हो, ऐसी दुआ है। क्या हो तुम...रॉकी!'।

'मेरे पैर में तीन फ्रेक्चर हैं', रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया पर दिया हेल्थ अपडेट

रश्मिका ने अपनी पोस्ट पर लिखा, फिलहाल मेरी जिंदगी में मैं छावा का प्रचार कर रही हूं। महारानी येसुबाई का किरदार निभाकर मैं बहुत सम्मानित, धन्य और आभारी महसूस कर रही हूं। वह अपने लोगों को अपना दर्द नहीं दिखाएगी और न ही मैं दिखाऊंगी। हमेशा की तरह इस सबके बीच मुस्कुराती रही।

रश्मिका ने दिया हेल्थ अपडेट

रश्मिका मंदाना ने अपना हेल्थ अपडेट दिया है। उन्होंने बताया कि पैर में 3 फ्रैक्चर हैं, साथ ही एक मांसपेशी फटी हुई है 2 हफ्तों से मैंने अपना पैर नीचे नहीं रखा है। मुझे वास्तव में अपने पैरों पर खड़े होने की याद आती है।

फैंस को दी ये सलाह

रश्मिका ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा कि कृपया अपना ख्याल रखें और जब लोग आपसे ऐसा कहें तो इसे हल्के में न लें। उन्होंने लिखा कि आप सभी को प्यार और शक्ति भेज रही हूं और मैं आपके प्यार और शक्ति को बहुत प्यार से संभाल कर रख भी रही हूं।

कमेंट में बोले प्रंशसक

रश्मिका के प्रशंसकों ने इस पोस्ट पर कमेंट कर उनका हाल चाल पूछा, साथ ही चिंता भी जाहिर की। फैंस ने लिखा, जल्द ही ठीक हो जाइए रशू। एक अन्य फैन ने लिखा- हमें छावा का इंतजार है, ये एक ब्लॉकबस्तर हिट हो जाए।

कब रिलीज होगी 'छावा'?

रश्मिका मंदाना फिल्म 'छावा' में विक्की कौशल के साथ नजर आएंगी। विक्की जहां संभाजी महाराज की भूमिका में हैं, वहीं रश्मिका मंदाना येसूबाई की भूमिका अदा करती दिखेंगी। फिल्म 14 फरवरी को सिनेमाघरों में लगेगी। हाल ही में इसका ट्रेलर जारी हो चुका है, जो दर्शकों को काफी पसंद आया।

हालांकि, रिलीज से पहले फिल्म के एक सीन पर विवाद शुरू हो गया है। एक मराठा समूह ने इस बात पर आपत्ति जताई है कि फिल्म में संभाजी और येसूबाई को डांस करते दिखाया गया है। उन्होंने इन डांस सीन को हटाने की मांग की है।

रवि तेजा के जन्मदिन पर 'मास जतारा' का टीजर जारी, फैंस को दिया तोहफा

रवि तेजा आज 26 जनवरी को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर अभिनेता के प्रशंसकों को बड़ा तोफहा मिला है। वे अपनी आगामी फिल्म 'मास जतारा' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। अब अभिनेता के जन्मदिन के खास मौके पर फिल्म के निर्माताओं ने 'मास जतारा' का दमदार टीजर जारी किया है, जिसमें रवि तेजा की झलक भी देखने को मिली। फिल्म की पहली झलक में रवि तेजा पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाते हुए नजर आ रहे हैं।

निर्माताओं का पोस्ट

टीजर में रवि तेजा को दमदार अंदाज में दिखाया गया है। उन्हें गुंडों से लड़ते हुए जबरदस्त एक्शन सीन्स करते नजर आए। मास जतारा की पहली झलक साझा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, 'स्वैग। ऊर्जा। वाइब। मास महाराज रवि तेजा एक ऑल राउंड शो देने के लिए यहां हैं। मास जतारा- मास रैम्पेज की झलक अब सामने आई है।'

एक्शन-कॉमेडी फिल्म होगी 'मास जतारा'

'मास जतारा' में कॉमेडी का तड़का लगाया जाएगा। मास जतारा के जरिए निर्देशन की दुनिया में भानु भोगवरपु ने कदम रखा है, जिन्होंने रवि तेजा को हास्यपूर्ण और मनोरंजक अवतार में प्रभावशाली ढंग से पेश किया है। श्रीलीला ने फिल्म में मुख्य महिला की भूमिका निभाई है, हालांकि वह टीजर में नहीं दिखाई गई हैं। इस प्रोजेक्ट का निर्माण नागा वामसी और त्रिविक्रम श्रीनिवास के नेतृत्व में सीथारा एंटरटेनमेंट द्वारा बड़े पैमाने पर किया जा रहा है।

कब रिलीज होगी फिल्म

मास जतारा की शूटिंग के दौरान रवि तेजा के दाहिने हाथ की मांसपेशियों में चोट लग गई थी। चोट के बावजूद, अभिनेता ने शूटिंग जारी रखने का फैसला किया और इस फैसले से चोट और गंभीर हो गई। मास जतारा को मूल रूप से संक्रांति 2025 के दौरान रिलीज किया जाना था। हालांकि, फिल्म में देरी होने के कारण इसकी रिलीज टाल दी गई। अब प्रशंसक नई रिलीज डेट का इंतजार कर रहे हैं।

हमले के 10 दिन बाद मामले में आया नया मोड़ कथित आरोपी से मेल नहीं खाता एक भी फिंगरप्रिंट

सैफ अली खान पर 16 जनवरी की सुबह उनके मुंबई के बांद्रा स्थित घर पर चाकू से जानलेवा हमला हुआ। इस मामले की पुलिस अलग-अलग पहलुओं से जांच कर रही है। कथित हमलावर शहजाद को गिरफ्तार किया गया है, जिसे बांग्लादेशी नागरिक बताया गया है। मगर, घटना के 10 दिन बाद इस मामले में एक चौंकाने वाला ट्विस्ट आया है। रिपोट्र्स के मुताबिक सीआईडी की जांच में पता चला है कि क्राइम सीन से मिले फिंगरप्रिंट कथित आरोपी शहजाद से मैच ही नहीं खाते।

19 फिंगरप्रिंट में से एक भी नहीं खाया मेल

गिरफ्तार आरोपी के फिंगरप्रिंट सैफ अली खान के बांद्रा स्थित घर से मिले फिंगरप्रिंट से मेल नहीं खा रहे हैं। पुलिस आगे की जांच के लिए अतिरिक्त नमूने भेज रही है। सैफ अली खान पर हमला मामले में शख्स की गिरफ्तारी के बाद मुंबई पुलिस ने कहा कि वे सीसीटीवी फुटेज में देखे गए बांग्लादेशी व्यक्ति की पहचान करने के लिए फेशियल रिकग्निशन का इस्तेमाल करेंगे। अब हाल की रिपोर्ट में पता चला है कि कथित आरोपी के फिंगरप्रिंट उससे मेल ही नहीं खाते, जो सैफ के घर से मिले हैं। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, मामले में चल रही जांच में पता चला है कि घटनास्थल से बरामद 19 फिंगरप्रिंट शरीफुल के प्रिंट से मेल नहीं खा रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक मुंबई पुलिस ने फिंगरप्रिंट्स को जांच के लिए राज्य आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को भेजा। सीआईडी की रिपोर्ट हैरान करने वाली है। दरअसल, सीआईडी ने गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिक शरीफुल इस्लाम शहजाद के फिंगरप्रिंट नमूनों पर नेगेटिव रिपोर्ट पेश की है। कहा जा रहा है कि पुलिस ने अब आगे की जांच के लिए अतिरिक्त नमूने भेजे हैं। ऐसे वक्त में जब आरोपी शहजाद के पिता ने दावा किया है कि पुलिस ने गलत शख्स को मामले में गिरफ्तार किया है। तब सीईआडी की इस रिपोर्ट के बाद पुलिस की जांच सवालों के घेरे में है।

16 जनवरी को हुआ सैफ पर हमला

मालूम हो कि सैफ अली खान पर 16 जनवरी की सुबह बांद्रा में सतगुरु शरण बिल्डिंग की 12वीं मंजिल पर स्थित उनके अपार्टमेंट में चाकू से हमला किया गया। अभिनेता को कई जगह चाकू घोंपा गया। उनकी गर्दन, हाथ और रीढ़ की हड्डी के पास गंभीर चोट आईं। लीलावती अस्पताल में उनका उपचार चला। कई घंटे की सर्जरी के दौरान डॉक्टरों ने एक नुकीली चीज भी उनकी रीढ़ की हड्डी से निकाली। 21 जनवरी को सैफ को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। फिलहाल उनकी हालत में सुधार है। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो 29 जनवरी तक पुलिस की कस्टडी में है।

करीना कपूर के बचाव में आईं ट्विंकल खन्ना

बोलीं- 'ऐसी बेवकूफी भरी अफवाहें हैं कि घटना के दौरान बेबो घर पर नहीं थीं

सैफ अली खान पर हुए हमले के मामले पर अब बॉलीवुड सितारे भी खुलकर आए हैं। इस हमले पर अब ट्विंकल खन्ना ने भी बात की है। उन्होंने सैफ पर हुए हमले के बाद करीना कपूर खान पर हुई ट्रोलिंग को लेकर बात की है।

ट्विंकल ने कॉलम में लिखी ये बात

ट्विंकल खन्ना ने टाइम्स ऑफ इंडिया के लिए एक कॉलम लिखा, अपने कॉलम में करीना कपूर का बचाव किया है। उन्होंने बताया कि ऐसी 'बेवकूफी भरी अफवाहें' हैं कि घटना के दौरान बेबो घर पर नहीं थीं या अपने पति की मदद करने के लिए 'बहुत ज्यादा नशे में' थीं। ट्विंकल खन्ना ने कहा कि लोगों को बस पत्नियों पर दोष डालने पर मजा आता है।

अनुष्का शर्मा के लिए भी की बात

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा के बारे में भी ट्विंकल खन्ना ने बात की है। उन्होंने कहा, जब विराट कोहली आउट होते हैं, तो अनुष्का को हूटिंग का सामना करना पड़ता है।

पत्नियों के बारे में की बात

ट्विंकल खन्ना ने कहा कि ये पैटर्न सिर्फ बॉलीवुड अभिनेत्रियों के लिए नहीं है। उन्होंने बताया कि पतियों के वजन बढ़ने या घटने के लिए पत्नियों को दोषी ठहराया जाता है। उन्होंने बताया कि कैसे लोग अपने साथी के स्वभाव और यहां तक कि 'गंजेपन' के लिए भी पत्नी को दोषी ठहराते हैं।

सैफ पर उनके ही घर हुआ था हमला

सैफ अली खान पर 16 जनवरी की सुबह बांद्रा में सतगुरु शरण बिल्डिंग की 12वीं मंजिल पर स्थित उनके अपार्टमेंट में चाकू से हमला किया गया। अभिनेता को कई जगह चाकू घोंपा गया। उनकी गर्दन, हाथ और रीढ़ की हड्डी के पास गंभीर चोट आईं।

लीलावती अस्पताल में उनका उपचार चला। कई घंटे की सर्जरी के दौरान डॉक्टरों ने एक नुकीली चीज भी उनकी रीढ़ की हड्डी से निकाली। 21 जनवरी को सैफ को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। फिलहाल उनकी हालत में सुधार है। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो 29 जनवरी तक पुलिस की कस्टडी में है।

प्रभास-संदीप वांगा की पुलिस ड्रामा 'स्पिरिट' में होगी पागलपन भरी पृष्ठभूमि

प्रभास इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म का निर्देशन एनिमल फेम निर्देशक संदीप वागा रेड्डी करेंगे। 'स्पिरिट' को लेकर कई जानकारियां सामने आई हैं, जिसे पढ़ने के बाद प्रशंसकों का उत्साह फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ जाएगा।

संदीप रेड्डी वांगा ने अपनी पिछली फिल्म एनिमल की सफलता से दर्शकों का दिल जीत लिया था। वहीं अब, वह प्रभास के साथ 'स्पिरिट' नाम की एक पुलिस ड्रामा फिल्म लेकर आ रहे हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी हो चुकी है और फिलहाल प्री-प्रोडक्शन का काम चल रहा है।

संदीप बैकग्राउंड स्कोर पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं और जल्द ही इस प्रोजेक्ट के बारे में आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। मीडिया रिपोट्र्स के अनुसार, 'स्पिरिट' की कहानी की बात करें तो यह एक ईमानदार पुलिस अधिकारी के बारे में है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय अपराध से संबंधित एक बड़ा काम सौंपा जाता है।

मीडिया रिपोट्र्स के अनुसार, फिल्म की पृष्ठभूमि बेहद दिलचस्प है। 'स्पिरिट' ड्रग माफिया के इर्द-गिर्द घूमेगी और इंडोनेशिया में सेट की जाएगी। प्रभास इस फिल्म में पुलिस वाले की भूमिका निभाते नजर आएंगे। इसकी कहानी ड्रग लॉड्र्स के खिलाफ उनकी लड़ाई पर आधारित होगी। फिल्म में सैफ अली खान और करीना कपूर की होने की बात भी सामने आई है, हालांकि इसे लेकर अभी तक कोई आदिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

एनिमल के लिए शानदार बैकग्राउंड स्कोर देने वाले हर्षवर्धन रामेश्वर एक बार फिर स्पिरिट के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं। टी-सीरीज संदीप के साथ मिलकर इस फिल्म का निर्माण कर रही है और रिपोट्र्स के अनुसार, फिल्म का ज्यादातर हिस्सा हैदराबाद और जकार्ता में शूट किया जाएगा।

करियर में आएगा उछाल, नौकरी के साथ लें ऑनलाइन एमबीए की डिग्री

ग्रेजुएशन के बाद एमबीए की डिग्री आपको करियर में आगे बढ़ने में बहुत मदद कर सकती है. हालांकि कई बार ऐसा होता है कि बहुत से कैंडिडेट्स एमबीए की डिग्री के लिए कॉलेज ज्वॉइन नहीं कर पाते. ऐसे में ऑनलाइन एमबीए की डिग्री एक ऑप्शन है जिसका फायदा उठाया जा सकता है. ये ऑप्शन जॉब करने वालों या न करने वालों, दोनों के लिए खुला है. इससे आपको करियर में आगे बढ़ने में तो मदद मिलती ही है साथ ही और भी बहुत से फायदे होते हैं.

क्या हैं ऑनलाइन एमबीए के फायदे

ऑनलाइन एमबीए में आपको फ्लेक्सबिलिटी मिलती है. आप अपनी सुविधा के हिबास से कोर्स, वीडियो लेसन, क्विज वगैरह ज्वॉइन कर सकते हैं. क्लास का टाइम खुद तय कर सकते हैं. ताकि नौकरी या दूसरे कामों के साथ भी एमबीए हो जाए.

ये पैसा बचाने में भी मदद करता है. अगर आपको कॉस्ट कटिंग करनी है तो ऑनलाइन एमबीए एक ऑप्शन हो सकता है. ऑन-कैम्पस एक्सपेंसेस के साथ ही कम्यूटिंग तक इससे बहुत से क्षेत्रों में पैसा बचता है. नौकरी कर रहे हैं तो सैलरी भी मिलती है और पढ़ाई भी साइड में चलती रहती है. आपकी नॉलेज बढ़ती है और जिसका फायदा आपको नौकरी से लेकर प्रमोशन तक में मिलता है. फाइनेंस, एकाउंटिंग, मार्केटिंग की जानकारी बढ़ती है और बिजनेल एनालिटिक्स, इंटरनेशनल बिजनेस की जानकारी होने से और क्षेत्रों में फायदा पहुंचता है. ये आपके प्रमोशन के चांस बढ़ाता है, सैलरी बढ़िया मिलने लगती है और इससे जॉब सिक्योरिटी भी बढ़ती है. ऑनलाइन एमबीए के बाद आप आसानी से नौकरी पा भी सकते हैं और करियर स्विच भी कर सकते हैं.

इन जगहों से कर सकतें हैं कोर्स

आईआईएम कोझिकोड, एमाइटी ऑनलाइन यूनिवर्सिटी, आईआईएम इंदौर, एलियांस स्कूल ऑफ बिजनेस, एक्सएलआरआई वगैरह से बहुत से कोर्स किए जा सकते हैं. आप अपनी जरूरत के मुताबिक चुनाव कर सकते हैं.

कोर्स का चुनाव करते समय इंस्टीट्यूट या यूनिवर्सिटी का ब्रैंड, फैकल्टी की प्रोफाइल, कोर्स का क्यूरिकुलम और ड्यूरेशन, प्राइस, प्लेसमेंट या करियर सपोर्ट, पियर ग्रुप प्रोफाइल, स्पेशियलाइजेशन ऑप्शंस और टाइम कमिटमेंट कुछ एरिया हैं जिन्हें जरूर चेक कर लें.

करियर का चुनाव करते समय टिप्स की लें मदद, लाइफ में होंगे बेहद सक्सेसफुल

आज के समय में हर कोई चाहता है कि उसका करियर बेहतरीन बने ताकि उसे लाइफ में कभी भी किसी समस्या का सामना न करना पड़े.लेकिन आज दुनिया जिस तरह आगे बढ़ रही है, उससे नौकरियों के लिए होड़ और कंपटीशन भी बढ़ रहा है. कुछ भी तय नहीं है कि आज आप सफल होंगे भी या नहीं.

इन सबके बीच हर कोई अपने करियर को लेकर परेशान है कि आगे क्या होगा. ऐसा कैसे होगा? यकीनन एक अच्छा करियर लाइफ का बेहद जरूरी सब्जेक्ट है जिसका उचित चुनाव आपके जीवन की आगे की स्थिति और दिशा निर्धारित करता है. किस क्षेत्र में करियर बनाना है, यह तय करने में ये 5 टिप्स आपके बहुत काम आएंगे.

करियर चुनते समय टिप्स की लें मदद

1-किसी के दबाव में करियर का चुनाव न करें

आप जिस क्षेत्र में रुचि रखते हैं, जिस फील्ड को आप अच्छी तरह से जानते हैं उस क्षेत्र में आप

अधिक सफल हो सकते हैं. किसी के दबाव में चुना गया करियर कभी भी सफलता निर्धारित नहीं करता है और न ही खुशी लाता है. इसलिए हमेशा उसी फील्ड में जाएं जिसमें आपका इंटरेस्ट है और जिसमें आपको भरोसा है कि आप अच्छा कर सकते हैं.

2-फील्ड के बारे में सभी जानकारी ले लें

किसी भी फील्ड को अपने करियर के रूप में चुनने से पहले उससे संबंधित सभी जरूरी जानकारी इकट्ठा करें, इसके लिए आप पसंदीदा क्षेत्र के सफल लोगों से मिल सकते हैं और उनसे सलाह ले सकते हैं.

3-अपनी क्षमता को पहचान कर किसी फील्ड का चुनाव करें

किसी भी सफल व्यक्ति से प्रभावित हुए बिना अपनी एबिलिटिज और स्किल का अच्छी तरह से विश्लेषण करें, फिर संबंधित क्षेत्र में जाने का मन बनाएं.

4-अपने नेचर को पहचान कर फील्ड सेलेक्ट करें

आप सही करियर का चुनाव तभी कर पाएंगे जब आप अपने नेचर से अच्छी तरह वाकिफ होंगे. अपने स्वभाव को ध्यान में रखते हुए करियर चुनें. इसके अलावा ये भी देखें कि क्या आप जॉब कर सकते हैं या आपमें बिजनेस करने का स्किल है या फ्रीलांसर आपके व्यवहार के अनुरूप होगा.

5-अपने व्यवहार के उल्ट करियर न चुनें

अपने व्यवहार के उल्ट करियर का चुनाव न करें, क्योंकि आप उस क्षेत्र में अधिक समय तक टिके नहीं रह पाएंगे और यदि आप रहते भी हैं तो खुश रहने की संभावना कम हो जाएगी, जिसका प्रभाव निश्चित रूप से आपकी पर्सनल लाइफ पर भी पड़ेगा.

दोबारा फैशन में आ रहा पुराना स्टाइल

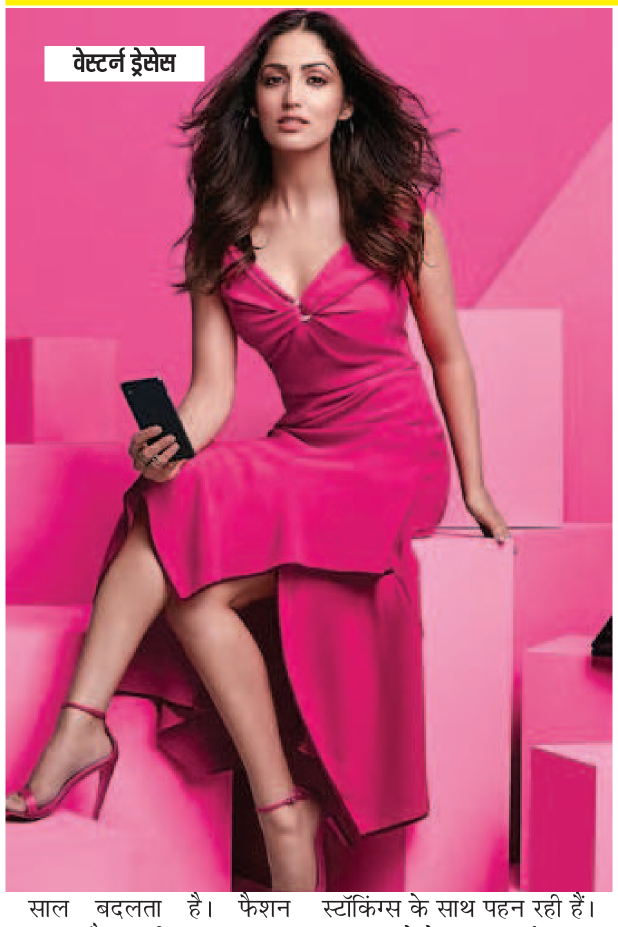

वेस्टर्न ड्रेसेस

साल बदलता है। फैशन बदलता है। कभी 70-80 का फैशन दोबारा ट्रेंड में आ जाता है तो कभी कुछ नया ही देखने को मिलता है। 2025 का यह साल भी फैशन में बहुत कुछ नया तो कुछ पुराना लेकर आया है। इसमें परंपरा का साथ है तो आधुनिकता का स्टाइल भी। ऐसे में कई फैशन लवर्स के मन में सवाल होगा कि ये कौन से नए फैशन ट्रेंड्स हैं, जो इस साल राज करने वाले हैं।

वेस्टर्न ड्रेसेस

इस साल वेस्टर्न ड्रेसेस में कुछ प्रमुख ट्रेंड्स देखने को मिल सकते हैं, जिनमें सस्टेनेबल फैब्रिक और इको-फ्रेंडली डिजाइन की मांग बढ़ेगी। मिनिमलिस्टिक स्टाइल के साथ क्लासिक, सदाबहार और सिंपल कट्स ट्रेंड में रहेंगे। यह साल आरामदायक फैशन का होगा। साथ ही तकनीक और फैशन का मिश्रण, जैसे कि स्मार्ट फैब्रिक्स खासे पसंद किए जाएंगे। इसके साथ ही मिनी स्कर्ट का ट्रेंड भी खूब देखा जाएगा, जिसे लड़कियां इस सर्दी के मौसम में गरम स्टॉकिंग्स के साथ पहन रही हैं।

पायजामे के साथ कुर्ता

पायजामे के साथ कुर्ता, क्रॉप टॉप के साथ साड़ी और ट्यूनिक्स के साथ पहना जाने वाला प्लाजो फ्यूजन के कुछ उदाहरण हैं, जो इस साल खूब चलन में रहेंगे। इसमें परंपरागत परिधानों के साथ पश्चिमी परिधानों का तड़का इन्हें ग्लैमरस लुक देगा। सबसे लोकप्रिय और हॉट फ्यूजन ट्रेंड में एथनिक जंप सूट शामिल है। यह भारतीय पैटर्न और कपड़ों के साथ संयुक्त रूप से बनाए जाएंगे, जो आधुनिक महिलाओं को एक स्टाइलिश और अनूठा लुक देंगे।

कलर, जो शालीनता लाएं

लहंगों से लेकर सलवार-कमीज तक बोल्ड रंग पहनावे को जीवंत बनाएंगे। बेज, ऑलिव और पेस्टल पिंक जैसे न्यूट्रल शेड्स भी उन महिलाओं के लिए स्टाइल में हैं, जो पहनावे में शालीनता और सुंदरता पसंद करती हैं। कई अन्य रंग, जैसे-चेरी रेड, सेलेस्टियल येलो, ऑलिव ग्रीन, लैवेंडर और सॉफ्ट पिंक भी चलन में रहेंगे।

पायजामे के साथ कुर्ता

सोने-चांदी की चमक

चाहे परिधान शादी के लिए हो या किसी विशेष उत्सव के लिए, धातु के धागे से बनीं सुंदर आकृतियां ड्रेस को खास बना देती हैं। जब आप ऐसे परिधान को किसी उत्सव में पहनती हैं तो ये अलग ही चमक देती हैं। इस साल साड़ियों, लहंगों और कुर्तों पर धातु की कढ़ाई की वापसी होगी। इसके अलावा पारंपरिक परिधानों में नाजुक कढ़ाई और सूक्ष्म विवरण लोकप्रिय रहेंगे। रेशम के सादे कुर्ते सेट या साड़ी पर कम कढ़ाई वाले बॉर्डर पर फ्लोरल एंब्रॉयडरी उन महिलाओं के लिए आदर्श है, जो साधारण डिजाइन पसंद करती हैं।

भा जाएंगे प्रिंट

पैस्ले, मोर और कमल के फूलों जैसे क्लासिक प्रिंट इस साल एक नए और आधुनिक रूप के साथ फिर से चलन में रहेंगे। ये प्रिंट युवा पीढ़ी को आकर्षित करते हुए विरासत को भी संजोते हैं। आप बोल्ड, बड़े प्रिंट या धातु के धागों में बनी डिजाइन वाली साड़ियों और कुर्तों से खुद को स्टाइल कर सकती हैं।

आरामदायक फुटवियर

यह साल आरामदायक फुटवियर को अपनाने का होगा। अधिकतर महिलाएं जूतियां, कोल्हापुरी और स्लाइडर का चुनाव करेंगी। पारंपरिक जूतियां और कोल्हापुरी विभिन्न रंगों, डिजाइनों और आरामदायक विकल्पों के साथ उपलब्ध होंगी।

स्लीव्स में खास

आस्तीन में इस साल डिजाइनर बेल, पफ और फ्लेयर्ड डिजाइन ट्रेंड में रहेंगे। ये स्लीव्स कपड़ों में वॉल्यूम और स्टाइल जोड़ते हुए एथनिक ड्रेस को एक स्टाइलिश लुक देती हैं। पफ स्लीव्स सलवार-कमीज सेट को एक क्यूट लुक देती हैं। स्टेटमेंट स्लीव्स उन महिलाओं के लिए आदर्श हैं, जो अपनी एथनिक ड्रेस को खास लुक देना चाहती हैं और कुछ नया प्रयोग करना चाहती हैं।

आरामदायक फुटवियर

स्लीव्स में खास

12वीं कक्षा विज्ञान विषयों के साथ उत्तीर्ण की है तो डाटा साइंटिस्ट, टीचिंग क्षेत्र में बना सकते हैं भविष्य

हमारे देश में ज्यादातर युवा चाहते हैं कि वे डॉक्टर या इंजीनियर बनें लेकिन उनमें से कुछ ऐसे भी होते हैं जो यह पेशा अपनाना नहीं चाहते हैं। अगर आपने भी 12वीं कक्षा विज्ञान विषयों के साथ उत्तीर्ण की है और डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बनना चाहते हैं तो आप किसी ऑफबीट कोर्स को कर सकते हैं। वर्तमान में कई ऐसे कोर्सेज मौजूद हैं जिनमें आप 12वीं साइंस से उत्तीर्ण करने के बाद दाखिला ले सकते हैं। इसके साथ ही आप कोर्स को खत्म करने के बाद इन क्षेत्रों में बेहतर करियर का निर्माण भी कर सकते हैं।

डाटा साइंटिस्ट

पिछले कुछ वर्षों में हमारे देश में डाटा साइंस साइंटिस्ट बेहद प्रचलन में है। आप पहले 12वीं के बाद गणित, सांख्यिकी या इंजीनियरिंग ग्रेड से बैचलर डिग्री हासिल कर सकते हैं। इसके बाद आप संबंधित प्रोग्रामिंग लैंग्वेज और इससे रेलेटेड स्किल

सीख सकते हैं। इसके बाद आप इसमें सर्टिफिकेट/ डिप्लोमा हासिल कर सकते हैं। एक बार डाटा साइंटिस्ट बनने के बाद आपको लाखों में वेतन प्राप्त कर हो सकता है।

साइंस टीचर

12वीं विज्ञान विषयों से उत्तीर्ण करने के बाद आप टीचिंग से जुड़े डिग्री/ डिप्लोमा कर सकते हैं। इनको करने के बाद आप प्राइमरी टीचर लेवल से लेकर प्रोफेसर लेवल तक के टीचर बन सकते हैं। टीचिंग के क्षेत्र को सबसे बेहतर माना जाता है और इसमें बेहतर वेतन भी प्राप्त होता है।

आर्किटेक्ट

इनके अलावा अगर अपने पीसीएम विषयों के साथ इंटर उत्तीर्ण किया है तो आप आर्किटेक्ट भी बन सकते हैं। इस क्षेत्र में यूजी एवं पीजी दोनों ही प्रकार के कोर्स उपलब्ध हैं। आप इनको करके आर्किटेक्चर के रूप में काम करके लाखों में वेतन पा सकते हैं।

यूपीएससी के संबंध में भ्रामक विज्ञापन देना कोचिंग संस्थान को पड़ा भारी

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने सिविल सेवा परीक्षा में अपने छात्रों की सफलता के बारे में भ्रामक विज्ञापन देने के लिए विजन आईएएस पर 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि प्राधिकरण ने पाया कि विजन आईएएस ने जानबूझकर विशिष्ट पाठ्यक्रम की जानकारी छिपाई, जिससे ऐसी परीक्षाओं में इसकी सफलता दर के बारे में भ्रामक धारणा बनी।

यूपीएससी सीएसई 2020 परीक्षा में शीर्ष 10 में 10 का सिलेक्श दिखाया

संस्थान के विज्ञापन में दावा किया गया था कि ₹विज़न आईएएस के विभिन्न कार्यक्रमों से सीएसई 2020 में शीर्ष 10 में 10 चयनित हैं₹ और सफल उम्मीदवारों और तस्वीरों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया था। विज़न आईएएस ने केवल प्रथम रैंक वाले छात्र के फाउंडेशन कोर्स को हाइलाइट किया, जबकि नौ अन्य सफल यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) 2020 उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम विवरण को छिपाया।

ये रहा बाकी नौ उम्मीदवारों का विवरण

शेष नौ सफल उम्मीदवारों में से एक छात्र ने फाउंडेशन कोर्स किया, उनमें से छह ने प्रारंभिक और मुख्य चरण के लिए टेस्ट सीरीज का विकल्प चुना और उनमें से दो ने अभ्यास परीक्षा का विकल्प चुना। संस्थान के चयनात्मक खुलासे से पता चलता है कि सभी उम्मीदवारों ने एक ही पाठ्यक्रम का अनुसरण किया, जो गलत था।

कोर्स की कीमत मॉक टेस्ट के लिए 750 रुपये से लेकर पूरे फाउंडेशन कोर्स के लिए 1,40,000 रुपये तक थी। सीसीपीए ने इस बात पर जोर दिया कि कोचिंग संस्थानों के बारे में सूचित निर्णय लेने के लिए उपभोक्ताओं के लिए पाठ्यक्रम की पूरी जानकारी महत्वपूर्ण है।

भ्रामक मार्केटिंग से बचाने के लिए लगाया जुर्माना

बयान में कहा गया है कि आयोग ने युवा और प्रभावशाली उम्मीदवारों को संभावित भ्रामक विपणन प्रथाओं से बचाने के लिए जुर्माना लगाया है। सीसीपीए ने अब तक विभिन्न कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापन और अनुचित व्यापार व्यवहार के लिए 46 नोटिस जारी किए हैं। इसने 23 कोचिंग संस्थानों पर 74.60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है और उन्हें भ्रामक विज्ञापन बंद करने का निर्देश दिया है।

धनबाद आईआईटी में चल रही है फैकल्टी पद पर भर्ती

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान , धनबाद विभिन्न संकाय (सहायक प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर) के 80 पदों के लिए भर्ती कर रहा है। इन पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया 28 नवंबर को शुरू हुई, जिसकी अंतिम तिथि **31 जनवरी, 2025** निर्धारित है।

इस भर्ती अभियान के तहत कुल 82 रिक्तियां भरी जाएंगी, जिसमें एससी वर्ग के लिए 28 पद, एसटी वर्ग के लिए 14 पद और ओबीसी (एनसीएल) श्रेणी के लिए 40 पद शामिल है।

पात्रता मानदंड

इन पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास प्रथम श्रेणी के अकादमिक रिकॉर्ड के साथ पीएचडी की डिग्री होनी चाहिए। अनारक्षित उम्मीदवारों के लिए अधिकतम आयु सीमा 35 वर्ष है। एससी/एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों के लिए सरकारी मानदंडों के अनुसार आयु में छूट प्रदान की जाएगी।

ऐसे करें आवेदन

सबसे पहले आईआईटी धनबाद की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं ।

होमपेज पर, कैरियर टैब पर क्लिक करें और संकाय भर्ती चुनें।

नये पेज पर आवेदन करें लिंक पर क्लिक करें।

नया उपयोगकर्ता पंजीकरण हेतु यहां क्लिक करें पर क्लिक करके पंजीकरण करें, आवश्यक विवरण भरें और पंजीकरण पूरा करें।

भरा हुआ फॉर्म जमा करें तथा भविष्य के संदर्भ के लिए उसका प्रिंटआउट ले लें।

रेलवे में अप्रेंटिस के 1154 पदों पर निकली भर्ती; 10वीं पास को मौका

ईस्ट सेंट्रल रेलवे ने अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। उम्मीदवार रेलवे की ऑफिशियल वेबसाइट rrcecr.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

डिवीजन वाइस वैकेंसी डिटेल्स :

डिवीजन का नाम पदों की संख्या

दानापुर 675

धनबाद 156

पंडित दीन दयाल उपाध्याय 64

सोनपुर 47

समस्तीपुर 46

प्लांट डिपो/पं. दीन दयाल उपाध्याय 29

कैरिज रिपेयर वर्कशॉप/हरनौत 110

मैकेनिकल वर्कशॉप/समस्तीपुर 27

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

उम्मीदवारों को 10वीं कक्षा में कम से कम 50% नंबरों के साथ पास होना चाहिए।

संबंधित ट्रेड में इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की डिग्री होनी चाहिए।

एज लिमिट :

आवेदक की उम्र 1 जनवरी 2025 को 15 से 24 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

एसटी, एससी और ओबीसी सहित रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को उम्र में छूट दी जाएगी।

फीस : जनरल, ओबीसी : 100 रुपए

एससी, एसटी, महिला, दिव्यांग : निःशुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :मेरिट बेसिस पर

स्टाइपेंड :अप्रेंटिस नियमों के अनुसार

ऐसे करें आवेदन :रेलवे की ऑफिशियल वेबसाइट rrcecr.gov.in पर जाएं। होमपेज पर अप्लाई लिंक पर क्लिक करें।

रजिस्ट्रेशन करके लॉग इन करें।

मांगे गए डिटेल्स दर्ज करें।

जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।

फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंट आउट लेकर रखें।

ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड में अप्रेंटिस की भर्ती; ग्रेजुएट्स से लेकर इंजीनियर्स को मौका

ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड की ओर से ग्रेजुएट और टेक्नीशियन अप्रेंटिसशिप के पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार बीपीसीएल की ऑफिशियल वेबसाइट bcplonline.co.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

वैकेंसी डिटेल्स :

ग्रेजुएट अप्रेंटिस : 49 पद

टेक्नीशियन अप्रेंटिस : 21 पद

कुल पदों की संख्या : 70

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान से संबंधित क्षेत्र में बैचलर डिग्री/ इंजीनियरिंग डिग्री/ डिप्लोमा।

एज लिमिट :

न्यूनतम : 18 वर्ष

अधिकतम : 28 वर्ष

आरक्षित श्रेणी से आने वाले उम्मीदवारों को ऊपरी उम्र में नियमानुसार छूट दी जाएगी।

स्टाइपेंड :

9000 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :

मेरिट बेसिस पर

ऐसे करें आवेदन :

बीपीसीएल की ऑफिशियल वेबसाइट bcplonline.co.in पर जाएं।

होम पेज पर करियर सेक्शन में जाएं।भर्ती से संबंधित आवेदन लिंक पर क्लिक करें।

रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करें।

अन्य डिटेल्स दर्ज करके फॉर्म सब्मिट करें।

इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

गिरते रुपये और लड़खड़ाते मार्केट के बीच आ रहे बजट पर दिखेगा ट्रंप का साया

नई दिल्ली,26 जनवरी (एजेंसियां)। क्या डोनाल्ड ट्रंप वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की 'पार्टी' को खराब कर देंगे? आने वाला बजट सीतारमण के लिए बड़ा दिन होना चाहिए था, क्योंकि उनकी नजरें राजकोषीय बजट को घटाकर 4.5% करने, पूंजीगत व्यय को बढ़ाने और अर्थव्यवस्था को 7% की दर से बढ़ाने पर टिकी हैं। इससे भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन जाएगा। कोविड के समय में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 9.3% से घटाकर 2025-26 में 4.5% करना आम तौर पर विकास और पूंजीगत व्यय में गिरावट का मतलब होता, जिसे उन्होंने कुशलता से टाला है। उनका बजट भाषण शायद अभी भी आर्थिक मोर्चे पर जीत का दावा करेगा। लेकिन इस सुखद संभावना पर शायद डोनाल्ड ट्रंप की छाया पड़ सकती है। ट्रंप अप्रत्याशित हैं और कोई नहीं जानता कि वे क्या करेंगे। हम जो जानते हैं, वह यह है कि उन्होंने कनाडा और मैक्सिको से आयात पर 25% टैरिफ लगाने की धमकी दी है। उन्होंने अपने नाटो सहयोगियों को भी चेतावनी दी है कि अमेरिका द्वारा दूसरों की सुरक्षा के लिए भुगतान करने के बजाय,

वह चाहते हैं कि दूसरे देश अमेरिका की सुरक्षा का खर्च उठाएं। अगर वह ऐसे करीबी सहयोगियों और फ्री ट्रेड भागीदारों के साथ इतना कठोर व्यवहार कर सकते हैं तो दूसरों को भी इसी तरह या इससे भी बदतर व्यवहार के लिए तैयार रहना चाहिए।

भारत का रक्षात्मक रुख

कनाडा, मैक्सिको और कुछ यूरोपीय देशों ने व्यापार पर जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है। लेकिन भारत सरकार रक्षात्मक रुख अपनाने की योजना बना रही है। उसे उम्मीद है कि ट्रंप अमेरिका के साथ भारत के ट्रेड सरप्लस में कटौती की मांग करेंगे और वह उनसे भिड़ने के बजाय उनके साथ तालमेल बिठाने की उम्मीद कर रही है। यह अमेरिकी निर्यात पर टैरिफ में कटौती करने और अधिक अमेरिकी हथियार, तेल, गैस और कृषि उत्पाद खरीदने की योजना बना रही है। यदि भारत हर देश के लिए अपने टैरिफ में कटौती करता है - जैसा कि उसे डब्ल्यूटीओ के नियमों के अनुसार करना चाहिए - तो कई उदारवादी इसे भारत में हाल ही में संरक्षणवाद के उलट होने के रूप में स्वागत करेंगे। लेकिन यह आत्मनिर्भरता के सामान्य जोर के खिलाफ होगा। अगर भारत केवल अमेरिका के लिए टैरिफ कम करता है तो यह सभी के लिए समान टैरिफ के डब्ल्यूटीओ सिद्धांत का उल्लंघन होगा। इससे ट्रंप द्वारा पहले से ही उल्लंघन किए जा रहे डब्ल्यूटीओ नियमों को और अधिक नुकसान पहुंचेगा।

क्या भारत में भी आएगी मंदी?

मुख्य समस्या यह नहीं है कि ट्रंप भारत को निशाना बना रहे हैं। वे भारत को नहीं छोड़ेंगे, लेकिन उनके सामने और भी बड़ी चुनौतियां हैं- उनके पड़ोसी, लैटिन अमेरिका, चीन, यूरोपीय संघ और रूस। इससे भी महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि उनकी अमेरिका फर्स्ट नीति व्यापार युद्धों का नुस्खा है। इससे दुनिया भर के बाजारों में दहशत फैल जाएगी और वैश्विक व्यापार और जीडीपी में मंदी आएगी। धीमी होती वैश्विक अर्थव्यवस्था का मतलब है भारत में भी मंदी। इससे पहले आईएमएफ ने भविष्यवाणी की थी कि 2025-26 में भारतीय जीडीपी 6.5% बढ़ेगी। वर्ल्ड बैंक का अनुमान इससे भी अधिक 6.7% था। यह पिछले साल हासिल किए गए 8.2% के शानदार अनुमान से काफी कम था, फिर भी यह मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन द्वारा अनुमानित 6.5% के दीर्घकालिक औसत के अनुरूप होगा।

टैक्स रेवेन्यू में आ सकती है कमी

ट्रंप ने अब काम में अड़चन डाल दी है। भारत का व्यापार और जीडीपी अनुमान से कम हो सकता है। टैक्स रेवेन्यू में भी कमी आ सकती है और राजकोषीय लक्ष्य अप्राप्य हो सकता है। वैश्विक जीडीपी में मंदी और विश्व बाजारों में चिंता भारत को अन्य तरीकों से प्रभावित करेगी। इससे भारत का सभी प्रकार के विदेशी निवेश के प्रति आकर्षण कम हो जाएगा। इसलिए भारत के शेयर और बॉन्ड बाजारों को नुकसान होगा।

भारत में ऐसा कौन सा दिखा 'खोट' परदेसियों ने दी 64 हजार करोड़ की 'चोट'

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के शेयर बाजार में ऐसा कौन सा खोट विदेशी निवेशकों को दिखाई देने लगा कि उन्होंने जनवरी के महीने में 64 हजार करोड़ रुपए निकाल लिए हैं। खास बात तो ये है कि बीते दो दशकों में से ज्यादा समय तक शेयर बाजार के इतिहास में किसी महीने के अंदर विदेशी निवेशकों की ओर से दूसरी सबसे बड़ी बिकवाली की गई है। अभी जनवरी का महीना खत्म नहीं हुआ है। इसमें अभी और गिरावट देखने को मिल सकती है।सबसे बड़ी बिकवाली किसी एक महीने में विदेशी निवेशकों ने पिछले साल अक्टूबर में की थी। तब एफपीआई ने शेयर बाजार से 94 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा निकाल लिए थे। वहीं ये तीसरा ऐसा मौका है जब किसी एक महीने में एफपीआई ने शेयर बाजार से 60 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा निकाले हैं। मार्च 2020 में एफआईआई ने करीब 62 हजार करोड़ रुपए शेयर बाजार से निकाले थे। विदेशी निवेशकों की इस बिकावाली की वजह से शेयर बाजार जनवरी के महीने में अब तक करीब 3 फीसदी टूट चुका है।

निकाल चुके हैं 64 हजार करोड़

भारतीय इक्विटी बाजारों से एफपीआई की बेरुखी लगातार जारी है, और उन्होंने इस महीने अब तक 64,156 करोड़ रुपये निकाले हैं। रुपये में गिरावट, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में इजाफा और कमजोर तिमाही नतीजों के चलते ऐसा हो रहा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने दिसंबर में 15,446 करोड़ रुपए का निवेश किया था। आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने इस महीने (24 जनवरी तक) अब तक भारतीय इक्विटी से 64,156 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। एफपीआई ने इस महीने दो जनवरी को छोड़कर सभी दिनों में बिकवाली की। अगर बात डेट मार्केट की करें तो जनवरी के महीने में विदेशी निवेशकों ने 4399 करोड़ रुपए की बिकवाली की है।

इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी बिकवाली

खास बात तो ये है कि जनवरी में विदेशी निवेशकों की बिकवाली शेयर बाजार के इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी बिकवाली बनने जा रही है। जनवरी का महीना अभी खत्म नहीं हुआ है। विदेशी निवेशकों ने 64 हजार करोड़ रुपए पहले ही निकाल लिए है। अनुमान लगाया जा रहा है कि जनवरी का महीना खत्म होने तक विदेशी निवेशक शेयर बाजार से 70 हजार करोड़ रुपए निकाल चुके होंगे।

बजट से पहले रिलायंस ने बनाया नुकसान का रिकॉर्ड, 5 दिन में मुकेश अंबानी के डूबे 75 हजार करोड़

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बजट से करीब एक हफ्ता पहले देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को मोटा नुकसान हुआ है. शेयर बाजार में कंपनी के शेयर में गिरावट आने की वजह से कंपनी के मार्केट कैप से करीब 75 हजार करोड़ रुपए कम हो गए हैं. वहीं दूसरी ओर एलआईसी और एसबीआई के मार्केट कैप में भी बड़ी गिरावट देखी गई है. देश के दूसरे सबसे बड़े लेंडर आईसीआईसीआई बैंक के मार्केट कैप में भी गिरावट देखने को मिली है. वैसे पिछले सप्ताह देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में चार के संयुक्त बाजार पूंजीकरण में 1,25,397.45 करोड़ रुपए की गिरावट आई. दूसरी ओर देश की टॉप 10 कंपनियों में से 6 कंपनियों के मार्केट कैप में इजाफा हुआ है. इन कंपनियों के मार्केट कैप में संयुक्त रूप में 58,554.88 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली है. सबसे ज्यादा इजाफा देश की बड़ी आईटी कंपनियों में शुमार इंफोसिस के मार्केट कैप में बढ़ोतरी देखी गई है. टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, एयरटेल, आईटी और एचयूएल के मार्केट कैप में बढ़ोतरी देखी गई है. पिछले सप्ताह, बीएसई सेंसेक्स में 428.87 अंक या 0.55 प्रतिशत की गिरावट आई, और निफ्टी 111 अंक या 0.47 प्रतिशत टूटा.

देश की इन कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट

देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 74,969.35 करोड़ रुपए घटकर 16,85,998.34 करोड़ रुपए रह गया.देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसीआई) का मूल्यांकन 21,251.99 करोड़ रुपए घटकर 5,19,472.06 करोड़ रुपए रह गया.देश का सबसे बड़ा सरकारी लेंडर भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 17,626.13 करोड़ रुपए घटकर 6,64,304.09 करोड़ रुपए पर आ गया. देश का दूसरा सबसे बड़र प्राइवेट लेंडर आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 11,549.98 करोड़ रुपए घटकर 8,53,945.19 करोड़ रुपए रह गया.दूसरी ओर, देश की बड़ी आईटी कंपनियों में शुमार इंफोसिस का बाजार पूंजीकरण 24,934.38 करोड़ रुपए बढ़कर 7,78,612.76 करोड़ रुपए हो गया.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणे • ऋतु • शिशिर
महावीर निर्वाण संवत •2051,हिजरी सन् •1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-52 सूर्यास्त. - 18-05
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् •5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् •1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल •• पूर्व • कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी . 20-34 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास • माघ कृष्ण , सोमवार 27 January
नक्षत्र • मूल 09-02 तक उपरान्त पूर्वाषाढा
योग • हर्षण 01-56 तक उप वज्र
करण- गर 08-50 तक उप वणिज
विशेष:- सोम प्रदोष व्रत
व्रत •त्योहार • मास शिवरात्रि

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	मकर	मे	मकर...	06-01	बजे
चंद्र-	धनु	मे	कुंभ...	07-52	बजे
मंगल	मिथुन (व)	मे	मीन...	09-30	बजे
बुध-	मकर	मे	मेष...	11-06	बजे
गुरु-	वृष	मे	वृष...	12-48	बजे
शुक्र-	कुंभ	मे	मिथुन	14-52	बजे
शनि-	कुंभ	मे	कर्क..	17-03	बजे
राहु-	मीन	मे	सिंह...	19-16	बजे
केतु-	कन्या	मे	कन्या...	21-24	बजे
			तुला....	23-28	बजे
			वृश्चिक..	01-37	बजे
			धनु......	03-52	बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 08:15 से 09:40 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06:52 - 08:15	शुभ	चंचल.	18:05 - 19:43	शुभ
काल	08:15 - 09:40	अशुभ	रोग	19:43 - 21:18	अशुभ
शुभ	09:40 - 11:04	शुभ	काल	21:18 - 22:54	अशुभ
रोग	11:04 - 12:29	अशुभ	लाभ.	22:54 - 00:29	शुभ
उत्पात	12:29 - 13:54	अशुभ	उत्पात	00:29 - 02:04	अशुभ
चंचल.	13:54 - 15:18	शुभ	शुभ	02:04 - 03:40	शुभ
लाभ.	15:18 - 16:43	शुभ	अमृत	03:40 - 05:15	शुभ
अमृत.	16:43 - 18:05	शुभ	चंचल	05:15 - 06:52	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप नए दोस्त बना सकते हैं और नए काम हाथ में ले सकते हैं । हमेशा की तरह अपने आप में यकीन बनाये रखें । इससे आप अपने लिए हर तय मंजिल तक पहुच पायेंगे । भविष्य की योजनायें बनाने के लिए बहुत अच्छा समय है,लेकिन वित्तीय स्थिति का ध्यान रखें ,जरुरत पड़ने पर ही खर्च करें। इस बात का ध्यान रखें कि आप क्या खा रहे हैं।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आप काल्पनिक से मूड में हैं । अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है । आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं ।आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे हालाँकि बड़े फैसले लेने के लिए यह समय ठीक नही है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे । यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं । टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी । आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
एकरसता आपको अच्छी न लगती । इससे आप बोर अनुभव करते हैं । आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे । अपनी दिनचर्या बदलें । इसमें फिटनेस को जगह दें । किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं । आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें । ऑफिस में नयी पहचान बनेगी । कुल मिलकर दिन हल्का-फुल्का गुजरेगा । काम कम रहेगा । आप सकारात्मकता के श्रोत बने रहेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आप खुद की जरुरत से अधिक आलोचना करने के मूड में हैं । आपको भी पता है कि आपकी अधिकतर चिंताएं निरर्थक हैं,फिर भी आप चिंता करते रहते हैं । इसका एकमात्र समाधान यह है कि अपने किसी ऐसे करीबी से सा अपनी चिंताओं के बारे में बात करें जो आपको सहारा दे सके । इससे पहले कि आप विकर्षित अनुभव करें ,आपको किसी विश्वसनीय व्यक्ति से सलाह लेनी चाहिए ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
सामान्यत आप काफी स्पष्ट सोच रखते हैं ,लेकिन आज आप अपनी निजी समस्याओं और अपनी असुरक्षाओं से घिरे होने के कारण स्पष्ट नही सोच पायेंगे । इसलिए आज का दिन किसी नए काम को हाथ में लेने या नयी साझेदारी के लिए उपयुक्त नही है । आपके आज के फैसले गलत हो सकते हैं । इसीलिए भविष्य के कार्यक्रमों की योजना आज बनाना सही नही है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोडा नम्र बनना पड़ेगा । आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेष्ण करें । यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झाँकने का बहुत अच्छा समय है और आपको इसका उपयोग अपनी कमियां दूर करने के लिए इसका उपयोग जरुर करना चाहिए ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
पिछले काफी समय से जिस अटके काम को करने की सोच रहे हैं वह आज होने की उम्मीद है । खासी शारीरिक मेहनत करनी पड़ सकती है । आज सामाजिक और वित्तीय दृष्टि से भी लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है। अपने प्रियजनों से किसी भी प्रकार के टकराव से बचें । सितारे कहते हैं की यदि आज कोई भी टकराव हुआ तो तुरंत बात बढ़ जायेगी ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है ।आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ । अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है । अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने सम्बन्धियों से बात कर सकते हैं । प्यार से बातचीत करें और नम्र बने रहें । अगर आप अभी स्थिति को नही संभाल पा रहें हैं तो अभी इसे छोड़ दें । अगर मूड हल्का करना चाहते हैं तो शाम को किसी समारोह में भाग लें ।आध्यात्मिकता और विश्वास पर फोकस करने से आपको सहायता मिलेगी ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप आज ऊर्जा से भरे हैं,आपके आकर्षण और कुशलता से आज घर-ऑफिस में सब प्रभावित होंगे । अपने दोस्तों या किसी ख़ास के साथ बाहर घुमने जाकर मजे करें । दिन शांत और तनावरहित रहेगा । आज अच्छा वित्तीय लाभ होने की सम्भावना तो बनी हुई है,लेकिन अपने खरीदारी के खर्चो पर भी नजर रखें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

चीन को ईंट का जवाब पत्थर से देगा भारत

'वॉटर बम' से मुकाबले के लिए अरुणाचल में बनाएगा बांध

नई दिल्ली,26 जनवरी (एजेंसियां)। चीन यारलुंग त्सांगपो नदी पर हाइड्रोपावर (जलविद्युत) प्रोजेक्ट के लिए बांध बनाने जा रहा है। यह दुनिया का सबसे बड़ा बांध होगा। चीन के इस बांध से 60 हजार मेगावाट बिजली पैदा होगी। इसे 'वॉटर बम' के नाम से भी जाना जा रहा है। चीन के इस प्रोजेक्ट पर भारत समेत दुनिया के कई देश सवाल उठा चुके हैं। वहीं अब भारत ने भी चीन के बांध का जवाब बांध से देने की तैयारी कर ली है। चीन की इस यारलुंग त्सांगपो नदी को अरुणाचल प्रदेश में सियांग और असम में ब्रह्मपुत्र नाम से जाना जाता है।

क्या है भारत की तैयारी?

चीन को इस बांध का जवाब देने के लिए भारत अरुणाचल प्रदेश में अपना सबसे बड़ा हाइड्रोपावर बांध बनाने की तैयारी कर रहा है। इकॉनमिक टाइम्स के अनुसार 1.5 लाख करोड़ रुपये की लागत वाले इस प्रोजेक्ट की जल भंडारण क्षमता 9.2 अरब क्यूबिक मीटर (बीसीएम) है। 465 मीटर ऊंचे इस बांध को इसे सियांग नदी (ब्रह्मपुत्र) पर बनाया जाना है। इस बांध का उद्देश्य मैकमोहन रेखा के ठीक पार मेडोग में नदी पर चीन की ओर से बनाए जा रहे एक विशाल बांध का मुकाबला करना है।

अगले महीने से शुरू होगी तैयारी

अरुणाचल प्रदेश में बनने वाले इस बांध की तैयारी अगले महीने से शुरू होगी। इस प्रोजेक्ट के लिए अरुणाचल प्रदेश के सियांग जिले के एक गांव पारोंग को चुना गया है। अगले महीने स्टडी के लिए यहां ड्रिलिंग मशीन पहुंचने की उम्मीद है। अधिकारियों के मुताबिक साइट प्री-फिजिबिलिटी स्टडी में लगभग एक महीने का समय लग सकता है।

साल 2017 में आया था प्रस्ताव

अरुणाचल प्रदेश में बनने वाले इस बांध का प्रस्ताव सबसे पहले साल 2017 में आया था। इसके बाद वहां कुछ विरोध-प्रदर्शन भी हुआ। इसके चलते इस प्रोजेक्ट की आगे की गति काफी धीमी हो गई। अब जब चीन तिब्बत में इस नदी पर बांध बना रहा है तो भारत ने भी अरुणाचल प्रदेश में बनाए जाने वाले इस बांध को लेकर चर्चा तेज कर दी है।

क्या होगा फायदा-नुकसान?

इस बांध के बनने से 11 हजार मेगावाट बिजली पैदा होगी। वहीं सरकार का कहना है कि इस बांध का बड़ा जलाशय आगामी मेडोग बांध की ओर से नदी के प्रवाह को बेहतर करेगा। साथ ही अचानक आने वाली बाढ़ या पानी की कमी से सुरक्षा करेगा।अलजजीरा की एक रिपोर्ट में इस बांध के कुछ खतरे भी बताए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि इससे करीब 20 गांव जलमग्न हो जाएंगे। वहीं करीब दो दर्जन से अधिक गांव आंशिक रूप से डूब जाएंगे जिससे हजारों निवासी बेघर हो जाएंगे।

चीन के 'वॉटर बम' निपट लेगा भारत!

चीन के बांध को वॉटर बम इसलिए कहा जा रहा है कि अगर ड्रैगन ने इस बांध से पानी छोड़ दिया तो इससे भारत का उत्तर-पूर्वी हिस्सा काफी प्रभावित होगा। कई इलाके पूरी तरह डूब जाएंगे।

सस्ते या मिड रेंज ही नहीं, प्रीमियम गुड्स की बिक्री भी हो गई है धीमी, क्या है संकेत

मुंबई,26 जनवरी (एजेंसियां)। अर्थव्यवस्था में इन दिनों कंज्यूमर गुड्स उस हिसाब से नहीं बिक रहे हैं, जैसी कि आशा थी। विशेषज्ञ कहने लगे हैं कि यह सब मंदी के लक्षण हैं। मंदी का असर सिर्फ सस्ती चीजों में ही नहीं, प्रीमियम वस्तुओं में भी साफ-साफ दिखने लगा है। आप चाहे प्रीमियम ग्रोसरी प्रोडक्ट्स की बात करें या महंगी शराब , महंगे कपड़ों और महंगे जूते-चप्पल। सबकी बिक्री घट गई है। बड़े शहरों में तो खास तौर पर इन सामानों की बिक्री की घटी है। इस क्षेत्र के जानकार बताते हैं कि आमदनी में कमी और महंगाई के कारण लोग बड़े पैमाने पर खरीदारी में कटौती कर रहे हैं।

खरीददारी की सूची हो रही है छोटी

हमारे सहयोगी ईटी की एक रिपोर्ट बताती है कि हिंदुस्तान यूनिलीवर , डियाजियो इंडिया, शॉपर्स स्टॉप, रिलायंस रिटेल और मेट्रो ब्रांड्स जैसी कंपनियों का कहना है कि ग्राहकों ने कम या मध्यम कीमत वाले प्रोडक्ट्स की खरीदारी की सूची कम कर रहे हैं। लेकिन एक रुझान तो दिखा है। वह है प्रीमियमीकरण का रुझान। दरअसअल विवेकाधीन श्रेणियों विवेकाधीन श्रेणियाँ में अभी भी खरीदारी जारी है।

छोटे पैक को मिल रही है तवज्जो

एचयूएल के प्रबंध निदेशक रोहित जावा ने कहा, 'प्रीमियमीकरण का धर्मनिरपेक्ष रुझान लचीला बना हुआ है, इस तिमाही में प्रीमियम सेगमेंट हमारे सेगमेंट से आगे बढ़ रहा है।' 'यह दर्शाता है कि उपभोक्ताओं की ज़रूरतें और अपग्रेड करने की आकांक्षाएं विकसित होती रहती हैं। हालांकि, वे इस समय अपने संपूर्ण खर्च को मैनेज करने के लिए छोटे पैक का विकल्प चुन रहे हैं। प्रीमियमीकरण वास्तव में वह जगह है जहां देश, बाजार जा रहा है।'

शराब में क्या है स्थिति

यूनाइटेड स्पिरिट्स की प्रबंध निदेशक हिना नागराजन ने बीते शुक्रवार को निवेशकों को बताया कि पेय पदार्थ बनाने वाली कंपनी को खपत में और सुधार की उम्मीद है। उन्होंने बताया 'लंबी अवधि के प्रीमियमीकरण रुझानों की निरंतरता देखना उत्साहजनक है, भले ही शीर्ष स्तर को अपनी ऐतिहासिक गति हासिल करने में कुछ और तिमाहियां लग सकती हैं। पोर्टफोलियो में गिरावट के कोई बड़े संकेत नहीं देखे गए हैं।'

शहरी विकास धीमा

अधिकांश कंज्यूमर कंपनियों की दिसंबर तिमाही की आय से संकेत मिलता है कि शहरी विकास धीमा हो गया है, जबकि ग्रामीण मांग धीरे-धीरे ठीक हो रही है।

भारत का बजा अमेरिका में डंका

हर घंटे हुआ 80 करोड़ का सामान एक्सपोर्ट

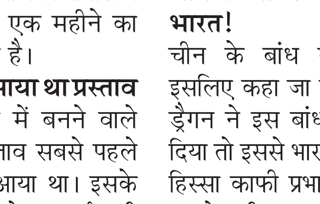

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भले ही अमेरिका में ट्रंप की युग की शुरूआत हो गई हो। ट्रंप ने ब्रिक्स देशों में जिसका भारत में भी मेंबर है पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी हो। बवजूद इसके भारत के सामान का डंका पूरे अमेरिका में बज रहा है। सरकारी आंकड़ों से जानकारी निकलकर सामने आई है कि वो बेहद चौंकाने वाली है। मौजूदा वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में भारत ने अमेरिका में हर घंटे करीब 80 करोड़ रुपए का सामान एक्सपोर्ट किया है। वैसे जनवरी का डाटा अगले महीने आएगा। जिसको देखना और भी दिलचस्प होगा। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर अप्रैल 2024 से दिसंबर 2024 तक भारत के अमेरिका में एक्सपोर्ट का आंकड़ा किस तरह का देखने को मिला है।अमेरिका को भारत का वस्तु निर्यात चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीने (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान 5.57 फीसदी बढ़कर 59.93 अरब डॉलर यानी 5.2 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। इसका मतलब है कि भारत ने अमेरिका को हर घंटे 80 करोड़ रुपए का सामान एक्सपोर्ट किया है। अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की मजबूत मांग से निर्यात में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में अमेरिका को भारत का निर्यात 8.49 फीसदी बढ़कर सात अरब डॉलर रहा है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में अमेरिका से भारत का आयात 1.91 प्रतिशत बढ़कर 334 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं दिसंबर में यह 9.88 प्रतिशत बढ़कर 3.77 अरब डॉलर रहा है।

भारत-अमेरिका बाइलेटरल ट्रेड

विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा रुझान को देखते हुए कहा जा सकता है कि आगामी महीनों में दोनों देशों के बीच व्यापार और बढ़ेगा। अप्रैल-दिसंबर के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 93.4 अरब डॉलर रहा। वहीं ,इसी अवधि में भारत और चीन के बीच व्यापार 94.6 अरब डॉलर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका और चीन के बीच संभावित ट्रेड वॉर भारतीय निर्यातकों के लिए बड़ी संभावनाएं पैदा करेगा।

भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर

वर्ष 2021-22 से अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। भारत के कुल माल निर्यात में अमेरिका का हिस्सा लगभग 18 फीसदी प्रतिशत है, इंपोर्ट में यह छह प्रतिशत से अधिक है। वहीं द्विपक्षीय व्यापार में यह लगभग 11 प्रतिशत बैठता है। कुछ विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि यदि अमेरिका कुछ भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगाता है, जैसा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है, तो इससे व्यापार प्रभावित हो सकता है।

इस इंडियन मल्टीनेशनल आईटी कंपनी में आ रहे नए सुप्रीम बॉस, 2030 तक संभालेंगे कमान

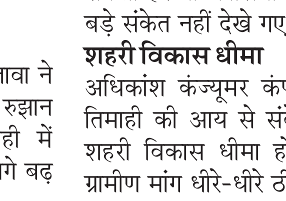

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय कंपनियों की कॉरपोरेट लीडरशिप में यह बदलाव का दौर है। हाल के दिनों में कई कंपनियों के सीईओ, एमडी या चेयरमैन बदले हैं। भारत की मल्टी नेशनल आईटी कंपनी एलटीआईमाइंडट्री की कमान भी नए सीईओ संभालने जा रहे हैं। वेणु लंबू पांच साल के लिए इस कंपनी के नए सीईओ बनाए गए हैं।वे 2030 तक इस पद पर बनेंगे रहेंगे। पिछले साल सवा चार अरब डॉलर की कमाई करने वाली इस कंपनी के प्रेसिडेंट के तौर पर वेणु लंबू 2020 में भी जिम्मेवारी संभाल चुके हैं। उसके बाद जनवरी 2023 में वे नीदरलैंड की कंपनी रैंडस्टैंड डिजिटल के सीईओ बनकर कंपनी से चले गए। वेणु लंबू देवाशीष चटर्जी को रिप्लेस करेंगे, जो कंपनी की स्थापना से अभी तक कंपनी को लीड कर रहे थे।

2030 तक संभालेंगे कमान

एलटीआई माइंडट्री देश की छठीं सबसे बड़ी आईटी कंपनी है। कंपनी की ओर से स्टॉक एक्सचेंज को दी गई रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा गया है कि जनवरी 2030 तक के लिए लंबू को सीईओ के तौर पर नियुक्त किया गया है। हालांकि, लंबू के सीईओ का चार्ज लेने की ऑफिशियल तारीख के बारे में अभी कुछ नहीं कहा गया है। लंबू कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर में भी शामिल होंगे, हालांकि उनका ठिकाना लंदन से बाहर होगा। ग्लोबल मार्केट लीड सुधीर चतुर्वेदी के कंपनी छोड़ने के बाद लंबू की कंपनी में वापसी संभव हो पाई है। लाइव मिंट की रिपोर्ट के मुताबिक, लंबू के सीईओ बनने के बाद कंपनी के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर नचिकेत देशपांडे सीईओ बनने की रेस से बाहर हो गए हैं।

लार्सन एंड टूब्रो की सब्सिडियरी है एलटीआई माइंडट्री

एलटीआई माइंडट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की दिग्गज कंपनी लार्सन एंड टूब्रो की आईटी इंडस्ट्री सब्सिडियरी है। 2019 में माइंडट्री को खरीदने के बाद लार्सन एंड टूब्रो ने अपनी आईटी विंग एलएंडटी इंफोटेक को माइंडट्री में मर्ज कर दिया था।

आईआईटी में गब्बर का रोल करते थे केजरीवाल

सरकारी नौकरी छोड़ झुग्गियों में रहे ; पार्टी बनाकर सालभर में बने दिल्ली सीएम

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 2 अक्टूबर 2012 को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में 'जनलोकपाल आंदोलन' से जुड़े लोगों का जमावड़ा लगा था। आधी बांह की ढीली शर्ट पहने अरविंद केजरीवाल ने मंच से एक नई राजनीतिक पार्टी का ऐलान कर दिया। इसका मकसद बताते हुए उन्होंने गीत गाया- 'इंसान का इंसान से हो भाईचारा... यही पैगाम हमारा।' 26 नवंबर 2012 को आम आदमी पार्टी ऑफिशियली लॉन्च हुई। महज एक साल बाद 28 दिसंबर 2013 को केजरीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

IIT खड़गपुर में केजरीवाल के क्लासमेट रहे प्राण कुरूप अपनी किताब 'अरविंद केजरीवाल एंड द आम आदमी पार्टी: एन इनसाइड लुक' में लिखते हैं, 'अरविंद ने पहला चुनाव हमारे मेस सेक्रेटरी का लड़ा था। बिना प्रचार और बहुत कम मशक्कत से वे जीत गए थे। एक्टिव पॉलिटिक्स में आए तो इतनी ही आसानी से उन्होंने दिल्ली में शीला दीक्षित का 15 साल का शासन खत्म कर दिया

अरविंद केजरीवाल की पैदाइश 16 अगस्त 1968 को हरियाणा के भिवानी जिले में सिवानी कस्बे की है। हिसार के कैंपस स्कूल और सोनीपत के होली चाइल्ड स्कूल से पढ़ाई हुई। शुरू से मेधावी रहे अरविंद की IIT के एंट्रेंस एग्जाम में ऑल इंडिया रैंक 563 आई। उन्होंने IIT खड़गपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग स्ट्रीम चुनी। अरविंद IIT खड़गपुर की ड्रामा सोसाइटी के मेंबर थे। उन्होंने कई नाटकों में एक्टिंग की थी। उनके क्लासमेट प्राण कुरूप लिखते हैं, अरविंद और मेरी दोस्ती पहली बार रैगिंग के समय हुई थी। सीनियर्स हमसे शोले के कुछ सीन प्ले करने को कहते थे। अरविंद को गब्बर और मुझे हेलन का रोल करने के लिए कहा जाता था।

1989 में डिग्री पूरी करने के बाद अरविंद ने जमशेदपुर के टाटा स्टील प्लांट में तीन साल काम किया। 1992 में उन्होंने इस्तीफा दे दिया, क्योंकि सिविल सर्विस की तैयारी करनी थी। इससे पहले अरविंद कुछ समय के लिए कोलकाता में रुके। यहां मदर टेरेसा से मिले। कुछ महीने रामकृष्ण मिशन में भी सेवा की।

1993 में अरविंद का सिलेक्शन यूपीएससी के जरिए जॉइंट इनकम टैक्स ऑफिसर के पद पर हुआ। ये नौकरी उन्हें ज्यादा दिन रास नहीं आई। दिसंबर 1999 में 'परिवर्तन' एनजीओ शुरू किया। जनवरी 2000 में उन्होंने सरकारी नौकरी से इस्तीफा दे दिया और फुल टाइम सोशल वर्क करने लगे।

अरविंद और उनकी पत्नी सुनीता की पहली मुलाकात नागपुर की 'नेशनल एकेडमी ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज' में हुई। दोनों इंडियन रेवेन्यू सर्विसेज यानी आईआरएस में सिलेक्ट हुए थे और यहां साथ में ट्रेनिंग कर रहे थे। सुनीता दिल्ली की रहने वाली थीं। एक रोज किसी मुद्दे पर दोनों में डिस्कशन हुआ, इसके बाद दोस्ती और फिर एक-दूसरे को पसंद करने लगे। दोनों की जाति और प्रोफेशन एक थे, इसलिए घरवालों ने भी कोई विरोध नहीं किया। 15 अगस्त 1994 को दोनों की सगाई और 17 नवंबर को शादी हो गई।

सुनीता केजरीवाल बताती हैं, 'शादी के बाद उन्होंने मुझसे पहला सवाल यही पूछा कि सोशल वर्क मेरा पैशन है, तुम इस बारे में क्या सोचती हो। मैंने कहा मैं हर फैसले में तुम्हारे साथ हूं।' 2015 में दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की जीत के बाद केजरीवाल ने पत्नी सुनीता को गले लगाया, उन्होंने X (तब ट्विटर) पर यह तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'हमेशा मेरा साथ देने के लिए शुक्रिया सुनीता।'

प्राण कुरूप एक इंटरव्यू में बताते हैं, 'मैं दिल्ली के सुंदर नगरी इलाके में अरविंद से मिलने लगा। ये झुग्गी-झोपड़ियों वाला इलाका था। एक स्थानीय लड़का मुझे गलियों से घुमाते हुए एक झोपड़ी के सामने छोड़कर चला गया। 'वहां एक तख्ते पर हम दोनों बैठे हुए थे। मैंने पूछा कि भाई तू ये क्या कर रहा है, उसने कहा- मैं गरीबों के बीच रहकर उनकी तरह जीने की कोशिश कर रहा हूं, ताकि उनकी मुश्किलों का कुछ हल निकाल सकूं। मैं यकीन नहीं कर पा रहा था कि मेरा आईआईटीयन दोस्त जो इंडियन रेवेन्यू सर्विस में था वो झोपड़-पट्टी में रह रहा था। अरविंद केजरीवाल के साथ शुरू में काम कर चुके राहुल शर्मा बताते हैं, 'अरविंद और हमारी टीम सरकारी दफ्तरों के बाहर खड़ी हो जाती थी। हमें पता था कि यहां बिना भेंट चढ़ाए कुछ काम नहीं होता। एक किस्सा 2005 का है, राहुल के मुताबिक, अरविंद एक बार बिजली कंपनी के दफ्तर के बाहर खड़े थे। बिजली कनेक्शन के लिए एक व्यक्ति रोज दफ्तर आ रहा था। उसे बस्ती में ही गृह उद्योग के लिए ज्यादा लोड वाला कनेक्शन चाहिए था। हर बार बस्ती का पता देखकर उसकी एप्लिकेशन रिजेक्ट कर दी जाती। जब वो हाथ पैर जोड़ने लगता तो क्लर्क कहता कि दस हजार रुपए दे तो काम हो जाएगा।

उसने अपनी परेशानी अरविंद

को बताई। अरविंद उसे लेकर क्लर्क के पास गए और पूछा कि किस कानून के तहत आप ये कनेक्शन नहीं कर रहे हैं। क्लर्क अपनी ऐंठ में था। उसने अरविंद को भी चलता कर दिया। अरविंद क्लर्क के पास दोबारा गए और उसको बताया कि उन्होंने इस मामले पर आरटीआई लगाकर पूछा है कि कनेक्शन क्यों नहीं दिया जा सकता। इसके बाद उस व्यक्ति को कनेक्शन मिल गया। राहुल शर्मा कहते हैं, 'अरविंद ऐसे लोगों के लिए मसीहा थे। इसीलिए ऐसे लोग आज भी उनके ब्लाइंड फॉलोअर हैं। उन्हें 2006 में सरकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ सूचना के अधिकार का उपयोग करने के लिए रेमन मैग्सेसे पुरस्कार मिला था।'

सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार की जांच के लिए जिले स्तर पर एक लोकपाल नियुक्त करने की मांग दशकों पुरानी है। इसके लिए साल 1968 से 2008 तक 8 बार संसद में 'जन लोकपाल विधेयक' पेश किया गया, लेकिन कभी पारित नहीं हो सका।

14 नवंबर 2010 को राष्ट्रमंडल खेलों में हुए कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ पतंजलि के बाबा रामदेव ने दिल्ली में जंतर-मंतर पर धरना दिया और फिर दिल्ली के रामलीला मैदान में एक बड़ी रैली की। अरविंद केजरीवाल और अन्ना हजारे के अलावा, प्रशांत भूषण, स्वामी अग्निवेश और मेधा पाटकर जैसे लोग इसमें शामिल हुए।

5 अप्रैल 2011 को इस आंदोलन ने तब जोर पकड़ा जब अन्ना हजारे ने संसद से जन लोकपाल विधेयक पारित करने की मांग के साथ जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल शुरू की। अन्ना के आंदोलन के समर्थन में देश-विदेश तक लोग रैलियां निकाल रहे थे। अरविंद इस समय अन्ना के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक थे। बिल का मसौदा तैयार करने वाली कमेटी में सरकार के लोगों के अलावा जनता की तरफ से अरविंद केजरीवाल और प्रशांत भूषण जैसे लोग थे। इधर 5 जून को रामलीला मैदान में विरोध प्रदर्शन कर रहे बाबा रामदेव को हिरासत में ले लिया गया। 27 अगस्त को जनलोकपाल बिल पर संसद में बहस शुरू हो गई तो अगले दिन अन्ना ने अपना अनशन तोड़ दिया। 27 दिसंबर 2011 से 3 अगस्त तक अन्ना तीन बार फिर अनशन पर बैठे। बिल संसद में पेश तो हुआ, लेकिन पारित नहीं हो सका।

सरकार पर दबाव डालने की कोशिश में नाकाम रहने के बाद आंदोलन दो हिस्सों में बंट गया। अन्ना मुख्यधारा की राजनीति से नहीं जुड़ना चाहते थे, वहीं अरविंद ने 'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' नाम का एक फ्रंट बना लिया था। 26 नवंबर को केजरीवाल ने पार्टी लॉन्च कर दी। केजरीवाल पर अन्ना के आंदोलन का राजनीतिक फायदा उठाने का आरोप भी लगा, हालांकि पार्टी को दिल्ली विधानसभा चुनाव में जबरदस्त सफलता मिली।

ऐसी दीवानगी कि सट्टेबाज सुधर गए

पत्रकार रामेश्वर दयाल कहते हैं कि दिल्ली में केजरीवाल की जबरदस्त दीवानगी थी। करोल बाग के मेरे जानने वाले एक बहुत बड़े सट्टेबाज थे। वो केलों से भरा टेम्पो लेकर आए थे, ताकि आंदोलन कर रहे लोगों को भूखा न रहना पड़े। मैंने उनसे कहा कि आप तो सट्टा खिलाते हैं और अब ये पुण्य का काम क्यों? वो बोले- बंदा शानदार काम कर रहा है। काम अपनी जगह है, देश अपनी जगह। हालात ये हो गए थे कि मेट्रो, बस, सड़क, कनॉट प्लेस, इंडिया गेट हर जगह लोग नारे लगा रहे थे और केजरीवाल की बात कर रहे थे।'

2013 के विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल ने सीएम शीला दीक्षित को नई दिल्ली सीट से हराया, लेकिन आम आदमी पार्टी को केवल 28 सीटें मिली थीं। ये पहली बार था कि समर्थन देने वाली नहीं, समर्थन लेने वाली पार्टी शर्तें रख रही थीं। कांग्रेस मंत्रिमंडल में शामिल हुए बिना समर्थन को तैयार थी। पूर्व सीएम शीला दीक्षित ने इसका विरोध किया, लेकिन पार्टी आलाकमान के आगे उनकी नहीं चली। कांग्रेस के समर्थन से केजरीवाल ने सरकार बनाई। वे आम आदमी की तरह मेट्रो से सफर कर शपथ लेने पहुंचे। कांग्रेस के लीडर्स को लग रहा था कि ये नया खिलाड़ी है क्या सरकार चलाएगा। 1970 के दशक में जनता पार्टी जैसा ही आम आदमी पार्टी का हाल होगा। केजरीवाल ने सरकार बनते ही लोगों से किया मुफ्त बिजली और पानी जैसे वादे पूरे कर दिए। लोगों का भरोसा मजबूत हो गया था, तभी अरविंद केजरीवाल ने 49 दिन बाद 14 फरवरी 2014 को इस्तीफा दे दिया।

इस बीच उन्होंने 2014 में वाराणसी से पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ा। तीन लाख वोटों से हारे। जब अरविंद समझ गए कि नेशनल पॉलिटिक्स में उनकी पूछ नहीं है, उन्होंने वापस दिल्ली पर फोकस किया। केजरीवाल ने जनता से पूर्ण बहुमत मांगा और नए सिरे से प्रचार किया। मफलर और स्वेटर पहने केजरीवाल कहीं भी सभा शुरू कर देते। राष्ट्रपति शासन के सालभर बाद दिल्ली में फिर चुनाव हुए और इस बार आप को 70 में से रिकॉर्ड 67 सीटें मिलीं। 14 फरवरी 2015 को दूसरी बार केजरीवाल ने सीएम पद की शपथ ली।

जेल जाने वाले पहले सीएम बने केजरीवाल

नवंबर 2021 में दिल्ली सरकार ने नई शराब नीति लागू की थी, इसमें घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगे। दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना की सिफारिश पर सीबीआई और ईडी ने मामले दर्ज किए। सितंबर 2022 में सरकार ने शराब नीति वापस ले ली। नवंबर 2023 से मार्च 2024 तक ईडी ने केजरीवाल को नौ समन जारी किए, केजरीवाल एक भी बार नहीं पहुंचे। 21 मार्च 2024 को ईडी ने उन्हें उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। इसी मामले में उनके मंत्री मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को भी जेल में रहना पड़ा।

28 मार्च को केजरीवाल को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। 10 मई को लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उन्हें 21 दिन की जमानत मिली। 2 जून को उन्हें फिर दिल्ली की तिहाड़ जेल भेज दिया गया। 20 जून को केजरीवाल को ट्रायल कोर्ट से तो जमानत मिल गई, लेकिन हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगा दी।

सीबीआई के मामले में 13 सितंबर को जमानत मिलने के बाद ही वह जेल से बाहर आ सके। 15 सितंबर को केजरीवाल ने समर्थकों से कहा, 'मैं सीएम की कुर्सी से इस्तीफा देने जा रहा हूं और मैं तब तक सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा जब तक जनता अपना फैसला न सुना दे।

इसके बाद केजरीवाल की सरकार में शिक्षा, पीडब्ल्यूडी जैसे कई विभागों की मंत्री रहीं आतिशी मार्लेना को दिल्ली का सीएम बनाया गया। वह सीएम ऑफिस में केजरीवाल की कुर्सी पर नहीं बैठीं, बल्कि उसके बगल में अपनी कुर्सी लगाई।

निकाय चुनाव के लिए बीजेपी ने जारी की सूची

पूजा विधानी बिलासपुर से मेयर प्रत्याशी

रायपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव 2025 को लेकर बीजेपी ने अपने प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी कर दी है। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के दो नगर पालिका परिषद के लिये भाजपा ने अपने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। गौरेला और पेंड्रा नगर पालिका परिषद के लिए जिला संगठन के कोषाध्यक्ष को गौरेला व सहकोषाध्यक्ष को पेंड्रा नगर पालिका परिषद से अपना प्रत्याशी बनाया है। इस दौरान प्रभारी मंत्री को भी टिकट फाइनल होने की जानकारी नहीं थी उन्हें जैसे ही टिकट फाइनल होने की जानकारी मिली उन्होंने प्रत्याशी को पास बुलाकर उन्हें बधाई दी है।

भाजपा जिला संगठन के द्वारा कल प्रेसवार्ता कर मरवाही नगर पंचायत अध्यक्ष के साथ जिले के सभी नगरीय निकाय जिसमे नगर पंचायत मरवाही,नगर पालिका परिषद पेंड्रा और नगर पालिका परिषद गौरेला के सभी 15 -15 वार्डों के लिए भाजपा ने अपने उम्मीदवारों के नाम जारी कर दिए थे साथ ही मरवाही नगर पंचायत के लिए अनिता गुप्ता पति दिलीप गुप्ता को अपना प्रत्याशी बनाया है तो आज भाजपा प्रदेश संगठन के द्वारा नगर पालिका परिषद गौरेला से भाजपा ने मुकेश दुबे तो नगर पालिका परिषद पेंड्रा से रितेश फरमनिया को अपना उमीदवार बनाया है।

26 जनवरी गणतंत्र दिवस के दौरान आज गुरुकुल मैदान में कार्यक्रम के बाद प्रभारी मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से मीडिया की बातचीत के दौरान उन्हें यह जानकारी ही नहीं थी कि भाजपा ने टिकट फाइनल कर दिया है हालांकि जैसे ही उन्हें टिकट फाइनल होने की जानकारी मिली तो तत्काल मंत्री जी ने गौरेला नगर पालिका परिषद से प्रत्याशी बने मुकेश दुबे को पास बुलाकर उन्हें जीत की अग्रिम बधाई दी। वही चुनाव के लिए टिकट बटने के बाद असन्तोष नेताओं को लेकर मंत्री जी ने कहा है लोकतंत्र में सभी को अधिकार होता है कि वो जनप्रतिनिधि के रूप में प्रतिनिधित्व करें, हालांकि जो नेता असंतुष्ट है उनसे बातचीत करके उन्हें संतुष्ट किया जाएगा,वही कांग्रेस के द्वारा लगाए गए आरोप जिसमे कांग्रेस ने कहा है कि भाजपा नगरीय निकाय चुनाव में ऐसे लोगो को टिकट दिया है जो बड़े नेताओं के चाटुकारिता करते है जिस पर श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि बेगानो की शादी में अब्दुल्ला दीवाना हमारे यहां की टिकट से कांग्रेस को क्या लेना देना अभी उनकी टिकट फाइनल होने दीजिए देखिएगा कितनो के कपड़े फटेंगे,वही गौरेला और पेंड्रा नगरीय निकाय में कोषा अध्यक्ष और सह कोषा अध्यक्ष को टिकट देने की बात पर उन्होंने कहा कि यह संयोग ही हो सकता है कि गौरेला से जिन्हें टिकट दिया गया वे जिला भाजपा संगठन के कोषा अध्यक्ष है और पेंड्रा से जिन्हें टिकट मिला वे सह कोषाध्यक्ष है।

वही बस्तर में आजादी के बाद तिरंगा फहरने की बात पर उन्होंने कहा कि आने वाले 2026 का जो ध्वजारोहण होगा वो सभी जगह होगा और 2027 में जो ध्वजारोहण होगा वो शत प्रतिशत जगहों पर होगा। क्योंकि गृह मंत्री अमित शाह ने 2026 में नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ की बात कही है। बीजापुर में नगर पालिका बीजापुर अध्यक्ष पद के नाम की घोषणा के बाद भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने अपने ही पार्टी के खिलाफ खोला मोर्चा खोल दिया है।

'आखिरकार मेहनत रंग लाई', झारखंड के संगीत को संरक्षित करने के लिए महाबीर नायक को पद्मश्री

रांची 26 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या को केंद्र सरकार ने पद्म पुरस्कार विजेतों के नाम की सूची जारी की। इस सूची में देशभर के कई जाने माने तो कई गुमनाम नायकों का नाम शामिल है। सूची में ऐसा ही एक नाम झारखंड के महाबीर नायक का है। झारखंड के संगीत व संस्कृति को बचाने और इसके अस्तित्व को पुनः स्थापित करने में महाबीर नायक का बहुत बड़ा योगदान है। इसीलिए उन्हें पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

केंद्र सरकार द्वारा जारी सूची में पद्मश्री सम्मान के लिए चयनित होने के बाद महाबीर नायक ने अपनी खुशी जताई। उन्होंने कहा कि उनकी मेहनत अब रंग लाई है और यह सम्मान उन्हें और भी प्रेरित करेगा ताकि वे राज्य की कला, संस्कृति और संगीत को संरक्षित कर सकें।

बता दें कि महाबीर नायक को खास तौर पर नागपुरी भाषा के भिनसरिया राग, फगुवा, पावस और मर्दानी झूमर राग के लिए जाना जाता है। उन्होंने लगभग 500 गीत लिखे हैं और 1,000 से ज्यादा लोकगीतों का दस्तावेजीकरण किया है। इसके अलावा, उन्होंने 100 से अधिक कविताएं और गीत भी लिखे हैं। अब वे एक पुस्तक 'गीत में स्वर' पर काम कर रहे हैं, जो जल्द ही प्रकाशित होने वाली है।

महाबीर नायक आगे कहते है कि इस सम्मान से उन्हें और उनके जैसे लोगों को प्रोत्साहन मिलेगा जो कला और संस्कृति को संरक्षित करने के लिए काम कर रहे हैं। महाबीर नायक ने अपनी प्रेरणा अपने पिता से ली, जो एक झूमर कलाकार थे। उन्होंने रांची के हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन (एचईसी) में भी काम किया, लेकिन अपने जुनून को कभी नहीं छोड़ा।

साथ ही उनका कहना है कि आजकल की युवा पीढ़ी बॉलीवुड और डीजे गानों में ज्यादा रुचि रखती है, जबकि उन्हें अपनी समृद्ध संस्कृति और संगीत में भी रुचि लेनी चाहिए। वे यह भी चाहते है कि लोग 'स्थानीय संगीत बैठकें' आयोजित करें, जैसे पहले हुआ करती थी, ताकि लोग अपनी संस्कृति को जान सकें और उसे संरक्षित कर सकें।

पति के लिए आफत बनीं दो पत्नियां

दूसरी पत्नी ने प्रॉपर्टी हड़पने पति को जिंदा जलाया, ऐसे दिया वारदात को अंजाम

रायपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। व्यक्ति की दोनों पत्नियां अलग-अलग घर पर रहती हैं। पति का नाम शिव कुमार उसकी पहली पत्नी रुक्मणी बंजारे और दूसरी पत्नी सूरज बाई जोशी है। पति के पहली पत्नी के पास जाने से नाराज दूसरी पत्नी ने प्रॉपर्टी हड़पने के लिए उसे जिंदा जलाने की कोशिश की है। महिला ने पति के सोने के बाद घर पर सिलेंडर चालू कर दिया। फिर माचिस मार कर आग लगा दी। आग की चपेट में आने से व्यक्ति बुरी तरह झुलस गया। वहीं उसे अस्पताल भर्ती कराया गया है, जहां इलाज जारी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, उरला के हीरा नगर निवासी शिव कुमार बंजारे की दो पत्नी है।

शिवकुमार का अक्सर दूसरी

पुलिस के गिरफ्त में आरोपी

पत्नी के साथ विवाद होते रहता था। दूसरी पत्नी सूरज बाई जोशी पैसे और उसके पहली पत्नी के पास जाने से माना करती थी। एक दिन ऐसे ही हुआ कि मना करने के बाद भी शिवकुमार पहली पत्नी के पास गया हुआ था। इससे दूसरी नाराज थी। जब शिवकुमार वहां से रात को वापस दूसरी पत्नी सूरज बाई जोशी के पास आया तब, नाराज सूरज बाई उसके पति से विवाद करने लगी।

इस दौरान विवाद बढ़ते गया और सूरज बाई अपने पति से पैसों की मांग करने लगी। इसके अलावा दोनों के बीच प्रॉपर्टी को लेकर फिर विवाद हुआ। शिव कुमार खाना खाकर रात में सो गया। रात करीब साढ़े 11 बजे सूरज बाई घर के सिलेंडर का वॉल्व खोल दी, जिससे गैस पूरी तरह घर पर भर गई। फिर उसने बाहर से माचिस मार कर घर पर आग लगा दी।

आग भड़कते ही शिवकुमार आग की चपेट में आ गया। जिससे बुरी तरह झुलस गया। आग लगने की भनक लगने से आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने कड़ी मशक्कत की। वहीं शिव कुमार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज जारी है। फिलहाल इस घटना के बाद पुलिस ने आरोपी पत्नी सूरज बाई को गिरफ्तार कर लिया है।

झारखंड को मिला बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट का नेशनल अवार्ड, राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

रांची, 26 जनवरी (एजेंसियां)। उत्कृष्ट निर्वाचन कार्यो के लिए पहली बार झारखंड को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर निर्वाचन में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु झारखंड को बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट का पुरस्कार प्रदान किया।

उन्होंने राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार को नई दिल्ली के जोरावर ऑडिटोरियम, मानेकशॉ सेंटर में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में यह पुरस्कार प्रदान करते हुए उन्हें सम्मानित किया।

पुरस्कार ग्रहण करने के बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राज्य के सभी मतदाताओं, निर्वाचन कार्य में लगे सभी बीएलओ, मतदान कर्मियों, पुलिस पदाधिकारियों, सुरक्षा बलों के जवानों, राजनीतिक दलों एवं मीडिया को लोकसभा एवं झारखंड विधानसभा चुनाव के दौरान अपने कर्तव्यों के निर्वहन

के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

उन्होंने कहा कि दोनों चुनावों का स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वहन का श्रेय निर्वाचन कार्य के सभी स्टेकहोल्डर को जाता है। राष्ट्रपति ने जिला श्रेणी में पूर्वी सिंहभूम के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल को भी सम्मानित किया।

चुनावों में किए गए थे कई नवाचार, बढ़ा था मतदान प्रतिशत आम लोकसभा चुनाव-2024 तथा झारखंड विधानसभा चुनाव-2024 में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा कई नवाचार किए गए थे। सबसे पहले मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची को एकीकृत एवं समावेशी बनाते हुए इसकी त्रुटियों को शून्य स्तर पर लाने का प्रयास किया गया था।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार

इसके तहत बीएलओ द्वारा कई बार प्रत्येक घरों के मतदाताओं का सत्यापन करते हुए उनके घरों पर स्टिकर चिपकाया गया था। पीवीटीजी मतदाताओं के लिए विशेष अभियान चलाकर मतदाता सूची से जोड़ने का कार्य किया गया था।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हुआ था शांतिपूर्ण मतदान

वहीं, ऐसे कई नक्सल प्रभावित क्षेत्र भी थे, जहां इस बार पहली बार मतदाताओं ने शांतिपूर्ण मतदान किया था। सुगम मतदान के लिए वाहन प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से कम से कम आम यातायात को बाधित करते हुए वाहनों को मतदान कार्यों के लिए उपयोग में लाया गया था।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए इंटरनेट मीडिया पर हैशटैग अभियान एवं हर वृहद स्तर पर स्वीप के तहत कार्यक्रम चलाया गया था।

लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। वहीं विधानसभा चुनाव में अबतक का सर्वाधिक मतदान प्रतिशत रहा।

विधानसभा मतदान में महिला मतदाताओं के मतदान प्रतिशत में भी वृद्धि हुई। लोकसभा व विधानसभा चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण संपन्न कराया गया।

गणतंत्र दिवस पर जश्न

रायपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में गणतंत्र दिवस पर जश्न का माहौल है। हर तरफ हमारा तिरंगा लहरा रहा है। 76वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सरगुजा संभाग के जिला मुख्यालय अंबिकापुर के पीजी कॉलेज मैदान में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। संयुक्त परेड की सलामी ली। मुख्यमंत्री ने आम जनता के नाम संदेश का वाचन किया। उन्होंने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दीं। सीएम ने कहा कि आज का दिन हम सबके लिए अत्यंत गौरवशाली है। आज हम देश के गणतंत्र का उत्सव मना रहे हैं। इसके पीछे उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का बलिदान है, जिन्होंने भारत को स्वतंत्रता दिलाई, उन संविधान निर्माताओं का योगदान है, जिन्होंने इस संविधान के माध्यम से भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाया। उन विभूतियों का योगदान है, जो संविधान की रक्षा के लिए हमेशा डटे रहे। संविधान के मूल्यों पर चलकर अंत्योदय का कल्याण करते रहे।

ताइवान में भूकंप से हिली धरती, घरों से बाहर आए लोग

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। रविवार को ताइवान में भूकंप आया। जर्मन रिसर्च सेंटर ने जानकारी देते हुए बताया कि ताइवान में जो भूकंप आया था उसकी तीव्रता 5.6 थी। जर्मन रिसर्च सेंटर ने आगे बताया कि भूकंप का केंद्र 16 किमी (9.94 मील) की गहराई पर था। वहीं, इस भूकंप में किसी जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। बता दें कि 23 तारीख को भी ताइवान में भूकंप के झटके महसूस हुए थे।

अमेरिका में भीषण ठंड, न्यूयॉर्क में पारा माइनस 20 डिग्री पहुंचा; नदी का पानी बर्फ में बदला

वर्जीनिया, 26 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में इस समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इस बीच राष्ट्रीय मौसम सेवा ने अमेरिका के पूर्वी हिस्सों में ठंडी हवा चलने की चेतावनी जारी की है। न्यूयॉर्क में, लगभग 20 डिग्री फारेनहाइट (शून्य सेल्सियस से नीचे) तापमान दर्ज किया गया, इसका शहर पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा। न्यूयॉर्क में मौजूद हडसन नदी बर्फ बन गई है। अमेरिकी नागरिक सर्दी का सितम झेल रहे हैं। वहां के मौसम विभाग ने भी अमेरिका के मौसम को लेकर एक बड़ा अलर्ट जारी किया है। अमेरिकी मौसम विभाग ने देश के कई राज्यों में एक शक्तिशाली शीतकालीन तूफान को लेकर चेतावनी जारी की है। यह साल 2025 का पहला शीतकालीन तूफान होगा।राष्ट्रीय मौसम सेवा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार यह तूफान अमेरिका के मध्य में शुरू होगा। इसका असर अमेरिका के 1,300 मील क्षेत्र में पड़ेगा, जहां पर भारी हिमपात, खतरनाक बर्फबारी, बारिश और भयंकर ये आने वाले दिनों में धीरे-धीरे पूर्व की ओर बढ़ेगा। आर्कटिक हवा की चपेट में आने से कुछ दिन बाद अमेरिका के पूर्वी हिस्से में तापमान में कमी देखने को मिल सकती है।

अमेरिका में 1 लाख भारतीयों की नौकरी पर खतरा

ट्रम्प ने डीईआई भर्तियों पर लगाई रोक, श्वेतों के लिए जॉब बढ़ाना चाहते हैं

वॉशिंगटन, 26 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में ट्रम्प राज के साइड इफेक्ट सामने आने लगे हैं। ट्रम्प ने डीईआई (विविधता, समानता और समावेश) प्रोग्राम पर रोक लगा दी है। इसकी वजह से एक लाख भारतीयों की नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने डीईआई भर्तियों पर रोक लगाकर सभी डीईआई कर्मचारियों को 31 जनवरी तक पेड लीव पर भेज दिया है। राज्यों में डीईआई के दफ्तरों को भी बंद करने के आदेश दिए हैं। एक फरवरी को डीईआई कर्मचारियों के भविष्य के बारे में फैसला किया जाएगा। सभी फेडरल दफ्तरों से डीईआई को लेकर रिपोर्ट मांगी है। बता दें कि अमेरिका में कुल 32 लाख फेडरल कर्मचारी हैं। इनमें से 8 लाख कर्मचारी डीईआई प्रोग्राम के तहत काम करते हैं। इनमें से लगभग एक लाख भारतीय हैं। इसमें अमेरिकी नागरिकता प्राप्त और वर्क वीजा

जैसे एच-1 बी वीसा पर काम करने वाले शामिल हैं।

डीईआई से सभी वर्गों को समानता के अवसर

अमेरिका में 1960 से सभी वर्गों को रोजगार, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में समान अवसर देने के लिए डीईआई प्रोग्राम शुरू किया गया था। ये तत्कालीन राष्ट्रपति जॉन एफ। कैनेडी और मार्टिन लूथर किंग के आदर्शों से प्रेरित है। फेडरल और राज्यों की सरकारें धार्मिक और नस्लीय अल्पसंख्यकों को रोजगार देती हैं। महिलाओं, दिव्यांगों, थर्ड जेंडर को भी इससे जॉब मिलते हैं। सभी सरकारी विभागों में एक निश्चित कोटा होता है। अमेरिका के डीईआई प्रोग्राम को भारत में विभिन्न वर्गों के लिए लागू आरक्षण जैसा कह सकते हैं। अमेरिका में प्राइवेट सेक्टर को भी डीईआई प्रोग्राम में जॉब देना अनिवार्य है। मेटा, बोइंग, अमेजन, वॉलमार्ट, टारगेट, फोर्ड, मोलसन, हार्ले डेविडसन और मैकडोनाल्ड ने डीईआई बंद करने का ऐलान किया है।

ट्रम्प श्वेतों के लिए जॉब बढ़ाना चाहते हैं

ट्रम्प डीईआई खत्म करने को मेरिट के आधार पर नौकरी और शिक्षा में आरक्षण की बात कहते हैं। अमेरिका की 35 करोड़ की आबादी में से 20 करोड़ श्वेत हैं। श्वेत आबादी ट्रम्प का कोर वोट बैंक है। ये डीईआई विरोधी हैं। सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में 12 करोड़ श्वेत आबादी काम करती है। ट्रम्प डीईआई को खत्म कर श्वेत लोगों के लिए सरकारी-प्राइवेट नौकरियों में ज्यादा अवसर पैदा कर रहे हैं। अब ट्रैवल वीसा पर अमेरिका जाने वालों को एयरपोर्ट पर रिटर्न टिकट दिखाने की सख्ती शुरू हो गई है। हाल में भारतीय बुजुर्ग दंपती को रिटर्न टिकट नहीं होने पर नीवार्क एयरपोर्ट से वापस भारत भेज दिया गया। ये दंपती अपने बच्चों के पास पांच महीने रुकने के प्लान से गए थे। दंपती का दावा है कि इमिग्रेशन अफसरों ने कहा, जनवरी से रिटर्न टिकट दिखाना अनिवार्य हो गया है।

'चीनी लैब से ही लीक हुआ था कोविड वायरस'

कोरोना को लेकर अमेरिकी खुफिया एजेंसी का खुलासा

वॉशिंगटन, 26 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने कोविड-19 को लेकर बड़ा खुलासा किया है। अमेरिका की केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) ने दावा किया है कि कोरोना वायरस एक प्रयोगशाला से लीक हुआ है। एजेंसी ने संकेत दिया है कि वायरस चीन से सामने आया। एजेंसी का यह भी मानना है कि उसे अपने परिणाम पर कम भरोसा है। एजेंसी ने अपनी नई रिपोर्ट को नए निदेशक जॉन रैटक्लिफ के शपथ ग्रहण के बाद सार्वजनिक की। कोविड 19 महामारी को लेकर लगातार शोध हो रहे हैं। अमेरिका में निवर्तमान बाइडन प्रशासन के दौरान कोविड को लेकर सीआईए ने जो रिपोर्ट तैयार की थी, उसमें कहा गया था कि कोरोना वायरस की शुरुआत चीन से हुई थी। मगर इसे लेकर संशय था कि क्या ये वायरस चीनी लैब से गलती से उत्पन्न हुआ या ऐसा जान बूझकर किया गया। अब नई रिपोर्ट में अमेरिकी खुफिया विभाग यह तो मान रहा है कि वायरस प्राकृतिक तौर पर नहीं बल्कि किसी लैब से बाहर आया है। मगर एजेंसी को अपनी ही रिपोर्ट के नतीजों पर कम भरोसा है। सीआईए ने कहा कि कोरोना की उत्पति को लेकर जो शोध किए गए, उसके साक्ष्य अपर्याप्त, अनिर्णायक और विरोधाभासी हैं।

सीआईए के अधिकारियों का कहना है कि कोविड 19 को लेकर खोज और उसकी प्राकृतिक उत्पति दोनों पर लगातार शोध जारी है। क्योंकि अमेरिकी सांसद वायरस की सच्चाई जानने के लिए खुफिया एजेंसियों पर लगातार दबाव डाल रहे हैं। सीआईए के निदेशक जॉन रैटक्लिफ का कहना है कि हम मानते हैं कि वायरस किसी प्रयोगशाला से लीक हुआ है। हम इसके बारे में अधिक विश्वसनीय जानकारियां जुटा रहे हैं।

सूडान के दारफुर क्षेत्र में अस्पताल पर हुआ बड़ा हमला

डब्ल्यूएचओ ने किया 70 मौतों का दावा

दुबई, 26 जनवरी (एजेंसियां)। सूडान के अल फशर शहर में एक अस्पताल पर बड़े और भीषण हमले की खबर सामने आ रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार इस हमले में 70 लोगों की मौत हो गई है। जबकि काफी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख ने रविवार को यह जानकारी दी। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनोम घेब्रेयेसस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए हॉस्पिटल पर हमले के बाद मौतों का यह आंकड़ा पेश किया। बताया जा रहा है कि सूडान के उत्तरी दारफुर प्रांत की राजधानी में

अधिकारियों और अन्य लोगों ने भी शनिवार को इसी तरह के आंकड़े का हवाला दिया था, लेकिन घेब्रेयसस हताहतों की संख्या की जानकारी देने वाले पहले अंतरराष्ट्रीय स्रोत हैं। घेब्रेयेसस ने लिखा, ''सूडान के अल फशर में सऊदी अस्पताल पर हुए भयावह हमले में 19 मरीज घायल हो गए और 70 लोगों की मौत हो गई।''

किसने और क्यों किया हमला

घेब्रेयेसस ने कहा, ''हमले के समय अस्पताल में मरीजों की भीड़ थी।'' उन्होंने यह नहीं बताया कि हमला किसने किया, लेकिन स्थानीय अधिकारियों ने इसके लिए विद्रोही 'रैपिड सपोर्ट फोर्स' (आरएसएफ) को दोषी ठहराया है। हमले के वक्त अस्पताल में तमाम गंभीर मरीज भी भर्ती थे, जिनका इलाज चल रहा था। उनके तीमारदार भी अस्पताल परिसर में थे। इनमें से आरंभिक तौर पर 70 लोगोंके मारे जाने का दावा किया गया है। मौतों का आंकड़ा अभी आगे और बढ़ने की आशंका जाहिर की जा रही है। मरने वालों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं।

उत्तर कोरिया ने मिसाइल दाग कर पड़ोसी देश में मचाया हड़कंप ! क्या प्लान कर रहे किम जोंग

सियोल, 26 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया ने हाल ही में समुद्र से सतह पर मार करने वाली गाइडेड क्रूज मिसाइलों का सफल परीक्षण किया है। यह परीक्षण किम जोंग उन की देखरेख में हुआ, जिन्होंने इसे अपने सशस्त्र बलों की युद्ध निरोधक क्षमता को और बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इस परीक्षण में मिसाइलों ने लगभग 1,500 किलोमीटर (930 मील) की अंडाकार और आठ-आठ की कक्षाओं में यात्रा की। मिसाइलों ने सटीकता से अपने टारगेट को हिट किया और यह भी दिखाने की कोशिश की कि इस परीक्षण का पड़ोसी देशों की सुरक्षा पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया कि परीक्षण कहां हुआ, लेकिन यह उत्तर कोरिया की ओर से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस लौटने के बाद पहला हथियार परीक्षण था। ट्रंप ने अपने कार्यकाल के दौरान किम जोंग उन के साथ कुछ ऐतिहासिक बैठकें की थीं और उन्होंने किम को एक स्मार्ट व्यक्ति बताया है। हाल ही में

नॉर्थ कोरिया ने संयुक्त सैन्य अभ्यास के लिए अमेरिका और साउथ कोरिया की आलोचना की। इस पर नॉर्थ कोरियाई विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि उत्तर कोरिया को अमेरिका का कठोर जवाब देना चाहिए जब तक कि वह नॉर्थ कोरिया की संप्रभुता और सुरक्षा हितों को अस्वीकार करता है। उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच संबंध पिछले कुछ सालों में ज्यादा खराब हो गए हैं, खासकर जब नॉर्थ कोरिया ने पिछले साल संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए कई बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया था। नॉर्थ कोरिया के इस मिसाइल परीक्षण ने एक बार फिर से क्षेत्रीय सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित कर दिया है। हालांकि परीक्षण का पड़ोसी देशों की सुरक्षा पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा, लेकिन यह हथियार परीक्षण साउथ कोरिया और अमेरिका के साथ तनावपूर्ण संबंधों को और बढ़ा सकता है।

अमेरिकी रक्षामंत्री पर यौन उत्पीड़न के आरोप का मामला

पीट हेगसेथ ने महिला को 43 लाख रुपए दिए; 2017 में आरोप लगे थे

वॉशिंगटन, 26 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने 2017 में उन पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाने वाली महिला को 50 हजार डॉलर (43 लाख से रुपए से अधिक) दिए थे। हेगसेथ ने मैसाचुसेट्स से डेमोक्रेटिक सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन के सवाल के लिखित जवाब में ये जानकारी दी है। हेगसेथ ने ये जवाब में उनकी नियुक्ति से पहले सीनेट में चल रही जांच के दौरान दिया था। अमेरिका में रक्षा मंत्री का पद संभालने से पहले हेगसेथ को सीनेट की मंजूरी लेना जरूरी है। पिछले हफ्ते हुई सुनवाई के दौरान हेगसेथ ने सीनेट को बताया था कि, उन पर झूठा आरोप लगाया गया था और पूरी तरह से निर्दोष साबित हुए।

हेगसेथ ने रक्षामंत्री के तौर पर शपथ ली

पीट हेगसेथ को अमेरिकी रक्षा मंत्री के तौर पर शनिवार सुबह शपथ ली। शुक्रवार को सीनेट ने अमेरिकी रक्षा मंत्री के तौर पीट हेगसेथ के नाम को मंजूरी दी थी। उन्हें उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पद की शपथ दिलाई। सीनेट में हेगसेथ के नाम की मंजूरी के लिए हुई वोटिंग के दौरान उन्हें बहुमत नहीं मिल पाया था। इसके बाद उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को टाईब्रेकिंग वोट डालना पड़ा। 100 सदस्यों वाली सीनेट में ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के 53, डेमोक्रेटिक पार्टी के 45 और 2 निर्दलीय सांसद हैं। वोटिंग के दौरान 3 रिपब्लिकन और 2 निर्दलीय सांसदों ने हेगसेथ के खिलाफ वोट किया। इससे मुकाबला 50-50 पर टाई हो गया था। इसके बाद उपराष्ट्रपति ने टाईब्रेकिंग वोट डाला, जिसके बाद हेगसेथ के नाम को मंजूरी मिली।

अमेरिकी इतिहास में टाईब्रेकिंग वोट से जीतने वाले दूसरे व्यक्ति

पीट हेगसेथ अमेरिकी इतिहास में टाईब्रेकिंग वोट से जीतने वाले दूसरे व्यक्ति हैं। 8 साल पहले ट्रम्प के पहले कार्यकाल में शिक्षा मंत्री बनी बेट्सी डेवोस को तत्कालीन उपराष्ट्रपति ने टाईब्रेकिंग वोट डालकर उनके नाम को मंजूरी दी थी। पीट हेगसेथ पहले एक सैनिक थे। उन्होंने अफगानिस्तान और ईराक में अपनी सेवाएं दी हैं। इसके बाद वे फॉक्स न्यूज पर टीवी शो होस्ट बन गए। उनपर शराबी होने, पत्नियों को धोखा देने के आरोप हैं। हेगसेथ ने महिलाओं को लेकर भी कई विवादित बयान दिए। इस वजह से ऐसा कहा जा रहा है कि वे रक्षा मंत्री पद की जिम्मेदारी निभाने के लिए सही व्यक्ति नहीं हैं।

ट्रंप की आव्रजन नीति को बड़ा झटका, मैक्सिको ने अमेरिका की निर्वासन उड़ान को उतरने से रोका

वॉशिंगटन, 26 जनवरी (एजेंसियां)। अवैध अप्रवासियों के निर्वासन को लेकर अमेरिका में चल रही कार्रवाइयों के बीच मैक्सिको ने बड़ा कदम उठाया। मैक्सिको ने अमेरिका से आ रही एक निर्वासन उड़ान को उतरने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया। मैक्सिको की इस प्रक्रिया से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अवैध आव्रजन को लेकर की जा रही कार्रवाई को बड़ा झटका लगा है।

शपथ ग्रहण करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मैक्सिको की सीमा को अप्रवासन के लिए बंद करने और अमेरिका में स्थायी कानूनी स्थिति के बिना लाखों अप्रवासियों को निर्वासित करने के उद्देश्य से कई कार्यकारी आदेश जारी किए हैं। उन्होंने शरणार्थी पुनर्वास को भी रद्द कर

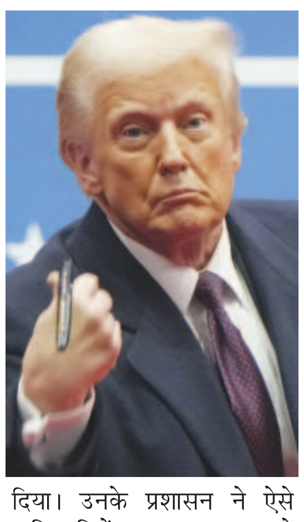

दिया। उनके प्रशासन ने ऐसे अधिकारियों पर मुकदमा चलाने का इरादा भी जताया, जो उनकी नई आव्रजन नीतियों को लागू नहीं करेंगे। इसके बाद से लगातार अमेरिका से अवैध अप्रवासियों को निकालने का सिलसिला जारी है। पहले अमेरिका की दो वायु सेना उड़ानों के जरिये 160 निर्वासितों को ग्वाटेमाला में सफलतापूर्वक पहुंचाया गया। इसके बाद एक और उड़ान निर्वासितों लेकर पहुंची जिसे मैक्सिको ने उतरने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया। हालांकि व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने कहा कि ऐसा प्रशासनिक गड़बड़ी की वजह से हुआ है। इसे जल्दी ठीक कर लिया गया।

वहीं विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह गलती रक्षा विभाग की कागजी कार्रवाई को लेकर हुई थी। अगर ऐसा न होता तो मैक्सिको निर्वासन स्वीकार करने के लिए तैयार था। हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप ने मैक्सिको को 25 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी भी दी। इसके बाद भी मैक्सिको ने निर्वासन प्रक्रिया में सहयोग किया है। उसने एक दिन में चार उड़ानों को स्वीकार किया। इसके साथ ही 30 हजार नेशनल गार्ड सैनिक जुटाए और मैक्सिकों में ही रहें नीति लागू की। बताया जाता है कि गुरुवार को ही दो हजार से अधिक अप्रवासियों को निर्वासित किया गया। जबकि पांच हजार हिरासत में लिए गए।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि इतिहास का सबसे बड़ा निर्वासन अभियान अच्छी तरह से चल रहा है। अवैध अप्रवासियों के पहले जत्थे को सैन्य विमान से भेजा गया। राष्ट्रपति ट्रंप पूरी दुनिया को एक सख्त और स्पष्ट संदेश संदेश दे रहे हैं कि यदि आप अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करते हैं तो आपको गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

टॉयलेट साफ, आतंकियों के लिए खाना, रोने की नहीं थी इजाजत

गाजा से रिहा महिलाओं ने सुनाई आपबीती

गाजा पट्टी, 26 जनवरी (एजेंसियां)। हमास ने गाजा पट्टी में युद्ध रोकने के लिए इजरायल के साथ हुए युद्ध विराम समझौते के तहत उसकी चार महिला सैनिकों को रिहा कर दिया है। इसके बदले लगभग 200 फिलिस्तीनी कैदियों को भी रिहा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार चार सैनिकों (करीना एरीव, डेनिएला गिल्बोआ, नामा लेवी और लिरी अलबाग) को गाजा में रेड क्रॉस को सौंप दिया गया है। रिहा करने के कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को एक फिलिस्तीनी वाहन से बाहर निकालकर मंच पर लाया गया। उन्होंने मुस्कुराते हुए भीड़ की ओर हाथ हिलाया। फिर वे रेड क्रॉस की गाड़ियों में बैठ गईं। चारों महिलाएं इजरायली सैनिक हैं, जिन्हें 7 अक्टूबर को हमास के हमले के दौरान इजरायल के नाहल ओज सैन्य अड्डे से अगवा किया था। इन महिला सैनिकों ने वहां अपने साथ हुई पूरी आपबीती बताई है। चारों महिला सैनिकों को रिहा करने से पहले पहनने के लिए अर्ध-सैन्य वर्दी दी गई थी। इसके बाद उन्होंने शस्त्र हमास कार्यकर्ताओं के साथ मंच पर खड़ा किया गया। सैनिकों के परिवार ने कहा कि उन्हें मंच पर खड़ा करके ऐसा दिखाया गया है कि वे डरे और घबराए नहीं हैं। सका हम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। हम उनसे अधिक मजबूत हैं। चारों महिला सैनिको ने बताया कि उन्हें अगवा करने के बाद एक ऐसी जगह पर रखा गया था, जहां न तो सूरज की रोशनी पहुंचती थी।

पाकिस्तान: खैबर पख्तूनख्वा में सेना का बड़ा ऑपरेशन, 30 आतंकी ढेर

पेशावर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 3 अलग-अलग आंतकवादी विरोधी अभियान में सेना ने 30 आतंकवादी मारे गिराए। आतंकवाद विरोधी अभियान लक्की मारवात, करक और खैबर जिलों में चलाए गए। सेना ने एक बयान में कहा कि लक्की मारवत जिले में 18 आतंकवादियों मारे गए और 6 आतंकवादी घायल हुए हैं, जबकि करक में आठ आतंकवादी मारे गए। खैबर जिले के बाग इलाके में एक अन्य मुठभेड़ में, सुरक्षा बलों ने चार आतंकवादियों को मार गिराया,जिनमें सरगना अजीज उर रहमान उर्फ कारी इस्माइल और मुखलिस शामिल थे, जबकि दो आतंकवादी घायल हो गए।

वहीं सेना के एक बयान में कहा गया है आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ ने अलग-अलग बयानों में लक्की मारवात, करक और खैबर जिलों में उनके सफल अभियानों के लिए सुरक्षा बलों की प्रशंसा की। राष्ट्रपति जरदारी ने 30 आतंकवादियों के मारे जाने को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया और पुष्टि की कि सुरक्षा बलों का अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक आतंकवाद पूरी तरह से खत्म नहीं हो जाता।

वहीं प्रधानमंत्री शहबाज ने सुरक्षा बलों के लिए देश के अटूट समर्थन को दोहराया, इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान सभी प्रकार के आतंकवाद को खत्म करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। हाल के महीनों में, पाकिस्तान ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के खिलाफ खुफिया-आधारित अभियान तेज कर दिया है।

पड़ोसी मुल्कों पर नजर: पाकिस्तान बांग्लादेश के बीच सीधी हवाई सेवा शुरू

ढाका, 26 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान और बांग्लादेश में इन दिनों नजदीकियां कुछ ज्यादा ही बढ़ती जा रही है। नीति हो या नीयत दोनों देश लगभग-लगभग एक स्थान पर ही खड़े दिख रहें है। इसी बीच इस द्विपक्षीय संबंध को और मजबूत करने के लिए पाकिस्तान में बांग्लादेश के राजदूत मोहम्मद इकबाल हुसैन ने दोनों देशों के बीच सीधी हवाई सेवा शुरू करने की योजना का एलान किया है। पाकिस्तान में बांग्लादेशी राजदूत ने पेशावर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि इस कदम से दोनों देशों के बीच यात्रा और संपर्क और आसान हो जाएगा। इसके बाद पर्यटन, शिक्षा और व्यापार जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ेगा। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि सीधी उड़ानें कब शुरू होंगी।

तय समय तक लेबनान से वापसी नहीं कर पाएगी सेना इस्राइल ने लगाया वादा पूरा न करने का आरोप

यरुशलम, 26 जनवरी (एजेंसियां)। इस्राइल-हमास के बीच जारी युद्ध विराम समझौते के बीच इस्राइली सेना लेबनान को लेकर बड़ा बयान जारी किया है। इसके तहत इस्राइली सेना ने कहा कि वह हिजबुल्लाह उग्रवादियों के साथ हुए युद्ध विराम समझौते के अनुसार रविवार तक दक्षिणी लेबनान से अपनी सेना की वापसी पूरी नहीं कर पाएगी। यह जानकारी दी गई, जब हमास के 4 इस्राइली बंधको के बदले इस्राइली ने 200 फलस्तीनी बंधको को रिहा किया। बता दें कि लेबनान के लिए युद्ध विराम समझौते में दोनों पक्षों को 60 दिन का समय दिया गया था ताकि वे अपनी सेनाओं को दक्षिणी लेबनान से हटा सकें और लेबनानी सेना इस क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए आगे बढ़ सके। इस्राइल का कहना है कि हिजबुल्लाह और लेबनानी सेना ने अपने वादे पूरे नहीं किए, जबकि लेबनान ने इस्राइल पर आरोप लगाया कि उसने लेबनानी सेना को क्षेत्र का नियंत्रण संभालने से रोका। जारी युद्ध विराम समझौते और बंधको का रिहाई को आगे बढ़ाते हुए जहां हमास ने 4 इस्राइली नागरिकों को रिहा किया। वहीं दूसरी ओर इस्राइल ने 200 फलस्तीनी नागरिकों को रिहा किया। अब इस मामले में अगली बातचीत 1 फरवरी को होने वाली है। हालांकि 200 फलस्तीनी नागरिकों की रिहाई के बाद इस्राइल का कहना है कि वह फलस्तीनियों को रविवार तक उत्तरी गाजा में वापस लौटने की अनुमति नहीं देगा, क्योंकि हमास द्वारा रिहा किए जाने वाले एक नागरिक बंधक को शनिवार को रिहा नहीं किया गया। मध्यस्थ इस विवाद को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है कि यह युद्ध 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले से शुरू हुआ था, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे। इज़राइल-हमास युद्ध में गाजा में अब तक 47,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें लड़ाके और नागरिक दोनों शामिल हैं। गाजा में युद्ध विराम के तहत शनिवार को कुछ फलस्तीनी कैदी रिहा हो गए और खुशी से भरी भीड़ के बीच गाजा लौटे। उन्हें जांच और इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। साथ ही मामले में एक रिहा हुए कैदी की बेटी, राना राएफ अल-फर्रा, ने कहा कि जब उसके पिता को 21 साल पहले सजा सुनाई गई थी, तब वह सिर्फ 7 साल की थी। उसने यह भी बताया कि उसे डर था कि जब उसके पिता बाहर आएंगे, तो वह उसे नहीं पहचान पाएंगे या वह अपने पिता को नहीं पहचान पाएगी। कुछ रिहा हुए कैदियों ने प्रतिरोध की तारीफ की और इसे जारी रखने का आह्वान किया। जारी संघर्ष विराम समझौता के बीच एक फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों का बड़ा दावा सामने आया है। इसमें बताया गया है कि वेस्ट बैंक में इस्राइली सेना ने 2 वर्षीय फिलिस्तीनी लड़की की गोली मारकर हत्या कर दी। यह इस क्षेत्र में हुई नवीनतम मौत है, क्योंकि इस्राइल वहां आक्रामक है। मामले में आगे की जानकारी देते हुए फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि लैला अल-खातिब को जेनिन के क्षेत्र में इस्राइली सेना द्वारा सिर में गोली मार दी गई। जेनिन उत्तरी वेस्ट बैंक का एक शहर है, जहां हाल के दिनों में इस्राइली सेनाएं काम कर रही हैं।

इस्राइली सेना का जवाब

इजरायल की सेना ने कहा कि वह घटना की समीक्षा कर रही है। उसने कहा कि उसके बलों ने उन आतंकवादियों पर गोलीबारी की, जिन्होंने खुद को एक संरचना के पीछे रोक लिया था, और उसे ऐसी रिपोर्ट्स के बारे में पता है कि इसमें एक गैर-संक्रमित नागरिक घायल हुआ है। बता दें कि यह मौत ऐसे समय में हुई है, जब इजरायल ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक में एक बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया है और संदिग्ध यहूदी बसने वालों ने दो फिलिस्तीनी शहरों में उत्पात मचाया है। नवीनतम छापे में जेनिन में कम से कम 11 फिलिस्तीनी मारे गए।

ध्वजारोहण के बाद राज्यपाल ने की सरकार के काम की तारीफ
बोले- रिफाइनरी के निर्माण को मिली गति

उदयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। 76वें गणतंत्र दिवस के मौके पर राजस्थान देशभक्ति के रंग में रंगा हुआ है। प्रदेश का राजकीय गणतंत्र दिवस समारोह उदयपुर के महाराणा भूपाल स्टेडियम में हुआ। यहां राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने ध्वजारोहण किया। वहीं, सीएम भजनलाल शर्मा ने उदयपुर के सर्किट हाउस में ध्वजारोहण किया।

खास बात ये है कि उदयपुर का महाराणा भूपाल स्टेडियम 10 साल बाद फिर राष्ट्रीय पर्व पर राज्य स्तरीय समारोह का साक्षी बना। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने ध्वजारोहण कर मार्च पास्ट की सलामी ली। राजस्थान के साथ गुजरात की टुकड़ी ने भी भागीदारी निभाई। प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में सीएम भजनलाल शर्मा सहित कई मंत्री और विशिष्ट अतिथि मौजूद है।

ध्वजारोहण के बाद राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने भजनलाल सरकार की जमकर तारीफ की। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश की भजनलाल सरकार ने रिफाइनरी के निर्माण को गति दी है। रिफाइनरी प्रोजेक्ट का 83 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए चरणबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड) सचिन मित्तल और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक इंटेलीजेंस, हाल निदेशक राजस्थान पुलिस अकादमी एस. सेंगाथिर को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया। साथ ही सलूंबर जिला कलेक्टर जसमीत संधू, डॉ. मंजू विजय और राजेंद्र सिंह को योग्यता प्रमाण पत्र सौंपा।

इससे पहले सुबह 8.45 बजे नगर निगम टाउनहॉल परिसर स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि कार्यक्रम हुआ। राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं स्टेशन कमांडर ने शहीद स्मारक स्थल पर पुष्पचक्र अर्पित कर सैनिकों, स्वतंत्रता सैनानियों को नमन किया गया।

इससे पहले 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर फतहसागर पाल पर आसमान में अभूतपूर्व नजारे प्रदर्शित किए गए। ड्रोन शो में लाइट्स के जरिए देशभक्ति और राष्ट्रीयता के भावों को आकृतियां मिलती रही। दर्शकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। लोगों ने भारत माता और महाराणा प्रताप के जयकारे लगाकर जोश दिखाया। नेहरू पार्क से आतिशबाजी की गई। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ।

बेनीवाल के गढ़ में गरजीं राजे
बोलीं- लोग बदलते रहते हैं और जनता सही निर्णय लेना जानती है

अजमेर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। नागौर के एक दिवसीय भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे जोधपुर से नागौर पहुंचीं। राजे का जोधपुर से लेकर नागौर में हर जगह पर कार्यकताओं और समर्थकों ने भव्य स्वागत किया। वसुंधरा राजे जाटों के आराध्य देव वीर तेजाजी महाराज के दर्शन कर स्वागत सभा को संबोधित किया। संबोधन में कहा कि 20 वर्ष पहले जब वह यहां पर आईं और उसके बाद आज यहां आना हुआ है। तब से अब तक बहुत कुछ बदलाव हुआ है। उस समय 10 में से 10 सीट हमारी थीं। आने वाले समय में आपको यह करना है। वहीं मंदिर निर्माण में हो रही देरी पर नाराजगी जाहिर की और खींवसर विधायक रेवंतराम डांगा को इस कार्यकाल में मंदिर निर्माण पूरा करवाने की बात की।

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे नागौर जिले के दौरे पर रहीं। जोधपुर से चलकर नागौर के खरनाल पहुंचीं। खरनाल में वीर तेजाजी महाराज के चरणों में माथा टेक कर प्रदेश में अमन चैन की दुआ मांगी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने माला और चुनरी ओढ़ाकर खरनाल मंदिर में स्वागत किया। 20 वर्षों के बाद खींवसर उपचुनाव में भाजपा में भाजपा की जीत के परिणाम की जीत की बधाई दी। कहा कि 20 वर्षों के बाद किए गए परिवर्तन का परिणाम है। अपने संबोधन में उन्होंने आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल पर निशाना सधा। उन्होंने कहा कि समय-समय पर लोग बदलते रहते हैं और जनता सही निर्णय लेना जानती है।

ट्रांसफर को लेकर भिड़े मंत्री के ओएसडी और बीजेपी कार्यकर्ता
बोले- 'प्रदेशाध्यक्ष से बड़ा है चिकित्सा मंत्री'

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। तबादले में तवज्जो नहीं मिलने से खफा एक भाजपा कार्यकर्ता चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के विशेषाधिकारी केसरी सिंह पर बरस पड़ा। दोनों के बीच बातचीत का एक ऑडियो वायरल हुआ है। जिसमें कार्यकर्ता राजेन्द्र तिवारी चिल्लाते हुए ओएसीडी को कह रहे हैं कि तुम्हारा मंत्री खुद को राजा समझता है तो घर पर रहे, कार्यकर्ताओं के फोन उठाना सीख ले।

कार्यकर्ता तिवारी ने ओएसडी को चेतावनी देते हुए कहा कि कर्मचारियों और कार्यकर्ताओं को हल्के में लेना छोड़ दो। तेरे मंत्री से कह देना, रिपोर्ट दर्ज करवा दो मेरी थाने में। उन्होंने कहा कि केसरीजी राजेन्द्र तिवारी मेरा नाम है, तुम मेरा क्या कर लोगे। बाउंसर, गुंडे लेकर आओगे। मैं

22 साल से बीजेपी का कार्यकर्ता हूं। कार्यकर्ता एक हो जाएगा तो डंडे से मारेगा। हालांकि पत्रिका वायरल ऑडियो की पुष्टि नहीं करता है।

'मेरे फांसी लगा देना, मुकदमा दर्ज करवा देना'

कार्यकर्ता ने कहा कि गजेन्द्र सिंह खींवसर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ से बड़ा है क्या। मदन राठौड़ के ट्रांसफर तक नहीं कर रहे। तुम्हारा वो कर दूंगा कि जिंदगी में सोचोगे नहीं। तुम्हारा आरएएस अधिकारी मेरे पर्सनल ट्रांसफर नहीं करता। मेरे फांसी लगा देना मुकदमा दर्ज करवा देना।

इस मामले में चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर आधिकारिक बयान के लिए उपलब्ध नहीं हुए। राजेन्द्र तिवारी से संपर्क करने की कोशिश की गई। लेकिन वे भी उक्त ऑडियो पर कुछ भी बोलने के लिए उपलब्ध नहीं हुए।

देश की बदल रही तस्वीर, विश्व का नेतृत्व करेगा भारत: शेखावत

धौलपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि देश की तस्वीर बदल रही और आने वाले समय में भारत विश्व का नेतृत्व करेगा। अब भारत को कोई नहीं रोक सकता है। पूर्व की सरकारों में देश को काफी आघात पहुंचा था। लेकिन अब स्थिति पूरी तरह से बदल चुकी हैं और देश तेजी से विकास की ओर से अग्रसर है। केन्द्रीय मंत्री ने यह बात पचगांव स्थित आयोजित जनसभा में कही। केन्द्रीय मंत्री शहर में ओडेला रोड स्थित जिला राजपूत छात्रावास परिसर में महाराणा प्रताप की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में आए हुए थे। उनके साथ मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, राजेन्द्र सिंह गुढ़ा समेत कई नेता मौजूद रहे। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि देश की वर्तमान में 3 ट्रिलियन इकॉनोमी है जो आने वाले दिनों में 4 ट्रिलियन हो जाएगी। जो देश के विकास को बताती है। उन्होंने कहा कि देश

की कमान सुरक्षित हाथों में है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने हमेशा अपने स्वाभिमान के लिए संघर्ष किया था। उन्होंने राजस्थान को एक सूत्र में पिरोआ था। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में लडने वाले का नाम ही महाराणा प्रताप है। उन्होंने कहा कि क्षत्रियों ने कभी पीछे हटना नहीं सीखा है। खाचरियावास ने आरोप लगाया कि राजस्थान पुलिस का व्यवहार राज्य में सही नहीं है। पूर्व विधायकों के साथ अपराधियों की तरह व्यवहार हो रहा है। उन्हें अपमानित किया जा रहा है। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को महाराणा प्रताप से सीख लेने की जरुरत है। उन्होंने समाज को एकजुटता के साथ रहने पर जोर दिया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक रविन्द्र सिंह तोमर, मेघराज सिंह, मुरैना सांसद शिवमंगल सिंह, भाजपा उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा, पूर्व मंत्री धर्मेन्द्र सिंह राठौड़, पूर्व विधायक सत्यपाल सिंह, पूर्व विधायक रोहिणी सिंह, आराधना सोलंकी, राजपूत सभा के जिलाध्यक्ष भागीरथ सिंह, युवा अध्यक्ष हमीर सिंह परमार, पूर्व प्रधान देवेन्द्र प्रताप सिंह, राजाखेड़ा चेयरमैन वीरेन्द्र सिंह जादौन, पूर्व विधायक मनोरमा सिंह आदि मौजूद रहे।

छात्रावास में मूर्ति का किया अनावरण

ओडेला रोड स्थित राजपूत छात्रावास में केन्द्रीय मंत्री शेखावत, मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष तोमर, पूर्व मंत्री खाचरियावास, पूर्व विधायक गुढा समेत अन्य अतिथियों ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ रही।

गुढा ने पुलिस अधीक्षक पर की टिप्पणी

सभा में पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढा ने पूर्व विधायक मलिंगा के साथ हाल में हुए व्यवहार को लेकर खासी नाराजगी जताई। उन्होंने मंच से अपने भाषण में पुलिस अधीक्षक पर अमर्यादित भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत तीन दफा, वसुंधरा राजे दो बार मुख्यमंत्री रह चुकी है लेकिन भजनलाल शर्मा तो अभी सीएम बने हैं। कहा कि क्षत्रिय समाज इस तरह का अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगा।

पूर्व विधायक बोले- सुप्रीम कोर्ट की पालना

वहीं, पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा ने पुलिस कार्यशैली पर सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस गोली मारकर फर्जी मुठभेड़ कर रही है। कहा कि लोग अन्याय सहन नहीं करे। अगर गलत किया तो कोई नहीं बचा सकता। लेकिन अत्याचार सहन नहीं किया जाएगा। पूर्व विधायक ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश था, जिसकी पालना करना उनका धर्म था।

सभा में एक-दूसरे पर किया कटाक्ष

सभा के दौरान नेताओं ने एक-दूसरे कटाक्ष भी किया। केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि गिर्राज सिंह का टिकट काटने का पाप कसने किया। भाजपा ने उनका साथ दिया और चुनाव लड़वाया। इसके जवाब में पूर्व मंत्री गुढ़ा ने कहा कि भाजपा के आने के बाद पार्टी उनके साथ क्या किया।

डोटासरा के बयान पर मदन राठौड़ का पलटवार
बोले- राम मंदिर पर आपत्ति करने वाले पूर्वजों को याद करें

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयानों पर पलटवार करते हुए बोलने की मौलिक आजादी का हवाला दिया। उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के राम मंदिर को लेकर दिए गए बयान का बचाव करते हुए डोटासरा को उनके पूर्वजों और संस्कारों को याद करने की नसीहत दी।

डोटासरा ने राठौड़ को 'बिना काम का अध्यक्ष' बताते हुए भागवत के बयान पर सवाल उठाया था। इसके जवाब में राठौड़ ने कहा, संविधान में बोलने की आजादी है। राम मंदिर का निर्माण हमारे स्वाभिमान और संस्कृति का प्रतीक है। जब तक राम मंदिर नहीं बना था, एक गुलामी का एहसास होता था। भगवान राम हमारे आराध्य हैं और उनका मंदिर हमारे संस्कारों का हिस्सा है। यदि डोटासरा को इससे आपत्ति है, तो उन्हें अपने पूर्वजों और संस्कारों को याद करना चाहिए।

गणतंत्र दिवस के मौके पर कांग्रेस और बीजेपी के बीच संविधान की व्याख्या और उसकी पैरोकारिता को लेकर बहस छिड़ गई है। डोटासरा ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दुपट्टा पहनने पर टिप्पणी करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री किसी पार्टी विशेष के नहीं, बल्कि पूरे देश के होते हैं।

इस पर राठौड़ ने जवाब देते हुए कहा, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का सम्मान करना हर नागरिक का कर्तव्य है। राजनीतिक मतभेद चुनाव तक सीमित रखें और सरकार के साथ मिलकर विकास के कार्यों में सहयोग करें, तभी देश और प्रदेश का विकास संभव है।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संविधान में दिए गए कर्तव्यों और अधिकारों का पालन करना सभी का दायित्व है। उन्होंने प्रदेशवासियों से प्रदेश और देश के विकास में सहयोग करने की अपील की।

बहरहाल डोटासरा और राठौड़ की बयानबाजी से राजनीतिक गर्मी बढ़ गई है। राम मंदिर और संविधान जैसे मुद्दों को लेकर दोनों पार्टियों के नेताओं के बयानों से सियासी माहौल और गरमा गया है।

7 करोड़ कैश, सोने की ईट, धन कुबेर निकला रियल एस्टेट कारोबारी

अलवर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। रियल एस्टेट कारोबारी त्रेहान होम डवलपर्स और उसके सहयोगियों के ठिकानों पर आयकर विभाग की कार्रवाई को पूरी हो गई। तीन दिन चली कार्रवाई में 100 करोड़ रुपए से ज्यादा की अघोषित सम्पत्ति उजागर हुई है। इसके अलावा आयकर विभाग की टीम ने डवलपर्स के ठिकानों से करीब 19.50 करोड़ रुपए का कैश और गोल्ड सीज किया है। कार्रवाई पूरी होने के बाद टीम अलवर से रवाना हो गई।

आयकर विभाग को त्रेहान होम डवलपर्स द्वारा कर चोरी और काली कमाई की सूचना मिली थी। जिस पर विभाग ने एक्शन लेते हुए हरियाणा और राजस्थान की अन्वेषण शाखा की 20 टीमें गठित की। इन टीमों में 100 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारियों ने गुरुवार

3 दिन चली आईटी रेड में क्या-क्या मिला?

सुबह भारी पुलिस लवाजमे के साथ रियल एस्टेट समूह के अलवर में 7, गुरुग्राम में 7 और फरीदाबाद में 6 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की।

विभाग की 7 अलग-अलग टीमों ने अलवर में त्रेहान होम डवलपर्स की अपनाघर शालीमार सोसायटी के ऑफिस में छापेमारी की। अलवर शहर में त्रेहान होम डवलपर्स के साथ काम करने वाले अलवर निवासी अशोक सैनी, कुलदीप कालरा और सीए सुमित गुप्ता के घर व ऑफिस में टीमों ने सर्च ऑपरेशन चलाया।

तीन दिन चला सर्च ऑपरेशन

आयकर विभाग के अधिकारिक सूत्रों के अनुसार तीन दिन के सर्च ऑपरेशन में रियल एस्टेट कारोबारी और उसके सहयोगियों के ठिकानों से करीब 7 करोड़ रुपए और 12.50 करोड़ रुपए का सोना बरामद हुआ। जिसमें 8.50 करोड़ रुपए की कीमत की सोने की ईंट भी शामिल हैं।

इसके अलावा करीब 100 करोड़ रुपए की अघोषित सम्पत्ति उजागर हुई। जिसमें प्लॉट, फ्लैट और जमीनों से जुड़े दस्तावेज भी मिले हैं। आयकर विभाग की तीन दिन तक चली इस कार्रवाई से अलवर के रियल एस्टेट कारोबारी और उनसे जुड़े लोगों में हड़कंप मचा रहा।

दस्तावेजों और डिजिटल डेटा की जांच में जुटी रही

छापेमारी के दौरान आयकर विभाग की टीमें दस्तावेजों, डिजिटल रिकॉर्ड और बैंक खातों की जांच जुटी रही। अधिकारियों का कहना है कि आयकर विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि कर चोरी और काले धन पर लगाम लगाने के लिए विभाग पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह कार्रवाई इसी दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।

आयकर विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की सात अलग-अलग टीमें गुरुवार सुबह करीब 7 बजे अलवर पहुंच गई थी। सभी टीमों ने एक साथ डवलपर्स के शहर में स्थित 7 ठिकानों दबिश दी। प्रत्येक टीम में चार से पांच अधिकारी मौजूद रहे।

इसके अलावा उनके साथ पुलिस जाप्ता भी मौजूद रहे। सभी टीमें दिन रात वहीं जांच में जुटी रही। रात में इन्हीं ठिकानों पर कैम्प किया। कार्रवाई पूरी होने के बाद आयकर विभाग की टीम यहां से रवाना हो गई।

2821 किलो डोडाचूरा सहित भारी मात्रा में नशीले पदार्थ किए नष्ट

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। कोटपूतली-बहरोड़. जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत के नेतृत्व में 08 पुलिस थानों से जब्तशुदा नशीले पदार्थों को नष्ट किया गया। इस दौरान 2821.739 किलोग्राम डोडाचूरा, 29.894 किलोग्राम गांजा, 299 सिरप, 14,380 टेबलेट और 394 गांजे के पौधों को अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट मोहनपुरा की कीलन में जलाकर खत्म किया गया।

विशाल अभियान का नेतृत्व

न्यायालय से भौतिक सत्यापन और जिला औषधि व्ययन समिति की मंजूरी के बाद इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि जिले के मालखाने जब्तशुदा मादक पदार्थों से भरे हुए थे जिससे अन्य जब्त सामग्री रखने में परेशानी हो रही थी। इस समस्या को सुलझाने के लिए यह कदम उठाया गया। इस प्रक्रिया में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा, डीएसपी कोटपूतली राजेंद्र कुमार बुरडक़, अपराध सहायक रणजीत सिंह सहित संबंधित थानों के थानाधिकारी व मालखाना प्रभारी मौजूद रहे। पुलिस की ओर से आमजन से अपील की गई है कि नशे के खिलाफ इस मुहिम में वे सहयोग करें। किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। यह अभियान नशे के खिलाफ पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति का हिस्सा है। अवैध मादक पदार्थों को नष्ट कर पुलिस ने नशे के कारोबार को खत्म करने का संदेश दिया है।

जोधपुर में फंदे से लटके मिले दो बच्चों के शव
स्कूल जाने के बाद 2 दिन से नहीं लौटे थे घर; पुलिस ने खोली गुत्थी

जोधपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। जोधपुर जिले के बोरानाडा स्थित मकान के एक कमरे में रविवार को दो मासूम भाई-बहन स्कूली ड्रेस में फंदे पर लटके मिले। इससे क्षेत्र में दहशत फैल गई। पुलिस का कहना है कि एक वृद्ध ने दो-तीन दिन पहले अपहरण करने के बाद मासूम भाई बहनों को फंदे पर लटका कर मारा है और फिर आरोपी कमरा व मकान लॉक करके फरार हो गया।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पश्चिम निशांत भारद्वाज ने बताया कि बिहार निवासी एक श्रमिक 15-20 साल से अपनी पत्नी के साथ जोधपुर के

बोरानाडा क्षेत्र में रहता है। उसके 13 साल की बेटी और 8 साल का बेटा था। दोनों बच्चे शुक्रवार को स्कूल जाने के लिए बोरानाडा स्थित चुड़ियों की फैक्ट्री में बने कमरे से निकले थे। इसके बाद से दोनों भाई बहन गायब हो गए। शाम तक बच्चों के न मिलने पर माता-पिता ने तलाश शुरू की, लेकिन बच्चे नहीं मिले। 2 दिन की तलाश के बाद परिजन बोरानाडा थाना पहुंचे, जहां उन्होंने अपहरण का मामला दर्ज कराया।

इस बीच तलाश के दौरान रविवार सुबह बोरानाडा क्षेत्र में मकान के बंद कमरे में दोनों बच्चे फंदे पर लटके नजर आए। इससे क्षेत्र में सनसनी निकल गई। पुलिस मौके पर पहुंची और ताला तोड़कर कमरे में घुसी, जहां दोनों बच्चों के शव फंदे पर लटक रहे थे। पुलिस के अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। एफएसएल को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए। प्रारंभिक जांच के बाद शव नीचे उतरवाकर पुलिस ने एम्स मोर्चरी में रखवाए। फलोदी निवासी आरोपी श्याम सिंह भाटी (70) की तलाश की जा रही है। सहायक पुलिस आयुक्त बोरानाडा आनंद सिंह राजपुरोहित ने बताया कि बच्चों का पिता करीब 15-20 साल से बोरानाडा में रहता है। वह चूड़ियों की एक फैक्ट्री में काम करता था। श्याम सिंह भाटी उसी फैक्ट्री में मुनीम था। करीब साल भर पहले श्याम सिंह ने फैक्ट्री छोड़ दी थी।

फिर उसने मृतकों के पिता से सम्पर्क किया और साझेदारी में चुडियां बनाने की फैक्ट्री शुरू करने का प्रस्ताव रखा था।

राजस्थान के बैजनाथ महाराज, बेगम बतूल और शीन काफ निजाम को पद्मश्री सम्मान

जोधपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राजस्थान के तीन महान व्यक्तित्वों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनमें राजस्थान की लोकगायिका बेगम बतूल और जोधपुर के प्रतिष्ठित उर्दू शायर शीन काफ निज़ाम को पद्मश्री सम्मान दिए जाने की घोषणा हुई है। इनके साथ राजस्थान के आध्यात्मिक गुरु बैजनाथ महाराज को पद्मश्री से सम्मानित किए जाने की घोषणा हुई है।

राजस्थान की लोकगायिका बेगम बतूल

भगवान राम और गणपति के भजन गाने वाली जयपुर की मांड गायिका बेगम को गणतंत्र दिवस पर पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 2022 में उन्हें नारी शक्ति पुरस्कार से भी सम्मानित किया था। बेतूल बेगम मुस्लिम धर्म से ताल्लुक रखती हैं और लंबे समय से भगवान राम और गणपति के भजन गाती आ रही हैं।

शीन काफ निजाम

इनका मूल नाम शिव किसन बिसवा है। वर्ष 2010 में इन्हें साहित्य अ का द मी पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। ये मूल रूप से उर्दू साहित्य से जुड़े हैं। कविताएं और शायरियां लिखते हैं।

बैजनाथ महाराज

राजस्थान के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशन माउंट आबू में श्रद्धानाथ जी आश्रम के पीठाधीश्वर बैजनाथ महाराज को भी पद्मश्री देने का एलान किया गया है। वे यहां माउंट आबू में शिव साधना आश्रम चलाते हैं।

शराब के नशे में लॉरी ड्राइवर ने ले ली 9 लोगों की जान

वरंगल, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नशे में धुत तेज गति से लाही चलाने वाले चालक ने 9 लोगों की जान ले ली। यह हादसा उस समय हुआ जब लोहे का सामान ले जा रही एक लॉरी ने नियंत्रण खो दिया और वह पास से गुजर रहे आटो से जा टकराई। दुर्घटना का कारण ट्रक चालक का अत्यधिक नशे में होना तथा बहुत तेज गति से वाहन चलाना था।

वरंगल के बाहरी इलाके में खम्मम-वारंगल राष्ट्रीय राजमार्ग पर मामुनूर के पास एक गंभीर सड़क दुर्घटना हुई। लोहे के खंभों से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर ऑटो के ऊपर पलट गया। इस दुर्घटना में 9 लोगों की मौत हो गई और तीन घायल अपनी जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पुलिस ने ट्रक चालक की पहचान शराब के नशे में की है। पुलिस ने शराब के नशे में धुत ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है।

ट्रक से लोहे के खंभे टूटकर गाड़ियों पर गिर पड़े। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

एक अन्य लड़के की एमजीएम अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। सभी मृतकों की पहचान मध्य प्रदेश के भोपाल के रहने वाले के रूप में हुई है। वे टेंट में रह रहे थे। वरंगल के बाहरी इलाके में रहकर जीविकोपार्जन कर रहे थे। यह दुर्घटना उस समय हुई जब वे सभी एक ऑटो में यात्रा कर रहे थे।

बड़ा बाघ वापस आ गया है, गांवों में दहशत

जगतियाल, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बाघ घूम रहा है, मुझे नहीं पता कि वह कहां से आया लेकिन उसके निशान दिख रहे हैं। वन विभाग के अधिकारी स्थानीय लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। जगतियाल जिले के कोडिम्याला मंडल के कोंडापुर वन क्षेत्र में एक घटना घटी जहां एक बड़े बाघ ने एक किसान के खेत के पास एक गाय को मारकर खा लिया। कोंडापुर गांव के किसान गुंडू बाबू ने वन क्षेत्र के बाहरी इलाके में अपने खेत के पास एक गाय बांध रखी थी। सुबह जब किसान उसे देखने गया तो उसे लगा कि किसी बड़े बाघ ने उसे खा लिया है और उसने वन अधिकारियों से इसकी शिकायत की।

हालांकि, घटनास्थल पर पहुंचे वन अधिकारियों ने क्षेत्र का निरीक्षण किया। बाद में अधिकारियों ने इसे एक बड़ा बाघ समझकर जनता को सचेत किया। बताया जा रहा है कि मंडल के कोडिम्याला कोंडापुर, भोलेम चेरुवु, सुरमपेट, दमय्यापेट, रामकिष्टपुर और भीमाराम मंडल के गोविंदराम के वन क्षेत्रों में एक बाघ घूम रहा है। इसके साथ ही वन विभाग के अधिकारियों ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। यह सलाह दी जाती है कि अकेले वन क्षेत्र में न जाएं। उन्होंने कहा कि चूंकि कोडिमयाला वन क्षेत्र 40,000 एकड़ में फैला है, इसलिए यहां बड़े बाघों के आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि कोई अकेले न जाएं और यदि कोई संकेत दिखाई दे तो उन्हें सूचित करें।

पावरग्रिड में गणतंत्र दिवस मनाया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पावरग्रिड दक्षिणी क्षेत्र पारेषण प्रणाली-1में तिरंगा फहराया गया। मुख्य अतिथि ने अपने संदेश में कहा कि यह सभी स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों के प्रति आभार प्रकट करने का दिन है, जिन्होंने इसे संभव बनाया है। पावरग्रिड ने अपने व्यापार में पर्याप्त वृद्धि करते हुए विश्वसनीयता के साथ-साथ सस्ती विद्युत के पारेषण को भी सुनिश्चित किया है। कंपनी ईएसजी लक्ष्यों के लिए प्रतिबद्ध है, जिसका लक्ष्य 2025 तक 50 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा, 2030 तक पानी अधिशेष और 2047 तक शुद्ध शून्य, को प्राप्त करते हुए नवाचार और स्थिरता में नेतृत्व करने की क्षमता को स्थापित करना है। कंपनी ने आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर सबस्टेशन रोबोट के पेटेंट को विकसित करते हुए नई तकनीक को अपनाया है।

इस अवसर पर एसी शंकरैया, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना), प्रवीण कुमार टी वी एस, मुख्य महाप्रबंधक (परिसंपत्ति प्रबंधन), वेंकट एसवी, मुख्य महाप्रबंधक (वित्त), अरुण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन), वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य तथा बच्चे उपस्थित रहे। तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में स्थित पावरग्रिड, दक्षेपाप्र-I के सभी प्रतिष्ठानों में गणतंत्र दिवस उल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया।

यूनियन भाषा सौहार्द इन्द्रधनुष योजना के तहत पहले बैच का प्रशिक्षण संपन्न

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यूनियन भाषा सौहार्द इन्द्रधनुष योजना के तहत यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया, अंचल कार्यालय हैदराबाद, क्षेत्रीय कार्यालय पंजागुट्टा-हैदराबाद एवं क्षेत्रीय कार्यालय सैफाबाद-हैदराबाद द्वारा संयुक्त रूप से तेलुगु भाषा प्रशिक्षण के पहले बैच का प्रशिक्षण पूर्ण किया गया। प्रशिक्षणार्थियों को अंचल प्रमुख कारे भास्कर राव ने प्रमाणपत्र और स्मृतिचिह्न प्रदान किया। केंद्रीय कार्यालय से ऑनलाइन माध्यम से जुड़ते हुए विवेकानंद, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) ने प्रशिक्षण को पूरा करनेवाले स्टाफ सदस्यों को बधाई दी और प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए अंचल प्रमुख के प्रति आभार व्यक्त किया। वीएसवी नागेश, उप महाप्रबंधक एवं बी श्रीनिवास राव, मुख्य प्रबंधक (परिचालन) की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर तेलुगु शिक्षक नागेश्वर राव एवं प्रशिक्षण प्रदाता संस्था 'हिन्दी प्रचार सभा हैदराबाद' के पदाधिकारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम के आयोजन में सुश्री तपस्विनी मोहंती (प्रबंधक) राजभाषा एवं सुश्री श्रृति पांडे सहायक प्रबंधक (राजभाषा) ने सहयोग प्रदान किया।

आज 76वां गणतंत्र दिवस के अवसर पर अग्रिकल्चर मार्केट बोवेनपल्ली यार्ड में झंडा वंदन के कार्यक्रम में उपस्थित सिकंदराबाद एवं बोवेनपल्ली मार्केट व्यापारी संघ के अध्यक्ष ए. गौतम जैन। इस अवसर पर उपस्थित मार्केटिंग विभाग के सहायक सचिव श्रीनिवास, रफीक साहब, व्यापार संघ के कोषाध्यक्ष मधु बाबू, कार्यकारिणी सदस्य राजाराम चौधरी, राज कुमार अग्रवाल एवं अन्य उपस्थित थे।

विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के तत्वावधान में अमृतधाम आश्रम में आश्रम प्रबंधक सज्जनलाल श्रीवास्तव द्वारा ध्वजारोहण हुआ। कार्यक्रम में सत्संग सह इंचार्ज राजू भागचंदानी, भाग्यनारायण, रामकिशन रतीवाल परिवार, धनराज नागरे, रामचंदर राव, भिक्षापती, प्रदीप लेले, आश्रम के पुजारी शशी शर्मा, गौशाला पंडित आदि उपस्थित थे।

एसबीआई ने धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। देश की अग्रणी बैंक स्टेट बैंक आफ इण्डिया (एसबीआई) हैदराबाद स्थानीय प्रधान कार्यालय ने स्वर्णिम भारत-विरासत व विकास थीम सहित 76वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया। जिसमें-एसबीआई सीजीएम राजेश कुमार ने राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद कहा कि बैंकिंग क्षेत्र न केवल आर्थिक विकास का इंजन है, बल्कि सामाजिक प्रगति का एक स्तंभ भी है।

एसबीआई, हैदराबाद मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार ने एलएचओ परिसर के उत्तरी लॉन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने कहा कि हम हर वर्ष 26 जनवरी को उस दिन का सम्मान करने के लिए मनाते हैं, जिस दिन 1950 में भारतीय संविधान लागू हुआ था। हमारा संविधान न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे सिद्धांतों पर प्रकाश डालता है। पिछले कुछ वर्षों में, हमने बैंकिंग के जीवन को प्रभावित करने के तरीके में उल्लेखनीय बदलाव देखे हैं, ग्रामीण उद्यमियों और किसानों का समर्थन करने से लेकर छोटे व्यवसायों के सपनों को सक्षम करने और वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने तक, हमने राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने में बड़ी प्रगति की है। यह दिन हमें अपने ग्राहकों की उभरती जरूरतों और गतिशील दुनिया की चुनौतियों के अनुकूल होने की हमारी जिम्मेदारी की भी याद दिलाता है। डिजिटल क्रांति ने बैंकिंग को बदल दिया है और यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है कि प्रौद्योगिकी सशक्तिकरण के लिए एक उपकरण के रूप में कार्य करे।

राजेश कुमार ने आगे कहा कि, एसबीआई अपने मूल्य प्रणाली एसटीपीएस के माध्यम से पारदर्शिता, विश्वास और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। एसबीआई देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और इसे विश्व स्तर पर सबसे भरोसेमंद बैंकों की सूची में चतुर्थ स्थान मिला है।

अपने संबोधन के समापन में सीजीएम राजेश कुमार ने कहा कि हम सभी अपने मूल्य प्रणाली के प्रति स्वयं को पुनः समर्पित करें क्योंकि हम में से प्रत्येक व्यक्ति न केवल इस संगठन के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है बल्कि हमारे देश के भविष्य को भी आकार देता है।

इस कार्यक्रम का समापन स्टाफ सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन के साथ हुआ, जिन्होंने देशभक्ति के गीतों, नृत्य और अन्य प्रदर्शनों से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। खेल, शिक्षा और कला के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टाफ के बच्चों को सम्मानित किया गया। साथ ही, बैंक सशस्त्र गार्डों को उनके कर्तव्यों के निर्वहन में उनके अनुकरणीय प्रदर्शन और प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया गया।

बालाजी नगर स्थित श्री आई माताजी मंदिर (बडेर) में गणतंत्र दिवस पर अध्यक्ष जयराम पंवार, सचिव हीरालाल चोयल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अवसर पर उपस्थित उपाध्यक्ष नारायणलाल बर्फा, कोषाध्यक्ष नरेश कुमार सोलंकी, घेवरचन्द्र चोयल, मोहनलाल, अचलाराम, हेमाराम, हीरालाल काग, अशोक एवं अन्य।

निर्दोष समाज सेवी संस्था के खैरताबाद स्थित निद्रोश भवन में गणतंत्र दिवस पर तिरंगा फहराते सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. राम कुमार तिवारी इस अवसर पर बडी संख्या में संस्था के स्वयं सेवक एवं संरक्षक उपस्थित थे। कार्यलय प्रमुख प्रकाश वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जन सेवा संघ द्वारा गणतंत्र दिवस का आयोजन

जन सेवा संघ के खैराताबाद कार्यालय में झंडा रोहण अध्यक्ष आर पी सिंह द्वारा किया गया। इसमें जन सेवा संघ के उपाध्यक्ष गोविंद तिवारी, केंद्रीय समिति के एसपी सिंह, मोहम्मद मुनव्वर एवं जन सेवा संघ के वरिष्ठ सदस्य एलएम चौधरी, सुनील श्रीवास्तव, दिनेश चंदन, मनोज यादव, नंद किशोर चौधरी, बी एल श्रीवास्तव, नितेश कुमार, राजेश कुमावत, अनिल शेखावत, जितेंदर यादव तथा स्कूल के छात्र-छात्राएं बड़ी मात्रा में उपस्थित होकर झंडा रोहण संपन्न करवाया।

गणतंत्र दिवस रानी पार्क कोटी में उमंग के साथ मनाया गया। इस इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता रामुलु ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव हनुमान राव, कृष्णा, रमेश, भिक्षापति, विजय, गुरुराज, किरण, दीक्षिता और अन्य ने भाग लेकर गणतंत्र दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला।

बिहार भवन परिसर में झंडारोहण

बिहार एसोसिएशन हैदराबाद हसमतपेट स्थित बिहार भवन परिसर में गणतंत्र दिवस का आयोजन किया। महासचिव प्रभास कुमार ने बताया कि अध्यक्ष, हरेराम सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया। सभा को हरेराम सिंह उपाध्यक्ष उत्तम यादव वरिष्ठ कार्यकारी दशरथ यादव, रविशंकर सिंह, दिनेश सिंह, विनोद गुप्ता, हरेराम यादव, भरत सिंह, दिलीप कुमार इत्यादि ने संबोधिय किया। एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता, मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार, धर्मेंद्र सिंह, दिलीप कुमार, आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उपाध्यक्ष रविशंकर सिंह ने बिहार एसोसिएशन उप्पल इकाई कार्यालय हेमा नगर में ध्वजारोहण किया।

शमसाबाद (बडेर) प्रांगण में ध्वजारोहण करते हुए मुख्य अतिथि हरजी राम काग, उपाध्यक्ष चेलाराम काग, सहसचिव नरेश परिहार, कोषाध्यक्ष राजुराम परिहार, शिक्षा समिति उपाध्यक्ष भेराराम परिहारीया, सचिव भीकाराम काग, सलाहकार हरिराम परिहारीया, पूर्व उपाध्यक्ष मलाराम पंवार, सोहनलाल बर्फा, रमेश पंवार, रमेश चोयल, गणपत काग, गोपाल पंवार, अमरजी एवं महिला मंडल मनोनीत सदस्य पुनम पंवार, नर्मदा बर्फ़ा, पुजा काग और बच्चे उपस्थित थे।

पीएम श्री केवी पिकेट में वन डे किसान बने

छात्रों ने गांव के जीवन का अनुभव किया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पीएम श्री केवी पिकेट ने छात्रों को कृषि पद्धतियों और ग्रामीण जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करने के लिए भोंनगिरी स्थित वन डे किसान (किसान) के खेत का फील्ड ट्रिप आयोजित किया। इस यात्रा की शुरूआत किसानों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली विभिन्न फसलों, औजारों और तकनीकों से परिचय के साथ हुई। छात्रों ने जुताई, बुवाई, सिंचाई और कटाई की प्रक्रियाओं का अवलोकन किया, जिससे उन्हें खेती में शामिल कड़ी मेहनत और समर्पण के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने टिकाऊ कृषि पद्धतियों के महत्व और आधुनिक खेती में प्रौद्योगिकी की भूमिका के बारे में भी बताया। छात्रों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे, जिससे उन्हें कक्षा के ज्ञान को वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों से जोड़ने में मदद मिली।

पार्क के कर्मचारियों ने बच्चों को प्रत्येक उपकरण और तकनीक के बारे में समझाया। बच्चों को किसानों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले विभिन्न कृषि उपकरण और अन्य गैजेट को संभालने की अनुमति दी गई। मिट्टी के बर्तन बनाने की कला का प्रदर्शन किया गया और बच्चों ने बर्तन बनाने में अपने हाथ आजमाए। छात्रों ने गांव के जीवन का अनुभव किया, उन्होंने पीसने, पीटने और गोबर के उपले बनाने का आनंद लिया। भोजन सुरक्षा सुनिश्चित करने में किसानों के महत्व पर चर्चा के साथ दौरे का समापन हुआ। छात्रों ने किसानों और पर्यावरण का सम्मान करने के महत्व को सीखा। इस यात्रा के माध्यम से, उन्होंने कृषि और कृषक समुदाय के सामने आने वाली चुनौतियों के लिए गहरी प्रशंसा विकसित की। यह एक समृद्ध और शैक्षिक अनुभव था जिसने छात्रों को प्रकृति को महत्व देने और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

श्री आई माताजी मंदिर, (बडेर) जीडिमेटला में गणतंत्र दिवस पर अध्यक्ष मांगीलाल काग ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अवसर पर उपस्थित उपाध्यक्ष अर्जुनलाल बर्फा, सहसचिव प्रेम पंवार, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग, सलाहकार सोहनलाल परिहार, लुंबाराम मुलेवा, सोहनलाल हाम्बड़, मुलाराम पंवार, भुराराम काग, नारायणलाल सैणचा, मुकेश भायल, सांवलराम, ताराराम पंवार, भुंडाराम बर्फा, देवाराम बर्फा एवं अन्य।

तेलंगाना बिहार सहयोग समिति द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह पूर्व सैनिक एवं समिति के वरिष्ठ प्रधाकारी राजेश्वर भगत द्वारा झंडा रोपण किया गया। इस मौके पर सचिव सागर भगत ने सभी बच्चों को पुरस्कार वितरित किए और सचिव सागर भगत, सुनील भगत, दिपक गुप्ता, मनोज भगत, हरिश यादव, आंनद गुप्ता, सुनील ठाकुर, संजय भगत, बिनोद यादव, शंकर, पेंटाया एवं भारी मात्रा में सदस्य गण एवं बच्चों ने भाग लिया।

सेंट पॉल डिग्री एवं पीजी कॉलेज, हिमायतनगर में मुख्य अतिथि मोहम्मद सिराजुद्दीन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। मुख्य अतिथि ने छात्रों को संबोधित किया। कॉलेज के प्राचार्य हयाग्रीव चारी ने छात्रों को सलाह दी कि करियर एवं जीवन में सफल होने के लिए हर तरह से अनुशासन जरूरी है। कैरम, शतरंज, बिलियर्ड्स, हैंड फुटबॉल, टेबल टेनिस, निबंध लेखन, भाषण, गायन, नृत्य, मेहंदी, रंगोली आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजेताओं एवं उपविजेताओं को पदक एवं प्रमाण पत्र दिए गए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

श्रीजेश को पद्म भूषण, अश्विन समेत 4 को पद्मश्री

अश्विन ने दिसंबर में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 2025 के लिए 139 पद्म पुरस्कारों का ऐलान किया। पूर्व हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश को पद्म भूषण सम्मान दिया गया है।

पद्मश्री पुरस्कार 113 लोगों को दिया जा रहा है, जिनमें 4 खिलाड़ी हैं। हाल ही में रिटायर हुए क्रिकेटर आर अश्विन को पद्म श्री दिया गया है। अश्विन के अलावा पैरालंपियन तीरंदाज हरविंदर सिंह, भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान इनिवलाप्पिल मणि विजयन और पैरा एथलेटिक्स कोच सत्यपाल सिंह का नाम शामिल है।

श्रीजेश ने भारत के लिए 336 मैच खेले

पूर्व हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश को पद्म भूषण सम्मान दिया गया है। पेरिस ओलिंपिक 2024 में भारतीय मेंस हॉकी टीम ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। उसके बाद श्रीजेश ने हॉकी से संन्यास ले लिया था। कई कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स और वर्ल्ड कप खेल चुके श्रीजेश ने भारत के लिए 336 मैच खेले हैं और पेरिस ओलिंपिक उनका चौथा ओलिंपिक रहा। इससे पहले, श्रीजेश ने 2021 में खेले गए टोक्यो ओलिंपिक गेम्स में शानदार गोलकीपिंग से भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। भारत ने तब इस खेल में 41 साल के पदक के सूखे को खत्म किया था। श्रीजेश ने 2012 ओलिंपिक में डेब्यू किया था।

अश्विन भारत के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 18 दिसंबर 2024 को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 287 मैच खेले और 765 विकेट लिए। अश्विन भारत के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनसे आगे सिर्फ अनिल कुंबले हैं, जिन्होंने 953 विकेट लिए हैं।

हरविंदर सिंह ने पेरिस पैरालंपिक में गोल्ड जीता

पैरालंपियन तीरंदाज हरविंदर सिंह को पद्मश्री के लिए चुना गया है। पेरिस पैरालंपिक में हरविंदर ने पुरुष रिकर्व के फाइनल मुकाबले में स्वर्ण पदक जीता था। यह तीरंदाजी में भारत का पहला पैरालंपिक स्वर्ण पदक है और साथ ही उनका दूसरा पैरालंपिक पदक भी है।

विजयन को 2003 में अर्जुन पुरस्कार मिला

भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान इनिवलाप्पिल मणि विजयन को पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। विजयन ने भारत के लिए बतौर स्ट्राइकर खेला। विजयन को तीन बार (1993, 1997 और 1999) साल का बेस्ट भारतीय खिलाड़ी चुना गया था। उन्हें 2003 में अर्जुन पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

प्रवीण कुमार के कोच हैं सत्यपाल सिंह

पैरा एथलेटिक्स कोच सत्यपाल सिंह को भी पद्मश्री से नवाजा जाअगा। सत्यपाल इस साल खेल रत्न पुरस्कार पाने वाले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता प्रवीण कुमार के कोच हैं।

3 श्रेणियों में दिया जाता है पद्म पुरस्कार

देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों- पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण में प्रदान किए जाते हैं। ये पुरस्कार कला, समाज सेवा, साइंस, इंजीनियरिंग, बिजनेस, इंडस्ट्री, चिकित्सा, साहित्य, शिक्षा, खेल और सिविल सेवा जैसे विविध क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए दिए जाते हैं।

बृजभूषण शरण के घर फिर शिफ्ट हुआ कुश्ती संघ

वेबसाइट पर पता है कहीं और का, डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह बोले-हरि नगर में ही है ऑफिस

नई दिल्ली,, 26 जनवरी (एजेंसियां)। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया का ऑफिस फिर से बिना बताए पुराने पते यानी बृजभूषण शरण सिंह के आवास 21, अशोका रोड दिल्ली में शिफ्ट हो गया है। डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह पर 2023 में महिला पहलवानों द्वारा आरोप लगाने के बाद कुश्ती फेडरेशन का ऑफिस घर से चलाने का मामला तूल पकड़ा था। जिसके बाद डब्ल्यूएफआई का ऑफिस हरि नगर में एक किराए मकान में शिफ्ट हो गया था।

इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, डब्ल्यूएफआई का ऑफिस पिछले साल जून से ही 21 अशोका रोड शिफ्ट हो गया है। यह मकान अब उनके सांसद पुत्र के नाम है। जबकि, डब्ल्यूएफआई की वेबसाइट पर अब भी हरि नगर का पता है। वहीं, डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा है कि ऑफिस हरि नगर में ही है।

अखबार के मुताबिक, वेबसाइट के पते पर प्रोपर्टी एडवाइजर का ऑफिस है। वहीं आस-पास के किरायेदारों ने बताया डब्ल्यूएफआई कई महीने पहले ही यहां से अशोका रोड चला गया था। डब्ल्यूएफआई के यहां आने के बाद, एक या दो कार्यालय कर्मचारी कंप्यूटर और कुछ फाइलों के साथ यहां आए थे। वे यहां कभी-कभी आते थे और कभी-कभी कुछ लोग मिलने भी आते थे। लेकिन कुछ महीनों के भीतर WFI यहां से चला गया। इमारत के प्रवेश द्वार पर डब्ल्यूएफआई का बोर्ड हुआ करता था। अब यहां बोर्ड भी नहीं है। 21 अप्रैल 2023 को नई दिल्ली, कनॉट प्लेस के एसएचओ को संबोधित करते हुए 6 लोगों के नाम के पत्र मिले थे। इन 6 नामों में कुश्ती की कई जानी-मानी खिलाड़ियों के नाम थे। इन सभी शिकायतकर्ताओं ने तब डब्ल्यूएफआई के प्रेसिडेंट बृजभूषण शरण सिंह और उनके सेक्रेटरी विनोद तोमर पर यौन शोषण का आरोप लगाया था।

इन शिकायती पत्रों में पिछले करीब 8 से 9 सालों में अलग-अलग मौकों पर यौन शोषण की बात लिखी मिली थी। बाद में बृजभूषण सिंह पर मामला दर्ज हुआ था। अब भी इस मामले में कोर्ट में सुनवाई चल रही है।

बृजभूषण ने कहा, ऑफिस हरिनगर में ही चल रहा है, नए जगह की तलाश जारी

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कुश्ती संघ के कार्यालय को लेकर चल रहे विवाद पर स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में डब्ल्यूएफआई का कार्यालय हरिनगर में स्थित है, जहां जगह की कमी के कारण नए स्थान की तलाश की जा रही है।

क्या सूर्यकुमार पर है कप्तानी का दबाव ?

रोहित-विराट जैसी हुई हालत

मुंबई, 26 जनवरी (एजेंसियां)। टी20 क्रिकेट के बेहतरीन बल्लेबाजों में गिने जाने वाले सूर्यकुमार यादव इन दिनों अपने फैंस को धूम धड़ाका नहीं बल्कि सिर्फ खामोशियां और निराशा सौंप रहे हैं. उनके बल्ले से रन नहीं निकल रहे हैं. ना ही वे अपने चिर परिचत अंदाज में अलग-अलग शॉट्स खेल रहे हैं. लेकिन उनके बल्ले को ये जंग अभी नहीं लगी है बल्कि टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद से ही सूर्या का ऐसा हाल जारी है. इतना ही नहीं एक साल से उनके बल्ले से कोई शतक भी नहीं आया है. क्या सूर्या पर कप्तानी का दबाव है? क्या सूर्या का हाल भी रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसा हो गया है?

रोहित-विराट जैसी हो गई सूर्या की हालत

इंडियन क्रिकेट के दो बड़े दिग्गज विराट कोहली और रोहित शर्मा साल 2024 में रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे. इस दौरान दोनों का बैटिंग औसत भी बेहद खराब रहा. रोहित का औसत सभी फॉर्मेट में 24.76 का रहा तो वहीं कोहली का 24.52 का रहा. अब ऐसा ही हाल 'सूर्या' और 'स्काई' जैसे नामों से मशहूर सूर्यकुमार यादव का भी है. 2024 का टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद से सूर्या के बल्ले पर सिर्फ खामोशी छाई है. उनका औसत इसके बाद से 24.50 का है. इंग्लैंड के खिलाफ जारी टी-20 सीरीज के शुरुआती दोनों मुकाबलों में भी सूर्या फेल रहे. चेन्नई में सूर्यकुमार सिर्फ 12 रन बना पाए. जबकि कोलकाता में वो खाता तक नहीं खोल पाए थे.

सूर्यकुमार यादव ने तब से अब तक 12 पारियों में 250 रन भी नहीं (242) बनाए हैं. जबकि वो एक ही सीरीज में इतने रन बनाने का माद्दा रखते हैं. लेकिन फिलहाल उनका बल्ला शांत है. सूर्यकुमार के बल्ले से सिर्फ 2 हाफ सेंचुरी निकली है. वहीं उन्हें सेंचुरी लगाए हुए 1 साल से ज्यादा समय हो गया है. टी-20 इंटरनेशनल में उनका आखिरी शतक साउथ अफ्रीका के खिलाफ दिसंबर 2023 में आया था. उन्होंने 56 गेंदों में 100 रनों की इनिंग खेली थी.

क्या सूर्यकुमार पर है कप्तानी का दबाव?

सूर्या की फॉर्म बिगड़ने की एक बड़ी वजह उन पर अतिरिक्त जिम्मेदारी हो सकती है. टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद रोहित शर्मा ने टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया था. इसके बाद सूर्यकुमार यादव को इस फॉर्मेट में टीम इंडिया का फुल टाइम कप्तान बना दिया गया था. हो सकता है कि कप्तानी के प्रेशर के चलते सूर्या बल्ले से दमखम ना दिखा पा रहे हो. लेकिन आपको बता दें कि सूर्या की कप्तानी में टीम इंडिया टी-20 क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करती है. सूर्या ने फुल टाइम कप्तान बनने से पहले और उसके बाद से अब तक 19 टी-20 मैचों में भारत की कप्तानी की है जिसमें 16 मैचों में उसे जीत नसीब हुई है.

राष्ट्रीय खेलों में सिक्किम दल की अगुआई करेंगे तीरंदाज तरुणदीप

एसओआई के महासचिव ने की पुष्टि

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। सिक्किम ओलंपिक संघ के महासचिव जसलाल प्रधान ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, चार बार के ओलंपियन तरुणदीप राय तीरंदाजी स्पर्धा में सिक्किम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं हमें अन्य चार खेलों में भी पदक की उम्मीद है।

चार बार के ओलंपियन तीरंदाज तरुणदीप राय 28 जनवरी से 14 फरवरी तक उत्तराखंड में होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों में पहली बार अपने गृह राज्य सिक्किम का प्रतिनिधित्व करेंगे। तरुणदीप 41 सदस्यीय सिक्किम दल का हिस्सा हैं। सिक्किम एक से सात फरवरी तक होने वाले राष्ट्रीय खेलों में पांच स्पर्धाओं तीरंदाजी, मुक्केबाजी, एथलेटिक्स, साइकिलिंग और महिला फुटबॉल में प्रतिस्पर्धा कर रहा है।

सिक्किम ओलंपिक संघ के महासचिव जसलाल प्रधान ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, चार बार के ओलंपियन तरुणदीप राय तीरंदाजी स्पर्धा में सिक्किम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं हमें अन्य चार खेलों में भी पदक की उम्मीद है।

यानिक सिनर ने अपना टाइटल किया डिफेंड

लगातार दूसरी बार जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन

मेलबर्न, 26 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में मेंस का फाइनल मैच वर्ल्ड रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर काबिज यानिक सिनर और जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच खेला गया. इस मुकाबले में यानिक सिनर बाजी मारने में कामयाब रहे और उन्होंने अपना टाइटल भी डिफेंड किया. ऑस्ट्रेलियन ओपन के में पिछले दो सप्ताहों के दौरान सिनर को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझना पड़ा है. लेकिन इसका असर उनके खेल पर नहीं पड़ा. इसी के साथ वह लगातार दूसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतने में कामयाब रहे.

यानिक सिनर ने एकतरफा अंदाज में जीता फाइनल

इस मैच में यानिक सिनर ने एलेक्जेंडर ज्वेरेव को करारी शिकस्त दी. यानिक सिनर ने ये मैच सीधे सेटों में 6-3, 7-6 (4), 6-3 अपने नाम किया. दोनों खिलाड़ियों के बीच ये मैच 2 घंटे और 42 मिनट तक चला. बता दें, यानिक सिनर ने पिछले 13 महीने में तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है. इससे पहले उन्होंने यूएस ओपन 2024 और पिछले ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में भी बाजी मारी थी. दूसरी ओर वर्ल्ड नंबर-2 एलेक्जेंडर ज्वेरेव एक बार फिर ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से चूक गए.

बता दें, एलेक्जेंडर ज्वेरेव साल 2015 से ग्रैंड स्लैम खेल रहे हैं, इस दौरान वह अभी तक 3 बार फाइनल तक का सफर तय करने में कायमाब रहे हैं. लेकिन हर बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा है. इस बार ज्वेरेव को फाइनल में पहुंचने के लिए ज्यादा परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा था. सेमीफाइनल में उनके सामने नोवाक जोकोविच की चुनौती थी लेकिन 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने पैर की चोट के कारण एक सेट के बाद ही मैच से हटने का फैसला किया था. ऐसे में उन्हें फाइनल में एंट्री मिल गई थी. दूसरी ओर सिनर अब तक 3 बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचे हैं और तीनों बार टाइटल जीतने में कामयाब रहे हैं.

यानिक सिनर ने रचा इतिहास

बता दें, यानिक सिनर ऑस्ट्रेलियन ओपन के इतिहास के सिर्फ 11वें खिलाड़ी बने हैं जिसने अपने टाइटल को डिफेंड किया है. दूसरी ओर वह जिम कुरियर (1992 और 1993) के बाद सबसे कम उम्र में लगातार दो बार इस खिताब को जीतने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं.

रोहित आईसीसी टी-20 टीम ऑफ द ईयर के कप्तान

4 भारतीय खिलाड़ी शामिल, अर्शदीप साल के बेस्ट टी-20 प्लेयर

दुबई, 26 जनवरी (एजेंसियां)।ICC ने साल 2024 की टी-20 टीम ऑफ द ईयर की घोषणा कर दी है। इस टीम में 4 भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिली है। रोहित शर्मा को कप्तान बनाया गया है। उनके अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह भी टीम में शामिल हैं। भारत के अलावा किसी भी अन्य देश से एक से ज्यादा खिलाड़ियों को मौका नहीं मिला है।

टीम में पाकिस्तान के बाबर आजम, ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और अफगानिस्तान के राशिद खान भी टीम में शामिल हैं। एक दिन पहले शुक्रवार को ICC ने टेस्ट टीम ऑफ ईयर और वनडे टीम ऑफ ईयर का ऐलान किया था। टेस्ट में भारत के तीन प्लेयर्स को जगह मिली थी। जबकि वनडे टीम में कोई भारतीय नहीं है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल हर साल खिलाड़ियों के प्रदर्शन के

आधार पर तीनों फॉर्मेट की टीम जारी करती है।

भारतीय टीम ने रोहित शर्मा की कप्तानी में 29 जून को टी-20 वर्ल्ड कप 2024 जीता था। ब्रिजटाउन के मैदान पर भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को 7 रनों से हराया था।

भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को ICC ने टी-20 क्रिकेटर ऑफ ईयर चुना है। उन्होंने पिछले साल 18 मुकाबलों में 36 विकेट झटके हैं। इस अवॉर्ड के लिए ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड, पाकिस्तान के बाबर आजम और जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा के नाम भी रेस में थे।

कोहली प्लेयर ऑफ मैच रहे थे, बुमराह प्लेयर ऑफ सीरीज

फाइनल मैच में 76 रन की पारी खेलने वाले विराट कोहली प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे। जबकि टूर्नामेंट में 15 विकेट झटकने वाले जसप्रीत बुमराह प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए थे।

दक्षिण अफ्रीका 20-पॉल रॉयल्स प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने वाली पहली टीम

खेल डेस्क, 26 जनवरी (एजेंसियां)। पार्ल रॉयल्स दक्षिण अफ्रीका20 के तीसरे सीजन के प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने वाली पहली टीम बन गई है। बोलैंड पार्क में खेले गए 20वें मैच में पार्ल रॉयल्स ने प्रिटोरिया कैपिटल्स को 11 रन से हराया। जीत के हीरो इंग्लिश खिलाड़ी जो रूट रहे। उन्होंने 78 रनों की पारी खेलने के साथ ही 2 विकेट लिए।

पार्ल रॉयल्स इस जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में टॉप पर बरकरार है। उसके 24 पॉइंट्स हो गए हैं। टॉस जीतकर प्रिटोरिया कैपिटल्स ने पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पार्ल रॉयल्स ने 4 विकेट खोकर 140 रन बनाए। वहीं 141 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी प्रिटोरिया कैपिटल्स 7 विकेट के नुकसान पर 129 रन ही बना सकी।

जो रूट ने पार्ल रॉयल्स की पारी को संभाला

पार्ल रॉयल्स का पहला विकेट बिना खाता खोले ही तीसरी गेंद पर गिर गया। लुआन-ड्रे प्रीटोरियस ने विल

जैक्स को कैच देकर पवेलियन लौट गए। उसके बाद जो रूट एक तरफ पारी को संभाले रखा। उन्होंने 56 गेंदों का सामना कर 78 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 8 चौके और 2 छक्का जड़ा। रूट के अलावा डेविड मिलर ने 18 गेंदों का सामना कर 29 रन बनाए। प्रिटोरिया कैपिटल्स की ओर से विल जैक्स, ईथन बॉश, सेनुरन मुथुसामी और काइल सिमंड्स ने 1-1 विकेट लिए।

विल जैक्स रहे प्रिटोरिया कैपिटल्स के टॉप स्कोरर

विल जैक्स प्रिटोरिया कैपिटल्स के टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 53 गेंदों का सामना कर 56 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 2 चौका और 2 छक्का जड़ा। इनके अलावा काइल वेरिन ने 33 गेंदों का सामना कर 30 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 2 चौका जड़ा। पार्ल रॉयल्स के लिए रूट, मुजबी उर रहमान और ब्योर्न फोर्टुइन ने 2-2 विकेट लिए। जबकि डुनिथ वेल्लालेज ने एक विकेट लिया।

नामीबिया के खिलाड़ी गेरहार्ड इरासमस ने जीता आईसीसी का बड़ा अवॉर्ड

खेल डेस्क, 26 जनवरी (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल हर साल के आखिर में एनुअल अवॉर्ड्स के नोमिनेशन्स का ऐलान करती है और नए साल की शुरुआत में विजेताओं के नाम सामने आते हैं. इस बार भी आईसीसी 24 से 28 जनवरी के बीच आईसीसी अवॉर्ड्स के विजेता खिलाड़ियों के नामों का ऐलान कर रही है. आईसीसी की ओर से 26 जनवरी को पहला ऐलान आईसीसी मेंस एसोसिएट प्लेयर ऑफ द ईयर का किया गया. अवॉर्ड नामीबिया का एक स्टार खिलाड़ी जीतने में कामयाब रहा. खास बात है कि इस खिलाड़ी ने ये अवॉर्ड दूसरी बार जीता है. 2024 के आईसीसी मेंस एसोसिएट क्रिकेटर ऑफ द ईयर का पुरस्कार नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरासमस ने जीता है. गेरहार्ड इरासमस के लिए पिछला साल काफी शानदार रहा. उन्होंने अपनी टीम के लिए वनडे के साथ-साथ टी20 फॉर्मेट में भी दमदार प्रदर्शन किया, जिसके चलते वह ये अवॉर्ड जीतने में कामयाब रहे. गेरहार्ड इरासमस को दूसरी बार आईसीसी मेंस एसोसिएट क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया है. इससे पहले साल 2024 में भी वह इस अवॉर्ड को जीतने में कामयाब रहे थे. साल 2024 में गेरहार्ड इरासमस ने बल्ले के साथ-साथ गेंद से भी काफी शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने कुल 25 मैचों में 727 रन बनाए और 36 विकेट लिए. इस दौरान गेरहार्ड इरासमस ने वनडे में 12 मैचों में 33.09 की औसत से 364 रन बनाए और 22.38 की औसत से 18 विकेट लिए. दूसरी ओर टी20 में गेरहार्ड इरासमस ने 13 मैचों में 33.00 की औसत से 363 रन बनाए और 13.61 की औसत से 18 विकेट अपने नाम किए.

पात्र व्यक्तियों के लिए सरकारी योजनाएं : पोंगुलेटी

मंत्री ने नए राशन कार्ड, इंदिरम्मा इंडलू योजनाओं का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास, सूचना और नागरिक संबंध मंत्री और संयुक्त वारंगल जिले के प्रभारी मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने हनमाकोंडा में कहा कि राज्य सरकार उन सभी लोगों को सरकारी योजनाएं प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है जो पात्र हैं। रविवार को हनमाकोंडा जिले के हसनपर्थी मंडल के पेम्बरती ग्राम पंचायत कार्यालय में प्रजापालन रैतु भरोसा, इंदिरम्मा आत्मीय भरोसा, नए राशन कार्ड और इंदिरम्मा इंडलू योजनाओं का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयोजित सार्वजनिक शासन सरकारी योजनाओं की वितरण बैठक में राज्य के राजस्व, आवास और सूचना नागरिक संबंध मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि लोग पूरे देश में 76वें गणतंत्र दिवस का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंदिराम्मा सरकार गठन का एक वर्ष पूरा कर दूसरे वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने कहा कि इंदिराम्मा राज्यम देश की रोल मॉडल है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले किया गया हर वादा पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में वित्तीय हालात अच्छे नहीं होने के बावजूद सरकार लोगों तक सरकारी योजनाएं पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। चुनाव से पहले दिए गए वादे के मुताबिक, वारंगल रैतु घोषणा सभा में राहुल गांधी ने जो वादा किया था, उसके मुताबिक सरकार किसानों के कल्याण के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने तेलंगाना की जनता को धोखा दिया और जिसे मिला उसे कर्ज दे दिया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि किसानों और युवाओं की कठिनाइयों को जानने वाली इंदिराम्मा सरकार हर क्षेत्र में कई वित्तीय कठिनाइयों के बावजूद अपने वादे को ईमानदारी से पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले दस साल में पिछली सरकार ने सिर्फ कागजों और टीवी पर चमत्कार दिखाया था और दो बार झूठ के सहारे सत्ता में आई थी। उन्होंने कहा कि इंदिराम्मा सरकार ने कृषि भूमि के लिए दो किस्तों में 12,000 रुपये प्रति एकड़ देने के लिए रैतु भरोसा योजना शुरू की है। उन्होंने कहा कि यह सच है कि कई भूमिहीन गरीब परिवारों ने सभी मंचों पर पूछा है कि बैठक कहीं भी हो, जिन किसानों के पास जमीन है, उन्हें आश्वासन दिया जा रहा है कि हमारे भूमिहीन गरीब मजदूर परिवारों की स्थिति क्या है। उन्होंने कहा कि भूमिहीन गरीब परिवार को प्रति वर्ष 12 हजार रुपये देने के लिए इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा कार्यक्रम शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने राशन कार्ड नहीं दिये और उन्हें काफी परेशानी हुई।

एफटीसीसीआई ने 76वां गणतंत्र दिवस मनाया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 108 साल पुराने उद्योग, वाणिज्य और व्यापार निकाय फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) ने 76वां गणतंत्र दिवस मनाया और अध्यक्ष सुरेश कुमार सिंघल ने फेडरेशन हाउस में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर बोलते हुए सुरेश कुमार सिंघल ने कहा, यह अवसर उस दिन का प्रतीक है जब भारत ने 1950 में अपना संविधान अपनाया था और यह लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतों का प्रमाण है जो हमारे देश को आगे ले जाने का मार्गदर्शन करते हैं। आज, जब हम अपने तिरंगे की गौरवशाली छाया में खड़े हैं, तो हमें नागरिकों, व्यापारिक नेताओं और अपने देश के विकास और समृद्धि में योगदान देने वाले के रूप में अपनी बड़ी जिम्मेदारी की याद आती है। सिंघल ने उपस्थित लोगों से कहा कि राज्य में व्यापार और उद्योग के लिए अग्रणी आवाजों में से एक के रूप में फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की तेलंगाना और पूरे भारत के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका है। इस गणतंत्र दिवस पर, मैं आप सभी से हमारे संविधान के मूल्यों के प्रति फिर से प्रतिबद्ध होने और एक मजबूत और अधिक समृद्ध भारत के निर्माण में हमारी भूमिका पर गर्व करने का आग्रह करता हूं।

तेलंगाना के विकास में बुनियादी ढांचे का महत्वपूर्ण स्थान है : राज्यपाल

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा है कि तेलंगाना के विकास में बुनियादी ढांचे का विकास महत्वपूर्ण बना हुआ है और मेट्रो रेल नेटवर्क का विस्तार टिकाऊ शहरी परिवहन सुनिश्चित करेगा। मूसी नदी पुनरुद्धार परियोजना एक और महत्वाकांक्षी पहल है जिसका उद्देश्य नदी और उसके आसपास के क्षेत्र को पुनर्जीवित करना, इसे बेहतर पारिस्थितिक संतुलन और मनोरंजक सुविधाओं के साथ एक जीवंत शहरी स्थान में बदलना है।

उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं सामूहिक रूप से हैदराबाद के सतत विकास और हमारे संपन्न राजधानी शहर में रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। रविवार को यहां परेड ग्राउंड में गणतंत्र दिवस समारोह में बोलते हुए राज्यपाल ने कहा कि एलिवेटेड एक्सप्रेसवे और क्षेत्रीय रिंग रोड के निर्माण से कनेक्टिविटी और गतिशीलता बढ़ेगी, आर्थिक और सामाजिक एकीकरण को समर्थन मिलेगा और ये बुनियादी ढांचा पहल परिवर्तनकारी हैं, जो अपने सभी निवासियों के लिए एक आधुनिक और सुलभ राज्य का निर्माण कर रहे हैं। जिष्णु देव वर्मा ने कहा, "आइए हम सभी इस विजन में योगदान दें और सुनिश्चित करें कि हमारे सामूहिक प्रयास तेलंगाना और भारत के लिए एक उज्जवल भविष्य की ओर ले जाएं।"

उन्होंने कहा कि दावोस शिखर सम्मेलन के दौरान हासिल किए गए समझौतों से 1,78,950 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आया है, जिससे आईटी, नवीकरणीय ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल्स और सतत विकास के केंद्र के रूप में तेलंगाना की प्रतिष्ठा मजबूत हुई है और इन प्रयासों से 49,500 नौकरियां पैदा होने और तेलंगाना के औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलने का अनुमान है।

उन्होंने कहा, "संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दृढ़ और अडिग है। केंद्र सरकार के साथ सौहार्दपूर्ण और रचनात्मक संबंध बनाए रखना। तेलंगाना सरकार हमारे संविधान में निहित संघवाद की सच्ची भावना का उदाहरण है।"

गणतंत्र दिवस के अवसर पर, विक्रम सिंह मान, एडिशनल सीपी लॉ एंड ऑर्डर, हैदराबाद सिटी को विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया है और प्रजा पालना-प्रजा विजयोत्सवलु के सफल संचालन में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए तेलंगाना सरकार से भी प्रशंसा प्राप्त हुई है।

सरथ सिटी कैपिटल मॉल के एएमबी सिनेमा में फायर अलार्म बजने से दहशत फैल गई

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोंडापुर स्थित सरथ सिटी कैपिटल मॉल में शनिवार रात उस समय अफरातफरी मच गई, जब एएमबी सिनेमा की एक स्क्रीन में आग लगने का अलार्म बज उठा। रात करीब 8.30 बजे फायर अलार्म बजने पर सिनेमा हॉल में मौजूद दर्शक घबराकर बाहर निकल आए। सिनेमा थिएटर के कर्मचारी भी शुरू में भ्रमित हुए, लेकिन बाद में उन्हें पता चला कि यह गलत अलार्म था। दर्शकों ने राहत की सांस ली और गलत अलार्म के बारे में बताए जाने के बाद हॉल में वापस आ गए।

आरोग्या अस्पताल में 76वाँ गणतंत्रता दिवस समारोह संपन्न

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मोजम्मजाही मार्केट स्थित आरोग्या अस्पताल में 76 वें गणतंत्र दिवस प्रतिवर्ष की भाँति परंपरागत तरीके से संपन्न हुआ । समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि डॉ. सर्वेश्वर चन्द्र सूद एवं अन्य आमंत्रित अतिथिगणों के अभिनन्दन से हुई। मोहम्मद सलीम अहमद समारोह के सम्मानीय अतिथि रहे। आरोग्या अस्पताल की ओर से डॉ. श्यामसुन्दर अग्रवाल ने ध्वजारोहणकर्ता डॉ. सर्वेश्वर चन्द्र सूद और डॉ. महेश शर्मा ने मोहम्मद सलीम का पुष्पमाला से स्वागत किया। नन्हे मुन्हों की भागीदारी समारोह की विशेषता रही। आयोजकों की ओर से मास्टर अराहान और मास्टर अथर्व गुप्ता ने मास्टर अरफात और कृषिव नाराणिया का शॉल द्वारा अभिवादन किया। डॉ. सूद ने भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण के पश्चात तिरंगा फहराया ।

गणतंत्र दिवस समारोह परेड ग्राउंड की झांकियां

भारतीय रेलवे सिगनल इंजीनियरी और दूरसंचार संस्थान ने गणतंत्र दिवस मनाया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे सिगनल इंजीनियरी एवं दूरसंचार संस्थान (इरिसेट) ने सिकंदराबाद स्थित अपने परिसर में 76वां गणतंत्र दिवस मनाया और शरद कुमार श्रीवास्तव, महानिदेशक/इरिसेट ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने संकाय, कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए इस बात पर बल दिया कि इरिसेट को इस समय, जब रेलवे में आधुनिक प्रौद्योगिकियों जैसे कवच, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, डिजिटल एक्सल काउंटर, इंटरनेट प्रोटोकॉल - मल्टी प्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग (आईपी-एमपीएलएस) और सिगनल और दूरसंचार विभाग में दीर्घकालिक विकास (एलटीई) को बड़े पैमाने पर शामिल किया जा रहा है, और अधिक जोश और उत्साह के साथ अपनी भूमिका निभाना जारी रखते हुए कार्योन्मुख होना होगा. संस्थान की उल्लेखनीय उपलब्धियां इस प्रकार हैं: संस्थान ने कैलेंडर वर्ष 2024 में 75,533 प्रशिक्षु दिवसों में 6190 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया, जो प्रशिक्षुओं की संख्या में 34.37 और प्रशिक्षु दिनों में 2.67 की वृद्धि है. कवच - भारतीय रेलवे स्वचालित ट्रेन सुरक्षा तकनीक पर विभिन्न हितधारकों का प्रशिक्षण संस्थान का फोकस क्षेत्र रहा. वर्ष 2024 में इरिसेट ने इलेक्ट्रिकल लोको शेड पर्यवेक्षकों, ट्रैफिक निरीक्षकों और मैकेनिकल अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए। नए कार्यक्रमों के अलावा, रेलवे के अन्य विभागीय कर्मियों जैसे इलेक्ट्रिकल और ट्रैफिक विभाग के कर्मियों को भी प्रशिक्षण दिया गया. पीएसयू के नए प्रवेशकों एवं अधिकारियों, निजी उद्योग और इंजीनियरिंग कॉलेजों के संकाय के लिए भी प्रशिक्षण आयोजित किया गया. बाद में महानिदेशक ने परेड की सलामी ली. कर्मचारियों, प्रशिक्षुओं और उनके परिवारजनों और हितधारकों ने उत्साह और जोश के साथ देशभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

हरीश राव ने सिंचाई पर रेवंत रेड्डी के झूठ का किया पर्दाफाश

सिद्दीपेट, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पूर्ववर्ती महबूबनगर जिले में सिंचाई के तहत क्षेत्र में सुधार के लिए बीआरएस सरकार के काम के बारे में झूठ बोल रहे हैं। रविवार को गजवेल में गजवेल-परगनपुर नगरपालिका पार्षदों की विदाई बैठक को संबोधित करते हुए हरीश राव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में बीआरएस सरकार ने महबूबनगर में 6 लाख एकड़ भूमि को सिंचाई के अंतर्गत लाया था। कांग्रेस और टीडीपी सरकारों ने नेट्टामपाडु, कोइल सागर और कलवाकुर्ती परियोजनाओं को 20 वर्षों तक लंबित रखा और सिंचाई क्षेत्र को मात्र 26,000 एकड़ तक सीमित कर दिया। उन्होंने रेवंत रेड्डी को चुनौती दी कि वे महबूबनगर के कुरुमूर्ति मंदिर में आकर शपथ लें कि जिले में कृषि क्षेत्र को बेहतर बनाने के लिए वास्तव में किसने काम किया है।

हैदराबाद सिटी पुलिस ने मनाया गणतंत्र दिवस

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नर कार्यालय, बंजारा हिल्स, हैदराबाद में 76वां गणतंत्र दिवस समारोह भव्य रूप से मनाया गया। परिमला हाना नूतन संयुक्त पुलिस आयुक्त (प्रशासन) हैदराबाद ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और फिर सभी ने एक साथ राष्ट्रगान गाया। गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर बोलते हुए, श्रीमती परिमला हाना नूतन आईपीएस संयुक्त सीपी (प्रशासन) हैदराबाद ने कहा, भारत का संविधान 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ था और इसलिए इस दिन को हर साल गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि पुलिस प्रणाली में हर कोई संविधान की भावना के अनुसार लोकतांत्रिक तरीके से जनता की सेवा करेगा और जब हम सभी मिलकर काम करेंगे, तभी हम लोगों की अच्छी तरह से सेवा कर पाएंगे।

के. पुष्पा रेड्डी आईपीएस डीसीपी आईसीसीसी, के. रविंदर रेड्डी एडिशनल डीसीपी आईसीसीसी, सतीश पीएस टू सीपी हैदराबाद, एम. नरसिंह राव डीएसपी आईसीसीसी, आर. गंगाराम डीएसपी आईसीसीसी के. वेंकटेश्वर रेड्डी, लेखा अधिकारी, श्रीमती श्रीदेवी एडीओ, श्री विजया भास्कर रेड्डी, एसीपी, आईसीसीसी, श्री एम. सत्यनारायण डीएसपी संचार, श्री उमाकांत जेएओ और निरीक्षक, एसआई और यातायात ई-चालान के कर्मचारी, कमांड कंट्रोल सेंटर अधिकारी, संचार और मंत्रालयिक कर्मचारी शामिल हुए।

करीमनगर कलेक्टर ने 6 जिला अधिकारियों को जारी किया ज्ञापन

करीमनगर, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर पामेला सत्पथी ने शुक्रवार को करीमनगर शहर में आयोजित केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर के दौरे कार्यक्रम के दौरान कर्तव्यों की उपेक्षा करने के लिए छह जिला स्तरीय अधिकारियों को ज्ञापन जारी किया। खट्टर ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, राज्य मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और पोन्नम प्रभाकर के साथ स्मार्ट सिटी कार्यक्रम के तहत पूरे किए गए विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन किया। अधिकारियों के बीच समन्वय की कमी के कारण मंत्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। खराब व्यवस्थाओं से नाराज श्रीनिवास रेड्डी ने कलेक्टर पर गुस्सा जाहिर किया। मंत्री के ये शब्द सोशल मीडिया पर वायरल हो गए और प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में भी खूब छाए। कथित तौर पर असुविधा के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करते हुए कलेक्टर ने करीमनगर शहर के एसीपी, एससी निगम के ईडी, जिला युवा एवं खेल अधिकारी, जिला कल्याण अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी और आरडीओ को ज्ञापन जारी किया। कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय में गणतंत्र दिवस

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय में 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराया। सीपी ने दिवंगत महान व्यक्तियों के चित्रों पर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके महान बलिदानों को याद किया। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त ने इस अवसर पर पुलिस कर्मियों और नागरिकों को शुभकामनाएं दीं। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने कहा कि हमारा संविधान वर्ष 1950 में आज ही के दिन लागू हुआ था। भारत एक गणतंत्र बना और लोगों को अपने भाग्य को आकार देने की सामूहिक शक्ति प्रदान की गई।

आज हमारे लोकतांत्रिक गणराज्य का जश्न मनाने और इसकी संप्रभुता पर गर्व करने का दिन है। मैं हमारे संविधान के निर्माताओं को अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिन्होंने स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के महान सिद्धांतों को स्थापित किया।

इस अवसर पर, सीपी ने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस की वर्दी पहनना एक बड़ा सम्मान और सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी को गंभीरता से लेना और अपने कर्तव्यों को पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ निभाना जरूरी है, क्योंकि हम देश की बेहतरी के लिए काम करते हैं। साइबराबाद सीपी ने पुलिस को उनके कर्तव्यों में सराहनीय सेवाओं के लिए 29 अति उत्कृष्ट सेवा पदक और 18 उत्कृष्ट सेवा पदक प्रदान किए। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.